बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) मे एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 30 मई 2026 | दिन - शनिवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 122 | मूल्य - 5 रुपये

पिंपरी चिंचवड व पुणे में जहरीली शराब से 14 लोगों की मौत, आठ आरोपी पकड़े..

पुणे, (भाषा)। पिंपरी चिंचवड और पुणे शहर में संदिग्ध नकली शराब पीने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है और पुलिस ने इस सिलसिले में एक मुख्य तस्कर सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को ÷बेहद गंभीर÷ बताया और कहा कि नकली शराब की आपूर्ति में शामिल ÷पूरे नेटवर्क÷ की पहचान कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस पूरी घटना की जांच 'अपराध जांच विभाग' (सीआईडी) को सौंप दी गई है। पिंपरी चिंचवड के फुगेवाड़ी इलाके में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पुणे के हडपसर स्थित पांढरे मला क्षेत्र में चार अन्य लोगों की संदिग्ध जहरीली शराब के सेवन से जान चली गई। पुलिस ने बताया कि जहरीली शराब पीने के संदेह में पांच अन्य पुरुषों का पिंपरी चिंचवड़ के एक अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है।

पिंपरी चिंचवड पुलिस के संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. बसवराज तेली ने कहा कि जांच के दौरान पुलिस ने मामले के सिलसिले में करनेलसिंह तख्तसिंह विरका (73), गुरमंगतसिंह करनेल सिंह विरका (45), योगेश रामचन्द्र वानखेड़े (23), राधेशाम हरिराम प्रजापति (35), इंदरजीत कौर करनेल सिंह विरका (60) और कल्पेश अग्रवाल (29) को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार करनेल सिंह, गुरमंगतसिंह, वानखेड़े और प्रजापति को आठ जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है जबकि इंदरजीत और अग्रवाल को शनिवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

पंजाब निकाय चुनाव में सबसे आगे निकली आप, चौथे स्थान पर पहुंची भाजपा

बैलेट पेपर के माध्यम से संपन्न हुए चुनाव..

चंडीगढ़, (भाषा)। ***पंजाब निकाय चुनाव में शुक्रवार शाम करीब सात बजे तक 45 प्रतिशत से अधिक वार्डों में आम आदमी पार्टी (आप) ने जीत दर्ज की। वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि***

जनता ने सत्ताधारी पार्टी की विकासवादी नीतियों का समर्थन किया और विपक्ष की 'नफ़रत की राजनीति' को परास्त किया। पंजाब राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 'आप' ने कुल 1,977 वार्डों में से 886 में जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस 358 वार्ड जीतकर दूसरे स्थान पर रही, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने 178 वार्ड जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 153 वार्डों में जीत का परचम फहराया। इन शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 246 वार्डों में जीत दर्ज की। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी छह वार्ड में जीत हासिल की। आयोग के मुताबिक, 130 से अधिक वार्डों के परिणाम अब तक घोषित नहीं हुए हैं और मतगणना जारी है। अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुक्रवार सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले 'आपे' जीत पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि जनता ने 'आप' सरकार के विकास कार्यों पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता ने विपक्ष की नफ़रत की राजनीति को हरा दिया। मान ने कहा, ÷जनता ने विभाजनकारी राजनीति करने वाली पार्टियों को नकार दिया है। मोहाली, बठिंडा, अबोहर, बरनाला, कपूरथला, मोगा, बटाला और पठानकोट के आठ नगर निगमों के 1,897 वार्डों में 102 नगर निकायों, 75 नगर परिषदों और 19 नगर पंचायतों के चुनाव 26 मई को मतपत्रों के माध्यम से हुए, जिसमें 63.94 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। राज्य के 1,977 वार्डों में से 80 वार्डों में उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए। इन स्थानीय निकाय चुनावों में 7,554 उम्मीदवार मैदान में थे। आठ नगर निगमों के संपूर्ण परिणाम अब तक घोषित नहीं किए गए हैं। धूरी नगर परिषद में 'आप' ने 19 वार्ड में जीत दर्ज की, जबकि दो वार्ड में निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। मुख्यमंत्री मान धूरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। गिद्दड़बाहा नगर परिषद में 'आप' ने 19 में से 17 वार्ड में जीत हासिल की जबकि कांग्रेस केवल दो वार्ड जीत सकी। गिद्दड़बाहा को कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग का गढ़ माना जाता है। हालांकि, चमकौर साहिब नगर परिषद में कांग्रेस ने सात वार्ड में जीत दर्ज की, जबकि 'आप' और निर्दलीय उम्मीदवारों ने तीन-तीन वार्ड जीते। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी चमकौर साहिब विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब के प्रमुख राजनीतिक दलों 'आप', भाजपा, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के लिए यह निकाय चुनाव अहम माने जा रहे हैं।

राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने अब तक आए चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पंजाब के लोगों ने 'आप' सरकार के काम पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि लोगों ने विपक्षी दलों को आईना दिखा दिया है। चीमा ने कहा कि नगर निकाय चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कराए गए। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक मतगणना केंद्र पर संबंधित जिले के सामान्य पर्यवेक्षक की प्रत्यक्ष निगरानी में दो सूक्ष्म पर्यवेक्षक तैनात किए गए। उन्होंने कहा कि मतगणना कक्ष में केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति है। इससे पहले, विपक्षी दलों ने 'आप' सरकार पर चुनावों के दौरान सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। इन निकाय चुनावों को सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक अग्निपरीक्षा के रूप में देखा जा रहा है, जो राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखने की उम्मीद कर रही है।

मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म गर्वनर में नजर आएंगे बालाघाट के नवाज फैयाज खान..

■ बालाघाट में प्रेस कॉन्फ्रेस में नवाज ने बताई फिल्म और थियेटर संबंधी दिलचस्प बातें..

■ पिता फैयाज खान भी रहे नूतन कला निकेतन के कलाकार..

जगप्रेरणा बालाघाट। ***केरला स्टोरी वन एवं टू के डायरेक्टर चिन्मय मंडलेकर के निर्देशन में अब एक और नई फिल्म गर्वनर 2 जून को पुरे देश में एक साथ रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में मुख्य किरदार अभिनेता मनोज बाजपेयी निभाने जा रहे हैं, लेकिन बालाघाट के लिये यह खुशखबरी है कि बालाघाट के***

एक और यूवा का इस फिल्म में अभिनय के साथ प्रवेश होने जा रहा है। गौरतलब है कि इसके पहले बालाघाट के बैहर अंचल से निकलकर मुश्ताक खान एवं ने अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म कालिया से फिल्मी कैरियर की शुरुआत की थी, वहीं फिल्म पीके, संजय दत्त की संजू एवं अन्य अनेक फिल्मों में अभिनय कर अपनी पहचान बनाई, वहीं अब एक नवोदित कलाकार के रुप में बालाघाट के नवाज फैयाज खान ने फिल्मी दूनिया में कदम रख दिया है। बालाघाट में पत्रकारों से मुलाकात के दौरान नवोदित कलाकार नवाज खान अपने पिता फैयाज खान के साथ उपस्थित थे, जिन्होंने फिल्म की कहानी एवं अपने अभिनय के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। नवाज खान ने बालाघाट में पत्रकारों को बताया कि फिल्म गवर्नर 1998-1999 के दौरान देश पर मंडराये आर्थिक संकट को लेकर बनाई गई है, जिसमें आरबीआई गवर्नर और प्रधानमंत्री पी. नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने देश को इस आर्थिक संकट से बाहर निकाला था। उस दौर में देश को अपना सोना तक गिरवी रखना पड़ा था। नवाज खान ने बताया कि इस फिल्म में उनका छोटा सा लेकिन महत्वपूर्ण रोल है, तथा उन्हें उम्मीद है कि फिल्म गवर्नर लोगों

■ पिता ने नाटकों में किया मंचन..

गौरतलब है कि बालाघाट के फैयाज खान बालाघाट में सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र रहे, तथा अपने दौर में फैयाज खान पढ़ाई एवं अपने अच्छे व्यवहार के लिये स्कूल के एक आदर्श विद्यार्थी के रुप में लोकप्रिय रहे, जबकि वहीं नूतन कला निकेतन में नाटकों में मंचन भी फैयाज खान ने किया। फैयाज खान ने बालाघाट में अपनी अलग पहचान तो बनाई ही, वहीं कैरियर बनाने फिर नेवी में ऑफिसर बने। फैयाज खान ने विखाखापट्नम, पोर्ट ब्लेयर अंडमान में भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित थियेटर में भगवान राम की भूमिका निभाई है।

एनएसडी के माध्यम से नवाज ने की शुरुआत..

पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए नवाज खान ने भी अभिनय के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने कदम बढ़ाया है, जिसमें कदम कदम पर पिता का मार्गदर्शन नवाज के लिये महत्वपूर्ण रहा। नवाज खान ने बताया कि उन्होंने बालाघाट के केंद्रीय विद्यालय से आठवीं तक की शिक्षा प्राप्त की है, तथा अभिनय की ट्रेनिंग लेने के लिये उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफड्रामा (एनएसडी) से थिएटर में मास्टर्स की डिग्री हासिल की। नवाज ने बताया कि मुंबई में उन्होंने एनएसडी से ट्रेनिंग के बाद एक साल निरंतर संघर्ष किया, जिसके बाद कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के माध्यम से उन्हें 'गवर्नर' में काम करने का अवसर मिला। नवाज ने बताया कि उनका रोल छोटा है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि इस फिल्म में उनका छोटा सा अभिनय भी दर्शकों का ध्यान अवश्य आकर्षित करेगा।

कई राज्यों में बारिश के आसार, आईएमडी ने कमजोर मानसून का जताया अनुमान

नयी दिल्ली, (भाषा)। मानसून के आगमन से पहले शुक्रवार को कई राज्यों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी मौसम में देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा सामान्य से कम रहने के संकेत दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में बादल छाए रहे और तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई। यहां पिछले 21 दिनों में सबसे कम अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई उत्तरी राज्यों के लिए मौसम विभाग ने बारिश और आंधी की आशंका जताई है। राजस्थान में भीषण गर्मी का असर कम नहीं हो रहा है और तापमान मध्य 40 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

दैनिक जग प्रेरणा
में समाचार
एवं विज्ञापन प्रकाशन
हेतु संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

जग प्रेरणा
जिला सिवनी
● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

एक साथ सजदे मे झुके हजारो सिर, मांगी अमन चैन की दुआएं

शांति एवं सद्भाव के साथ मनाया गया ईद-उल-अज्हा का त्योहार..

जगप्रेरणा सिवनी।

सिवनी मुख्यालय सहित जिले में शनिवार को ईदुल अजहा का त्योहार शांति व सदभाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही नन्हें मुन्ने बच्चे, नौजवान व बुजुंग

ईदुल अजहा की नमाज अदा करने के लिए मस्जिद व ईदगाह की ओर अपने घरों से निकल पड़े। ईदगाह में नमाज अदा होने के बाद अमन चैन व शांति की दुआएं मांगी गई। वहीं दुआ के बाद एक दूसरे को गले मिल ईद की मुबारकबाद दी गई। नमाज के बाद बकरों की कुर्बानी दी गई।

मुख्यालय सिवनी में बडी ज्यारत ईदगाह के अलावा घसयारी मोहल्ला ईदगाह, मस्जिद गरीब नवाज, मस्जिद फैजाने रजा, मस्जिद सूफ्यिा, मस्जिद फैजगंज पिंजारी मोहल्ला, मस्जिद नूरअंबिया बस स्टैंड, मस्जिद गौसिया एकता कालोनी व बुधवारी बाजार जीएन रोड स्थित मस्जिद ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने पहुंचकर नमाज अदा की। जिले के विकासखंड मुख्यालय छपारा, लखनादौन, केवलारी, धनौरा, बरघाट, घंसौर, कुरई सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित ईदगाह व मस्जिदों में भी ईदुल अजहा की नमाज अदा की गई।

पुलिस बल रहा तैनात..

ईदुल अजहा त्योहार के लिए सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन ने चाक-चौबंद व्यवस्था की। मुख्य स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। वहीं ईदुल्ल अजहा की नमाज के पूर्व ही नगर पालिका प्रशासन ने नगर के ईदगाह सहित सभी मस्जिदों के आसपास साफ-सफाई कराई। ताकि ईद की नमाज अदा करने आने वाले लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

कुर्बानी का असल मक़सद अपने अल्लाह ईश्वर को राजी करना है: मुफ्ती तौहिद रज़ा..

बकरा ईद इदुल अजहा पर मस्जिद नूर अंबिया राज्य परिवहन बस स्टैंड पर नमाज़ अदा की गई. ईद की नमाज़ के पहले खिताब करते हुए हज़रत अल्लामा मौलाना मुफ्ती तौहिद रज़ा साहब ने क़ौम को ज़रुरी हिदायत दी कुर्बानी का असल मक़सद अपने अल्लाह ईश्वर को राजी करना है कुर्बानी अल्लाह के लिए है इसमें कोई दिखावा नहीं हो खासकर कुर्बानी की विडियो फोटो शोशल मिडिया में हरगिज न डालें और आपने सख्त लहजे में कहा अपने पड़ोसी रिश्ते दारो गरीब यतीम को सबसे पहले उनका हक़ हिस्सा दो बग़ैर दिखावा के आपने संपूर्ण जिला अहले सुन्नत व जमात को ईदुल अजहा बकरा ईद का त्योहार हर्ष उल्लास के साथ शांतिपूर्वक तरीके से मनाने की अपील की जिस चीज़ की कुर्बानी हुकूमत ने पाबंदी लगाई है उसका हरगिज़ बाय काट करें बकरे की कुर्बानी आला पैमाने पर करें और अपने आकाओं मौला अल्लाह को राजी करें नमाज़ के बाद मुल्क ए हिंदुस्तान के लिए अमनों अमान शांति के लिए दुआ मांगी गई दुनिया भर सहित सिवनी के मुस्लिम समाज के लिए विषेश दुआ की गई। सूफी समाजिक कार्यकर्ता सूफी मंजूर रज़ा क़ादरी द्वारा जिले भर में शांतिपूर्वक ईद के त्यौहार मनाने में जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया.

कान्हीवाड़ा ईदगाह में अदा की गई ईदुल अज़हा की नमाज़..

जिले के काँहीवाड़ा में ईदुल अज़हा (बकरीद) का पर्व धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी काँहीवाड़ा ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के मर्दों और महिलाओं ने एकत्र होकर ईदुल अज़हा की नमाज़ अदा की। सुबह 7 बजे ईदगाह में नमाज़ अदा की गई, जिसमें क्षेत्रभर से लोग शामिल हुए। नमाज़ के दौरान भाईचारे, अमन और खुशहाली का माहौल देखने को मिला।

नमाज़ के बाद मौलाना सादिकुर्रहमान ने खुतबा पेश किया। उन्होंने अपने संबोधन में हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत, कुर्बानी की अहमियत तथा त्याग और समर्पण के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईदुल अज़हा का पर्व इंसानियत, कुर्बानी और अल्लाह की राह में समर्पण का प्रतीक है। खुतबे के दौरान मौलाना ने पूरे आलम में अमन-शांति, आपसी भाईचारे और देश की तरक्की के लिए विशेष दुआ कराई। नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और समाज में प्रेम एवं सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग..

मुस्लिम जमात धनौरा ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा धनौरा।

गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए आज धनौरा तहसील में मुस्लिम समाज ने देशहित और गौवंश के संरक्षण के लिए एक सराहनीय कदम उठाया है। 'मुस्लिम जमात धनौरा तहसील थाना धनौरा (जिला सिवनी)' के तत्वाधान में आज स्थानीय थाना प्रभारी को महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री और मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने और देशभर में सशक्त गौ संरक्षण कानून लागू करने की मांग की गई है।

भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है गाय..

थाना प्रभारी धनौरा को सौंपे गए ज्ञापन में मुस्लिम जमात ने उल्लेख किया है कि भारत देश विविधता, सह-अस्तित्व एवं आपसी सम्मान की परंपरा वाला राष्ट्र है। गाय भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार रही है। विभिन्न समुदायों में भी गाय के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना विद्यमान है। भारतीय परंपरा में गाय को 'माता' का दर्जा दिया गया है और यह देश की सांस्कृतिक धरोहर है।

अवैध तस्करी, वध और गौमांस निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग..

ज्ञापन के माध्यम से मुस्लिम जमात ने वर्तमान में चल रही गौवंश की तस्करी, अवैध वध, बूचड़खानों के विस्तार और गौमांस निर्यात जैसी गतिविधियों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। जमात का कहना है कि ऐसी गतिविधियां न केवल सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत पर भी आघात कर रही हैं।

राष्ट्रीय पशु का दर्जा- जिस प्रकार रॉयल बंगाल टाइगर को राष्ट्रीय पशु का दर्जा प्राप्त है, उसी प्रकार गाय को भी 'राष्ट्रीय पशु' घोषित कर विशेष संवैधानिक संरक्षण प्रदान किया जाए। **गौमांस निर्यात पर रोक**-देश से विदेशों में होने वाले गौमांस निर्यात पर पूर्णतः रोक लगे और देश के बड़े बूचड़खानों को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाए। **कमजोर व बूढ़ी गायों का संरक्षण**- असहाय, वृद्ध और कमजोर गौवंश की खरीदी-बिक्री एवं तस्करी पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। **राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार**- गाय की मृत्यु होने पर राजकीय सम्मान के साथ स्थानीय निकायों द्वारा सम्मानजनक अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जाए। **कठोर गौ संरक्षण कानून**- पूरे देश में एक समान सख्त कानून बनाकर गौ तस्करी और अवैध वध करने वालों पर कठोर दंड सुनिश्चित हो। **गौशालाओं को आर्थिक सहायता**- गौशालाओं के लिए पारदर्शी व्यवस्था के साथ आर्थिक सहायता, भूमि और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। **गौ आधारित उत्पादों को बढ़ावा**- गोबर गैस, जैविक खाद और पंचगव्य आधारित उत्पादों को प्रोत्साहित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जाए। **विशेष टास्क फोर्स का गठन**- अवैध गौ तस्करी रोकने के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विशेष दल (टास्क फोर्स) गठित कर सख्त निगरानी की जाए। **सामाजिक जागरूकता अभियान**- सभी धर्मों और समुदायों के बीच आपसी सम्मान बनाए रखते हुए गौ संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए।

सदर सहित समाज जन रहे उपस्थित..

ज्ञापन सौंपते समय सदर शफीक खान (पप्पू भैया), मोहम्मद याकूब खान, मोहम्मद कलीम खान, रफीक खान, अबरार खान, मोहम्मद तौफीक खान, इमरान खान, हाजी मोहम्मद बशीर, वसीम खान, जुनेद खान, हामिद खान, शाहिद खान, इरफान खान, हसीन खान, मुजफ्फर हुसैन, निसार खान, मोहम्मद मोईन खान, सोहित खान, मुन्ना भाई, रशीद खान, फिरोज खान सहित समस्त मुस्लिम जमात धनौरा तहसील थाना के पदाधिकारी, समर्थक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बरघाट मे गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर किया विरोध प्रदर्शन

जगप्रेरणा सिवनी।

दिल्ली में केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित जनजाति सांस्कृतिक समागम (महाकुंभ) के कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह ने अपने भाषण में देश के मूल निवासी आदिवासी वर्ग को वनवासी शब्द का इस्तेमाल करते हुए सम्बोधित किया। जबकि आदिवासी समाज भारत का मूल निवासी है। अमित शाह द्वारा आदिवासी समाज को न केवल वनवासी कहकर अपमानित किया बल्कि आदिवासियों को सिर्फजंगल में रहने वाला निरूपित किया जो कि आदिवासी समाज का घोर अपमान है। भारत में आदिवासी सनातन संस्कृति को सजोए रखने में प्रकृति को आधार मानते हुए जल, जंगल और जमीन की रक्षा में अपने प्राणो तक का उत्सर्ग करने में कोई संकोच नही करते देश के गृहमंत्री अमित शाह के आदिवासी विरोधी बयान से देश के आदिवासी समाज की घोर उपेक्षा है गृहमंत्री के इस बयान से भारत के मूल निवासी आदिवासियों की मूल पहचान को कमजोर करता है जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के निर्देशानुसार जिला आदिवासी कांग्रेस सिवनी, जिला युवा कांग्रेस एव बरघाट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा केन्द्र मोदी सरकार की आदिवासी विरोधी मानसिकता वाले देश के गृहमंत्री अमित शाह को मंत्री पद से हटाने के नारो के साथ बरघाट जनपद पंचायत के सामने गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर जिला आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विजय उइके, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आदित्य मोन्टू भूरा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज राहंगडाले, नगर कांग्रेस बरघाट के अध्यक्ष सुनील अवधवाल, जिला पंचायत सदस्य नितिन डेहरिया, अनिल मर्सकोले, तामशिह तेंभरे, हिरेन्द्र,दाउद इब्राहिम, सुनील पंचेश्वर, इंदर अड़पाचे, देवेंद्र ठाकुर आशु बघेल सहित बडी संख्या में कांग्रेस जनों की उपस्थिति रही।

जिला कांग्रेस ने मनायी स्व. श्रीमती उर्मिला सिंह जी की पुण्यतिथि

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश की पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व केबिनेट मंत्री श्रद्धेय स्व. श्रीमती उर्मिला सिंह जी की पुण्यतिथि कार्यालय जिला कांग्रेस कमेटी इंदिरा भवन में मनायी गई।

इस अवसर पर स्व. उर्मिलासिंह जी प्रतिमा पर जिला आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष विजय उइके द्वारा माल्यार्पण किया गया एवं दीप प्रज्जवलित जेपीएस तिवारी ने किया। उपस्थित कांग्रेस जनों त्याग, सादगी, संघर्ष एवं जनसेवा की प्रेरणाश्रोत स्व. उर्मिला सिंह जी का योगदान को स्मरण कर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मोहनसिंह चंदेल, पवन दिवाकर, विष्णु करोसिया, यशपाल भलावी, ध्रुवनारायण चौधरी, विशाल सनोडिया, सतेन्द्र बघेल, डॉ. हरेन्द्र नेवारे की उपस्थिति रही।

पति की हत्या करने वाली पत्नी, उसके प्रेमी और उसके दोस्त को हुई आजीवन कारावास की सजा

जगप्रेरणा सिवनी।

मनोज कुमार सैयाम मीडिया प्रभारी ने बताया कि जिला सिवनी के थाना ऊगली का यह मामला दिनांक 25/05/2019 की रात्रि के लगभग 11 बजे है ग्राम बनाथर का है । ग्राम बनाथर के रहने वाले विदेश नागेश्वर की पत्नी युवकन बाई का ग्राम के ही रहने वाले लकेश पंचेश्वर से अवैध संबंध थे। जब उसे पता चला तो पत्नी को डांटा तो पत्नी उल्टा उसके साथ झगड़ा विवाद करती थी ,अवैध संबध में पति के बाधा बनने और टोकने की वजह से अपने पति को जान से मारने की योजना अपने प्रेमी लकेश के साथ बनाई और बताई की उसका पति घर के बाहर परछी में सोता है तब रात्रि में पति को जान से खत्म की योजनानुसार दिनांक 25/05/2019 को रात्रि लगभग 11 बजे प्रेमी लकेश पंचेश्वर और उसके साथी टक्कन मरकाम को अपने घर बुलाई और घर का दरवाजा बाहर से लगा दी ताकि बच्चे जो घर में सो रहें थे, उनको पता ना चल सके , उसके बाद परछी में सो रहे उसके पति के हाथो को आरोपी टक्कन सिंह ने पकड़ा पत्नी ने पैर पकड़ा और विदेश ने गला दबाकर जान से खत्म कर दिया था, पत्नी अंजान बनी रही। इस मामले की रिपोर्ट पर ऊगली थाना के तत्कालीन थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रभारी हेमंत बाबरिया के द्वारा उचित जांच और अन्वेषण किया कोई भी चस्मदीद साक्षी घटना का नही था, परिस्थिजनक साक्ष्य जुटाकर आरोपी लकेश पंचेश्वर पिता काशीराम पंचेशर उम्र 47 वर्ष, टक्कन सिंह मरकाम पिता सुंदरलाल मरकाम उम्र 36 वर्ष, तथा मृतक की पत्नी युवकन बाई उम्र 33 वर्ष तीनों निवासी ग्राम बनाथर के विरुद्ध अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया था। जिसकी सुनवाई श्रीमान बलबीर सिंह धाकड़ तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सिवनी की अदालत में सुनवाई की गई, जिसमें शासन की ओर से असिटटेंट डीपीओ मनोज कुमार सैयाम के द्वारा गवाहों और सबूतों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर प्रमाणित कराया और तर्क प्रस्तुत किए गए। जिसको दर्ष्टिगत रखते हुए माननीय विद्वान न्यायालय द्वारा उपरोक्त तीनों अभियुक्तगणों को धारा= 302 भा.द.वि. में आजीवन कारावास एवम 5000=5000 रुपए के अर्थदंड की सजा से दंडित करने का अभूतपूर्व निर्णय सुनाया है।

शासकीय बोर पर अवैध कब्जे का आरोप: किसान द्वारा मोटर लगाकर निजी उपयोग करने की शिकायत

जगप्रेरणा सिवनी।

ग्राम पंचायत आमगांव अंतर्गत खेरलाजी गांव में शासकीय बोर पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि गांव में पेयजल संकट के बीच एक किसान द्वारा शासकीय बोर में विद्युत मोटर पंप लगाकर निजी उपयोग किया जा रहा है। मामले को लेकर सरपंच एवं सचिव ने चौकी बादलपार सहित संबंधित विभाग में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार ग्राम खेरलाजी में ग्रामीणों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (PHE) द्वारा शासकीय बोर कराया गया था। आरोप है कि गांव निवासी खुशराम चंद्रवंशी द्वारा उक्त बोर में विद्युत मोटर पंप डालकर गेहूं एवं मूंग की फसल की सिंचाई की जा रही है, जिससे ग्रामीणों को पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के मौसम में गांव में पहले से ही पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। ऐसे में शासकीय बोर का निजी उपयोग किए जाने से आम लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार पंचायत को सूचना दी गई, जिसके बाद सरपंच और सचिव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए चौकी बादलपार एवं संबंधित विभाग को लिखित आवेदन सौंपा है।

पंचायत प्रतिनिधियों ने मांग की है कि शासकीय बोर से तत्काल विद्युत मोटर हटाई जाए तथा बोर का उपयोग केवल ग्रामीणों की पेयजल आवश्यकता के लिए सुनिश्चित किया जाए। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

इस संबंध में पीएचई एसडीओ राजकुमार गभने ने बताया कि पहले भी एक बार मोटर डाल ली गई थी, हमारे द्वारा निकलवा दिया गया था। यदि सरकारी बोर में किसी ग्रामीण द्वारा विद्युत मोटर डाली गई है तो जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विजयपानी में अवैध तंबाकू कारोबार का बड़ा खेल

जगप्रेरणा सिवनी।

कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत बादलपार चौकी के विजयपानी गांव में कथित रूप से संचालित अवैध तंबाकू कारोबार अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गया है।

गांव में बड़े पैमाने पर तंबाकू पीसकर गुटखा जैसा मिश्रण तैयार किए जाने और उसे बिना किसी लेबल एवं वैधानिक चेतावनी के खुलेआम बाजार में सप्लाई किए जाने के आरोप सामने आए हैं। मामले को लेकर प्रशासनिक निष्क्रियता और संबंधित विभागों की चुप्पी पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार गांव के दो भाई लगभग छह चक्की मशीनों के माध्यम से तंबाकू में चुना और अन्य सामग्री मिलाकर कथित रूप से गुटखा जैसा मिश्रण तैयार कर रहे हैं। यह सामग्री प्रतिबंधित प्लास्टिक की छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक कर बोलेरो वाहनों के जरिए गांव-गांव, कस्बों और शहरों तक पहुंचाई जा रही है। बताया जा रहा है कि जिलेभर की कई किराना दुकानों, पान गुमठियों और छोटे व्यापारियों तक इसकी सप्लाई की जा रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि यह कारोबार लंबे समय से खुलेआम संचालित हो रहा है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई। गांव में यह चर्चा भी तेज है कि संबंधित विभागों तक कथित रूप से 'मंथली' पहुंचने के कारण कार्रवाई नहीं हो पा रही। हालांकि इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशासनिक चुप्पी ने लोगों के मन में कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

घरेलू बिजली कनेक्शन से चल रही थीं भारी मशीनें..

जानकारी के अनुसार तंबाकू पीसने के लिए गांव में भारी चक्की मशीनें लगाई गई थीं, जिन्हें कथित रूप से घरेलू बिजली कनेक्शन से संचालित किया जा रहा था। सूत्रों के मुताबिक लगभग 6 किलोवाट क्षमता तक की मशीनें घरेलू लाइन पर चलती पाई गईं। मामले की सूचना मिलने पर विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद पंचनामा कार्रवाई की गई। विभाग ने घरेलू कनेक्शन का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर आर्थिक दंड भी लगाया है।

बिना लाइसेंस और लेबल के कारोबार पर उठे सवाल..

नियमों के अनुसार तंबाकू उत्पादों के निर्माण और बिक्री के लिए लाइसेंस, पंजीयन और स्वास्थ्य विभाग की अनुमति आवश्यक होती है। इसके अलावा किसी भी तंबाकू उत्पाद की पैकेजिंग पर वैधानिक चेतावनी, निर्माण तिथि, ब्रांड नाम और अन्य जरूरी जानकारी अंकित होना अनिवार्य है।ऐसे में बिना लेबल, बिना ब्रांड और बिना चेतावनी वाली पुड़ियों में कथित रूप से तंबाकू उत्पादों की बिक्री कई गंभीर कानूनी सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस तरह का कारोबार अवैध रूप से संचालित हो रहा है तो संबंधित विभागों को संयुक्त जांच कर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

तंबाकू की धूल से गांव में बढ़ रहा स्वास्थ्य खतरा..

ग्रामीणों का कहना है कि तंबाकू पीसने के दौरान उड़ने वाला धूलकण आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहा है। लोगों ने सांस संबंधी बीमारियां, एलर्जी और बच्चों में स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ने की आशंका जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह कारोबार पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर स्वास्थ्य संकट बन सकता है।

पुलिस और विभागीय कार्रवाई पर भी उठे सवाल..

सूत्रों के अनुसार बादलपार चौकी पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर मशीनों का निरीक्षण किया था। चौकी प्रभारी इंजन सिंह मर्सकोले ने बताया कि मौके पर सुपारी और तंबाकू से संबंधित मशीनें पाई गई थीं। हालांकि अब तक किसी बड़ी कानूनी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। इधर खाद्य विभाग ने भी मामले की जांच की बात कही है। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि केवल जांच की बात कहने से काम नहीं चलेगा, अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई जरूरी है.

बोले जेइ प्रमोद करोले..

'विजयपानी ग्राम में अर्जुन डहरिया के घर जांच के दौरान छह प्रकार की मशीनें लगी मिलीं। घरेलू कनेक्शन से गैर-घरेलू यंत्र संचालित पाए गए, जिस पर ऑनलाइन पंचनामा कार्रवाई करते हुए 35,358 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।'

बोले महेंद्र परतेती..

'जानकारी मिली है। जांच कर संबंधित कारोबारी पर कार्रवाई की जाएगी।'

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर, शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
मनोज सचदेव
मो. 94258-22975

फुटपाथ निर्माण अधूरा, 31 मई से शुरू नहीं हो सकेगा बालाघाट गर्रा ओव्हर ब्रिज पर यातायात..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट-गर्रा-वारासिवनी मार्ग पर निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज (आरओबी) से 31 मई से यातायात प्रारंभ होने की संभावना फिलहाल टल गई है। बालाघाट एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने गुरुवार 29 मई को सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ श्री अर्जुन सनोडिया के साथ रोड ओव्हर ब्रिज का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

एसडीएम गोपाल सोनी एवं एसडीओ अर्जुन सनोडिया ने किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि ब्रिज के ऊपरी हिस्से में फुटपाथ निर्माण का कार्य अभी अंतिम चरण में चल रहा है। यह कार्य पूरी तरह पूर्ण होने में लगभग दो से तीन दिन का और समय लग सकता है। इसी कारण सुरक्षा एवं तकनीकी दृष्टि से 31 मई से ब्रिज पर यातायात प्रारंभ नहीं किया जा सकेगा। एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने संबंधित निर्माण एजेंसी एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि फुटपाथ सहित शेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि ब्रिज का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और बचा हुआ कार्य समाप्त होते ही यातायात प्रारंभ करने की नई तिथि घोषित की जाएगी।

सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ श्री अर्जुन सनोडिया ने बताया कि ब्रिज पर सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। फुटपाथ निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद अंतिम निरीक्षण किया जाएगा, जिसके उपरांत यातायात प्रारंभ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस रोड ओव्हर ब्रिज के शुरू होने से बालाघाट-गर्रा-वारासिवनी मार्ग पर आवागमन अधिक सुगम होगा तथा रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। स्थानीय नागरिक भी लंबे समय से इस ब्रिज के प्रारंभ होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि निर्माण कार्य पूर्ण होने तक धैर्य बनाए रखें और सुरक्षा कारणों से निर्माणाधीन ब्रिज का उपयोग न करें।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रकरणों की समीक्षा कर

कलेक्टर मृणाल मीना ने प्रशिक्षित युवाओं को बैंक ऋण एवं बाजार उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने गुरुवार 29 मई को जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा आईटीआई विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं ऋण प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन व डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव भी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को स्वरोजगार से जोडने के लिए प्राथमिकता के आधार पर बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए पात्र हितग्राहियों के ऋण प्रकरण तैयार कर समय पर बैंकों को भेजने तथा उन्हें शीघ्र स्वीकृत कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि केवल प्रशिक्षण देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रशिक्षित युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु आर्थिक सहायता और बाजार भी उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन युवाओं को बैंक ऋण प्राप्त हो चुका है, उनके उत्पादों एवं सेवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएं, ताकि वे अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित कर सकें। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत जिले में अब तक 3490 युवाओं को विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। इनमें से 1323 युवाओं के ऋण आवेदन तैयार कर बैंकों में प्रस्तुत किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने योजना के क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को मिलने वाले लाभों की जानकारी भी दी। कलेक्टर श्री मीना ने योजना के बेहतर संचालन के लिए विभागीय समन्वय बढ़ाने और बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना युवाओं को कौशल आधारित रोजगार उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण योजना है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले, आईटीआई बालाघाट की प्राचार्य सुश्री सपना रहांगडाले सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आदिवासियों को वनवासी कहे जाने के विरोध में

बालाघाट में आदिवासी विकास परिषद ने फूंका गृह मंत्री अमित शाह का पुतला.. बोले दिनेश धुर्वे - हम मुलनिवासी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

दिल्ली में आदिवासियों के सम्मेलन में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने आदिवासीयों को संबोधित किया था, इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने आदिवासियों को वनवासी कहकर संबोधित किया था, जिसको लेकर बालाघाट में आदिवासी समाज ने इसे अपना अपमान बताया है, तथा इस अपमान के विरोध में गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर विरोध जताया।

बालाघाट शहर के काली पुतली चौक पर आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले आदिवासी नेता दिनेश धुर्वे के नेतृत्व में आदिवासी समाज ने एकजुट होकर गृह मंत्री का पुतला दहन किया। आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने कहा कि 'वनवासी' शब्द का प्रयोग किया जाना हमारे समाज का अपमान है। हम देश के मूल निवासी हैं, हम आदिवासी हैं। धुर्वे ने यह भी कहा कि आदिवासी समाज 'वनवासी' कहे जाने को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा, और यही चेतावनी देने के लिये हमने आज गृहमंत्री अमित शाह का पूतला फूंका है। दिनेश धुर्वे ने आगे यह भी कहा कि आदिवासी समाज को मूल निवासी बताने की बजाए वनवासी करार देने वाले अमित शाह को आदिवासी समाज से माफी मांगना चाहिये। गौरतलब है कि गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन करने के दौरान सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। आदिवासी महिला नेत्री संदेश सैयाम ने कहा कि गृहमंत्री द्वारा आदिवासियों को 'वनवासी' कहना उनका अपमान है तथा हमारे समाज में गृहमंत्री के कथन को लेकर आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

मातृत्व एवं आरोग्य योजना अंतर्गत नवजात शिशुओं को बेबी किट वितरण

जगप्रेरणा बालाघाट। महावीर इंटरनेशनल के नेशनल प्रोजेक्ट मातृत्व एवं आरोग्य योजना के अंतर्गत अभ्युदय वीरा केंद्र, बालाघाट द्वारा सेवा एवं समर्पण का प्रेरणादायी कार्य करते हुए जिला चिकित्सालय में नवजात शिशुओं के लिए बेबी किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान करना तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के दौरान जिला अस्पताल में करीब 54 नवजात शिशुओं को बेबी किट्स वितरित की गईं। इन किट्स में शिशुओं की देखभाल के लिए आवश्यक सामग्री शामिल थी, जिससे अस्पताल में भर्ती बच्चों के परिजनों को काफी राहत मिली। बेबी किट प्राप्त करने वाले परिवारों ने संस्था के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल परिसर में सेवा, संवेदनशीलता और मानवता का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर अभ्युदय वीरा केंद्र की सदस्याओं ने अस्पताल में उपस्थित महिलाओं को स्वयं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने माताओं को नवजात शिशुओं की देखभाल, साफ-सफाई एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके साथ ही अस्पताल में मौजूद बड़े बच्चों को बिस्किट एवं स्नैक्स का वितरण कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में अभ्युदय वीरा केंद्र की अध्यक्षा वीरा आराधना जैन, सचिव वीरा अलका चौधरी, उपाध्यक्ष वीरा साधना जैन एवं सदस्या वीरा संगीता जैन की विशेष उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता रही। सभी सदस्याओं ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक योगदान दिया और समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाने का संकल्प दोहराया। यह आयोजन महावीर इंटरनेशनल के सेवा, करुणा एवं मानवता के मूल्यों को साकार रूप देने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ। संस्था द्वारा किए जा रहे ऐसे सामाजिक कार्य समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

गैर पंजीकृत फार्मासिस्ट द्वारा दवा वितरण पर होगी सख्त कार्रवाई

सीएमएचओ ने कहा- भ्रामक खबरों से बचें, शिकायत मिलने पर होगी वैधानिक कार्रवाई

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिले में मेडिकल स्टोर्स पर गैर पंजीकृत व्यक्तियों द्वारा दवा वितरण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं पदेन उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, बालाघाट द्वारा स्पष्ट किया गया है कि फार्मेसी अधिनियम 1948 की धारा

42 के अनुसार केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट ही चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर दवाइयों का वितरण कर सकते हैं। गैर पंजीकृत व्यक्ति द्वारा दवा वितरण पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। सीएमएचओ कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल भोपाल द्वारा 8 अक्टूबर 2025 को जारी पत्र में यह स्पष्ट किया गया था कि मेडिकल स्टोर्स पर दवा डिस्पेंसिंग का कार्य केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट ही करेंगे। अधिनियम के तहत उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को तीन माह तक की सजा, दो लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड एक साथ दिए जाने का प्रावधान है। इसी के परिपालन में कार्यालयीन आदेश दिनांक 11 नवंबर 2025 के माध्यम से जिले में पदस्थ औषधि निरीक्षक श्री स्वप्निल सिंह एवं श्री जयप्रकाश कुमार को मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। निरीक्षण के दौरान गैर पंजीकृत व्यक्तियों द्वारा दवा वितरण पाए जाने पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की जानी थी।

1000 से अधिक दवा दुकानें..

जानकारी के अनुसार जिले में लगभग 1000 से अधिक थोक एवं फुटकर औषधि विक्रय प्रतिष्ठान संचालित हैं, जबकि निरीक्षण के लिए केवल दो औषधि निरीक्षक पदस्थ हैं। अब तक 14 मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस 4 से 10 दिनों तक के लिए निलंबित किए गए हैं। हालांकि विभाग ने माना कि गैर पंजीकृत फार्मासिस्ट के विरुद्ध फार्मेसी अधिनियम की धारा 42 के तहत प्रत्यक्ष दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

बीएमओ को भी दिए गए निर्देश

कलेक्टर बालाघाट द्वारा समय-सीमा बैठक में समीक्षा के बाद 8 अप्रैल 2026 को जिले के सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने विकासखंडों में मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपलब्धता का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए थे। इस क्रम में विकासखंड कटंगी के बीएमओ द्वारा पांच मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

फर्जी चिकित्सकों को दवा बिक्री रोकने बनेगा निगरानी तंत्र

विभाग के संज्ञान में यह भी आया है कि जिले के कुछ थोक दवा विक्रेताओं द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय फर्जी चिकित्सकों को सीधे औषधियों की बिक्री की जा रही है। इसे रोकने के उद्देश्य से जिला स्तर पर एक परीक्षण दल का गठन किया गया है। इस दल का नेतृत्व प्रभारी जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटेल करेंगे। दल में स्टोरकीपर सह फार्मासिस्ट श्री विनोद कामड़े तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन कार्यालय के सहायक ग्रेड-3 श्री मुबारक मंसूरी को शामिल किया गया है। यह दल केवल दवा विक्रेताओं के क्रय-विक्रय अभिलेखों एवं स्टॉक रजिस्टर का परीक्षण करेगा।

जांच संबंधी खबर भ्रामक..

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार ÷नियम विरुद्ध जांच टीम बनाकर मेडिकल व्यापारियों पर दबाव÷ को पूरी तरह भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि सीएमएचओ पदेन उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन होता है और जिले में औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन नियम 1945 के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उसके अधीन होती है। खंड चिकित्सा अधिकारियों एवं अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से मेडिकल स्टोर्स में पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपलब्धता एवं रिकॉर्ड सत्यापन कराया जाना जनहित में है और यह पूरी तरह वैधानिक प्रक्रिया है।

शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई

सीएमएचओ ने जिले के औषधि विक्रेताओं से अपील की है कि यदि परीक्षण दल द्वारा किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न की जाती है अथवा कोई व्यक्ति अवैध राशि की मांग करता है तो उसकी जानकारी ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग सहित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि संबंधित के विरुद्ध विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

महिला कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत प्रभारी मंजू मिश्रा का आज 30 मई को बालाघाट आगमन

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा महिला कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सम्माननीय मंजू मिश्रा को बालाघाट जिले की महिला कांग्रेस संगठन की प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके आगामी बालाघाट आगमन को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी एवं महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हलचल देखी जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला कांग्रेस संगठन को अधिक सक्रिय, संगठित और मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रभारी मंजू मिश्रा 30 मई 2026 शनिवार को बालाघाट पहुंचेंगी। इस दौरान वे महिला कांग्रेस की जिला, ब्लॉक एवं अन्य इकाइयों की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी रणनीति और जमीनी स्तर पर महिला भागीदारी को बढ़ाने को लेकर चर्चा करेंगी। इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के अध्यक्ष संजय उईके एवं संगठन महासचिव शफक्कत खान ने संयुक्त रूप से महिला कांग्रेस की समस्त पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और कांग्रेस से जुड़ी महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से महिला कांग्रेस को नई ऊर्जा देने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे आगामी राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि यह बैठक 30 मई 2026 को दोपहर 3 बजे सर्किट हाउस, बालाघाट में आयोजित की गई हैं। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, बूथ स्तर तक महिला कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, महिलाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी ने महिला कांग्रेस की सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित होकर संगठनात्मक चर्चा में भाग लेने का आग्रह किया है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि मजबूत संगठन ही भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होता है और महिला शक्ति की भागीदारी से संगठन को नई दिशा एवं मजबूती प्राप्त होगी। मंजू मिश्रा के इस दौरे को महिला कांग्रेस संगठन के विस्तार और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी

मो. 84353 19391

जग प्रेरणा

लालबर्रा / बैहर / परसवाडा

● कनकी ● बेहरई ● खमरिया ● मोहगांव धपेरा ● जाम ● कंजई ● नेवरगांव ● उकवा ● मलाजखंड ● लामटा ● चांगोटोला ● समनापुर

खरीफ सीजन के लिए धान बीज उपलब्ध, किसान जल्द करें खरीदी

कम बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि विभाग ने दी फसल चयन और डीएसआर पद्धति अपनाने की सलाह

जगप्रेरणा बालाघाट।
खरीफसीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी 10 विकासखंडों में धान के प्रमाणित बीज उपलब्ध करा दिए गए हैं। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यम मोटा धान एवं 115 से 120 दिन अवधि वाली धान किस्मों के बीज 42 रुपये प्रति किलो की दर से ब्लॉक कार्यालयों में उपलब्ध हैं। किसान अपने-अपने क्षेत्र के ब्लॉक कार्यालय जाकर बीज खरीद सकते हैं।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में ब्लॉक कार्यालयों में जेआर-21, जेआर-81, जेआर-206, स्वर्ण सब-1 एवं जेआर-10 किस्मों के प्रमाणित बीज उपलब्ध हैं। यह सभी बीज प्रमाणित एवं रोग प्रतिरोधी हैं, जो विभिन्न बीमारियों के प्रति सहनशील माने जाते हैं। हालांकि बीज की मात्रा सीमित है, इसलिए किसानों से जल्द बीज खरीदकर सुरक्षित रखने की अपील की गई है।

कम बारिश की संभावना, वैकल्पिक फसलों पर दें ध्यान

उप संचालक कृषि श्री मालवीय ने बताया कि इस वर्ष जिले में सामान्य से 34 से 45 प्रतिशत तक कम वर्षा होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसी स्थिति में किसानों को केवल धान पर निर्भर न रहते हुए मूंग, उड़द, अरहर, मक्का, कोदो, कुटकी, तिल एवं रामतिल जैसी कम पानी में होने वाली फसलों को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।

उन्होंने कहा कि यदि किसान धान की खेती करना चाहते हैं तो वे कम अवधि वाली धान किस्मों का चयन करें और डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति से सीधे बीज बुवाई करें। पारंपरिक कीचड़ बनाकर रोपा लगाने वाली पद्धति में अधिक पानी की आवश्यकता होती है, जो इस वर्ष संभवतः उपलब्ध नहीं हो पाएगा।

खेती में बदलाव समय की जरूरत

कृषि विभाग ने किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि डीएसआर पद्धति में धान बोने के लिए स्टेप सीडर मशीन एवं अन्य बीज बुवाई मशीनों का उपयोग करें।

यह मशीनें 35 एचपी ट्रैक्टर के साथ आसानी से संचालित की जा सकती हैं। इससे खेती की लागत कम होगी और मजदूरों की कमी की समस्या से भी राहत मिलेगी।

श्री मालवीय ने कहा कि वर्तमान समय में खेती के तौर-तरीकों में बदलाव आवश्यक हो गया है। मजदूरों की कमी और कम बारिश की स्थिति को देखते हुए किसान सूखे खेत में सीधे बुवाई की तकनीक अपनाएं। इससे प्रति एकड़ लगभग 10 से 12 हजार रुपये तक की बचत संभव है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सही समय पर सही निर्णय लें और वैज्ञानिक पद्धति से खेती कर अधिक लाभ प्राप्त करें।

जनजातीय पर्यटन की अनूठी मिसाल बने टेकाड़ी में महाराष्ट्र से पहुंचे मेहमानों ने लिया ग्रामीण संस्कृति का आनंद..

जगप्रेरणा बालाघाट।
बालाघाट जिले के ग्राम पंचायत टेकाड़ी अंतर्गत ग्राम केरा एवं पीपरटोला इन दिनों जनजातीय पर्यटन की अनूठी पहचान बनकर उभर रहे हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल के मार्गदर्शन में संचालित जनजातीय पर्यटन परियोजना के तहत यहां

दो दिवसीय अध्ययन भ्रमण एवं एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महाराष्ट्र के अमरावती, भंडारा, यवतमाल एवं अहल्यानगर जिलों से आए 31 हितग्राहियों एवं शबरी आदिवासी वित्त विकास महामंडल नासिक के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

ग्राम पर्यटन समितियों द्वारा मेहमानों का पारंपरिक तरीके से पुष्पमाला एवं तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। ग्रामीण परिवेश, प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय संस्कृति से भरपूर इस आयोजन ने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। ग्राम केरा एवं पीपरटोला में स्थापित 08 होम-स्टे में मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था की गई, जिससे स्थानीय होम-स्टे संचालकों एवं ग्राम समितियों को आर्थिक लाभ भी प्राप्त हुआ। अध्ययन भ्रमण के दौरान आगंतुकों को जनजातीय संस्कृति और ग्रामीण जीवनशैली से रू-ब-रू कराया गया। लोक नृत्य, भजन मंडली, नौका विहार, जंगल ट्रैकिंग, बैलगाड़ी सवारी और स्थानीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मेहमानों का मन मोह लिया।

सुबह 5 बजे आयोजित जंगल एवं जलाशय ट्रैकिंग के दौरान आगंतुकों ने प्राकृतिक वातावरण का आनंद लिया तथा सातनारी वॉटरफॉल की मनमोहक छटा को करीब से देखा। परियोजना के माध्यम से ग्रामीणों को स्वरोजगार और पर्यटन आधारित आजीविका के नए अवसर मिल रहे हैं। स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक धरोहर को पर्यटन से जोडने की यह पहल गांवों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की जनजातीय पर्यटन परियोजना अधिकारी सरिता टोप्पो, परियोजना सहयोगी संस्था अनुपमा एजुकेशन सोसायटी के डायरेक्टर प्रमोद तिवारी, जिला पुरातत्व एवं पर्यटन समिति के नोडल अधिकारी विकास रघुवंशी, ग्राम पंचायत टेकाड़ी की सरपंच रश्मि तारा कावरे, ग्राम पर्यटन समिति पीपरटोला-टेकाड़ी के अध्यक्ष राजेन्द्र सोनी सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से मेहमानों को बालाघाट की जनजातीय संस्कृति और आतिथ्य का यादगार अनुभव प्राप्त हुआ।

कम वसूली होने पर होगी कार्यवाही : सीईओ बघेल

शाखा प्रबंधकों, पर्यवेक्षकों एवं संस्था प्रबंधकों की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न..

जगप्रेरणा बालाघाट।
जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट के सभाकक्ष में 28 मई को शाखा प्रबंधकों, पर्यवेक्षकों एवं संस्था प्रबंधकों की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में किया गया।

बैठक में बैंक के सीईओ अभिनव सिंह बघेल एवं प्रबंधक लेखा पी. जोशी ने बैंकिंग कार्यों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की।

बैठक में ऋण वसूली की वन-टू-वन समीक्षा करते हुए सीईओ श्री बघेल ने निर्देश दिए कि सभी शाखाएं उन्हें आवंटित लक्ष्य के अनुरूप वसूली कार्य पूर्ण करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गत वर्ष की तुलना में कम वसूली होने पर संबंधित शाखाओं एवं समितियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी, जबकि बेहतर वसूली करने वाली शाखाओं एवं समितियों को प्रोत्साहित भी किया जाएगा। उन्होंने समिति कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे कालातीत एवं अकालातीत कृषकों से घर-घर जाकर संपर्क करें और वसूली कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करें।

बैठक में खरीफऋण वितरण, वर्ष 2025-26 के कृषि ऋणों की समीक्षा, शाखा समायोजन, समिति निरीक्षण, पैक्स कम्प्यूटरीकरण तथा ÷सहकारी से समृद्धि÷ अभियान की भी समीक्षा की गई। समितियों को अन्य व्यवसायों के लिए आवेदन करने के निर्देश दिए गए, ताकि उन्हें अतिरिक्त आय के स्त्रोत प्राप्त हो सकें। श्री बघेल ने बताया कि पैक्स समिति मोरवाही द्वारा इफ्को मार्ट प्रारंभ किया गया है, जिससे समिति को लाभांश प्राप्त हुआ है।

इसके अलावा समितियों के पुनर्गठन, मध्यमकालीन ऋण प्रकरण तैयार करने, समिति कर्मचारियों के खातों के संधारण, मत्स्य पालन एवं पशुपालन केसीसी प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को जोडने के निर्देश दिए गए। साथ ही किसानों को समय पूर्व रासायनिक खाद उठाव के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि खाद का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित हो सके।

बैठक में चार्टर्ड अकाउंटेंट रविन्द्र वैद्य ने नए आयकर अधिनियम में हुए परिवर्तनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीडीएस, पैन कार्ड और आधार कार्ड बैंकिंग कार्यों में अनिवार्य हैं तथा खाताधारकों की केवाईसी समय पर पूर्ण करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारी अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच रखते हैं, इसलिए उन्हें आरबीआई और नाबार्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर प्र. विपणन अधिकारी अशोक भवरे, शाखा प्रबंधक आशीष मिश्रा, ऋषि बिसेन, सुनील राहंगडाले, प्रकाश साहू, ऋषि हरिनखेड़े, मोरेश्वर फुंडे, ज्ञानचंद नेवारे, जयकुमार नंदनवार, आई.आर. भगत, मुकेश ठाकरे, गिरीश हनवत, रत्नषोघ भूरे, दीपक देशमुख, राजेश दुबे, अनिरुद्ध वागदे, दीनदयाल ठाकरे, दिलीप रामटेके, श्रीमती भूमेश्वरी नागेश्वर, श्रीमती लता गौतम, सारंग बिसेन, रौनक चैकसे, नीरज बिसेन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आधी रात गरजा तूफान.. परसवाड़ा में उड़ गए टीन शेड, गिरे पेड़; रातभर अंधेरे में तड़पे लोग

जगप्रेरणा परसवाड़ा।
परसवाड़ा में गुरुवार देर रात अचानक बदले मौसम ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी, लेकिन तेज आंधी और तूफान ने नगर में भारी तबाही मचा दी। रात करीब 1 बजे तेज गर्जना, बिजली चमक और धूलभरी हवाओं के साथ शुरू हुए

तूफान ने देखते ही देखते पूरे नगर को अपनी चपेट में ले लिया। कई घरों और दुकानों के टीन शेड उड़ गए, बड़े-बड़े पेड़ धराशायी हो गए और बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। ग्रामीणो के बताये अनुसार तूफान की रफ्तार इतनी तेज थी कि लोग रात में घरों से बाहर निकलने तक की हिम्मत नहीं जुटा पाए। तेज हवाओं की आवाज और लगातार चमक रही बिजली से लोग दहशत में आ गए। कई परिवार रातभर जागते रहे और बच्चों व बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर बैठाकर मौसम शांत होने का इंतजार करते रहे। भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बारिश और ठंडी हवाओं से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन तूफान अपने पीछे नुकसान की लंबी तस्वीर छोड़ गया। सबसे ज्यादा असर नगर के बस स्टैंड क्षेत्र और राम मंदिर के आसपास देखने को मिला।

यहां कई दुकानों के टीन शेड हवा में उड़ गए। कुछ दुकानों के सामने रखी सीमेंट शीटें टूटकर बिखर गईं, जबकि कई व्यापारियों का सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। शुक्रवार सुबह व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के सामने फैले मलबे और बिखरे सामान को समेटते नजर आए। तेज आंधी का असर सीएम राइस स्कूल परिसर में भी दिखाई दिया। स्कूल के पुराने भवन परिसर में खड़ा एक विशाल आम का पेड़ जड़ से उखड़कर गिर पड़ा। पेड़ गिरने से परिसर में निर्माणाधीन लाइब्रेरी को आंशिक नुकसान पहुंचा। वहीं स्कूल के सामने पेड़ गिरने से बिजली लाइन टूट गई, जिससे पूरे इलाके की विद्युत व्यवस्था ठप हो गई।

बताया जा रहा है कि तूफान इतना तेज था कि स्कूल की पुरानी कक्षाओं की छत पर लगे टीन शेड उड़कर पुराने महाविद्यालय परिसर के सामने जा गिरे। सुबह जब लोग घरों से बाहर निकले तो कई जगह पेड़ सड़क पर गिरे मिले और बिजली के तार टूटे पड़े दिखाई दिए।

तूफान के बाद नगर में पूरी रात बिजली बंद रही। शुक्रवार दिनभर भी कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। भीषण गर्मी के बीच लोग बिजली नहीं होने से परेशान दिखाई दिए।

घरों में पंखे और कूलर बंद रहने से लोग पसीने से तरबतर हो गए। नगर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज आंधी और तूफान का व्यापक असर देखने को मिला। ग्रामीणों के अनुसार रात करीब 2 बजे तेज हवा और बारिश ने कई जगह पेड़ गिरा दिए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई वर्षों में इतनी तेज आंधी और तूफान पहली बार देखने को मिला। फिलहाल प्रशासन द्वारा नुकसान का आंकलन किया जा रहा है और विद्युत विभाग की टीम बिजली व्यवस्था बहाल करने में जुटी हुई है।

न्यायालय तहसीलदार परसवाडा

।। ईश्तहार ।।

रा.प्र.क.0009.... ड - 154.... वर्ष 2026-27
मौजा कातलबोड़ी प.ह.न. 17

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता ग्राम कातलबोड़ी तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयपाल उइके आ. भादूलाल जाति गोंड निवासी ग्राम कातलबोड़ी तहसील परसवाडा जिला बालाघाट ने अपने पिता भादूलाल उइके पिता हिरदे उइके की मृत्यु दिनांक 19-09-1987 के मृत्यु संबंध घटना का ग्राम पंचायत कातलबोड़ी में रजिस्ट्रीकरण नही होने से मृत्यु की प्रविष्टि ग्राम पंचायत कातलबोड़ी में दर्ज कर मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति विशेष को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना हो तो नियत दिनांक 08/6/2026 तक मेरे न्यायलय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अपने अधिकर्ता के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 29/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया है।

तहसीलदार
परसवाडा

SONOGRAPHY
X-RAY
CT SCAN
MRI CENTER

SONO VIEW

DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist

DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ

FACILITIES AVAILABLE

SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.

DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
● M.R.I.

राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन व एम.आर.आई. क्लिनिक

तुरकर SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN, M.R.I. क्लिनिक
सिव्हिल लाईन, गोंदिया फोन - 07182 - 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com SONOGRAPHY C.T./M.R.I.

किसानों को सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने अब ई - टोकन प्रणाली से ही खाद वितरण होगा

जगप्रेरणा बालाघाट।
शासन के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को डिजिटल एवं पारदर्शी बनाया जा रहा है, जिससे किसानों को लाइन में लगने और अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी। किसान अब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ई-टोकन बुक कर निर्धारित तिथि एवं समय पर उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। बिना ई-टोकन के उर्वरक वितरण नहीं किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बनाए रखना तथा किसानों को उनकी आवश्यकता अनुसार समय पर खाद उपलब्ध कराना है।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने जिले के किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी फार्मर आईडी एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ ई-विकास पोर्टल पर पंजीयन कराएं। जिन किसानों की फार्मर आईडी नहीं बनी है, वे शीघ्र ही संबंधित विभाग से संपर्क कर आईडी बनवाएं। सिकमी एवं बटाईदार किसान भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीयन कर ई-टोकन प्राप्त कर सकते हैं। जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं उर्वरक विक्रेताओं के माध्यम से भी किसानों को ई-टोकन प्रणाली की जानकारी दी जा रही है। किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए समय से ई-टोकन बुक करें, ताकि खरीफ सीजन में उर्वरक की उपलब्धता सुचारु रूप से बनी रहे।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें.. मो. 9329033433

दैनिक जग प्रेरणा
में समाचार
एवं विज्ञापन प्रकाशन
हेतु संपर्क करें..
पिंटू गुप्ता तिरोड़ी
मो. 8770664297

विधायक गौरव सिंह पारधी ने महदूली और पौनियां को दी 2.47 करोड़ की ऐतिहासिक सौगात, सड़कों का जाल बिछाने भूमिपूजन

जगप्रेरणा कटंगी।

कटंगी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव की सूरत बदलने और ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करने के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने क्षेत्रवासियों को एक और बड़ी सौगात दी है।

विधायक पारधी के विशेष प्रयासों और मजबूत इच्छाशक्ति से ग्राम पंचायत महदूली एवं पौनियां में कुल 2.47 करोड़ से अधिक की लागत के विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों की बड़ी स्वीकृति मिली है, जिसका बीते दिनों विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। विधायक की इस बड़ी पहल से क्षेत्र में विकास कार्यों को एक नई रफ्तार मिली है।

करोड़ों की लागत से सुधरेगी गांवों की सूरतः मुख्य मार्ग सहित अंदरूनी गलियां भी हो रही पक्की

ग्रामीण अंचल की पुरानी और व्यावहारिक समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने शासन स्तर पर निरंतर पैरवी की, जिसके परिणामस्वरूप इन महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण का रास्ता साफ हुआ।

इस सौगात के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा 2.23 करोड़ की लागत से बनने वाले 2.40 किमी लंबे मुख्य महदूली-पौनियां मार्ग का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही, गांवों के भीतर आवागमन को सुगम करने के लिए महदूली में 12.32 लाख की लागत से आंतरिक सीसी रोड तथा पौनियां में 11.99 लाख की लागत से नई कालोनी सीसी रोड निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई। इन पक्की सड़कों के बनने से ग्रामीणों को कीचड़ और उबड़-खाबड़ रास्तों से हमेशा के लिए राहत मिल जाएगी।

अंतिम छोर के व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही संकल्पः विधायक गौरव सिंह पारधी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सुविधाओं से जोड़ना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। कटंगी-खैरलांजी विधानसभा के प्रत्येक गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ सुनिश्चित करना ही मेरा मुख्य संकल्प है। सड़क और बुनियादी ढांचा मजबूत होने से गांवों का समग्र विकास होगा और ग्रामीणों का जीवन अधिक सुगम बनेगा।

ग्रामीणों ने माना अपने विधायक का आभार

लंबे समय से अधूरी पड़ी मांग के पूरा होने और क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने के लिए महदूली और पौनियां के निवासियों एवं वरिष्ठ जनों में भारी उत्साह देखा गया। अपनी इस बड़ी समस्या का समाधान होते देख देवतुल्य जनता ने प्रसन्नता व्यक्त की और गांव आगमन पर विधायक गौरव सिंह पारधी का आत्मीय स्वागत व भव्य अभिनंदन किया। स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र के विकास के प्रति विधायक की इस सक्रिय कार्यशैली की सराहना करते हुए उनके प्रति हृदय से धन्यवाद और आभार प्रकट किया।

वरिष्ठ जन और जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

इस गरिमामयी अवसर पर जिला पंचायत सभापति श्रीमती केशर बिसेन, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्री मेष देशमुख, जनपद सदस्य श्रीमती रेखा शिशुपाल परिहार, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री सुरेश ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री चैनलाल बिसेन, ग्राम पौनियां सरपंच श्रीमती गीता लक्ष्मण भलावी, महदुली सरपंच श्री कोमल प्रसाद परिहार, पूर्व सरपंच श्री दौलतराम परिहार, श्री शंकरलाल ठाकरे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन की 'हर घर जल' योजना ने बदला लक्ष्मी हनवत का जीवन

जगप्रेरणा लालबर्रा।

बालाघाट जिले के विकासखंड लालबर्रा के ग्राम चिचगांव में रहने वाली लक्ष्मी हनवत का जीवन कभी पानी की समस्या से जूझता हुआ नजर आता था। प्रतिदिन पानी की तलाश में लंबी दूरी तय करना उनकी मजबूरी बन गई थी। सुबह का अधिकांश समय पानी लाने में ही बीत जाता था,

जिससे घर के काम प्रभावित होते थे और बच्चों की पढ़ाई भी बाधित होती थी। लेकिन अब ÷जल जीवन मिशन÷ ने उनके जीवन में ऐसा बदलाव लाया है, जिसने उनकी दिनचर्या को आसान और खुशहाल बना दिया है। लक्ष्मी हनवत बताती हैं कि पहले गांव में पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। उन्हें रोज दूर-दूर तक पैदल चलकर हैंडपंप और कुओं से पानी लाना पड़ता था। कई बार लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता था। पानी लाने में इतना समय लग जाता था कि घर के काम समय पर नहीं हो पाते थे। सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ता था। पानी की व्यवस्था में देर होने के कारण बच्चे अक्सर समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते थे और उन्हें शिक्षकों की डांट भी सुननी पड़ती थी। परिवार का अधिकांश समय केवल पानी जुटाने में ही निकल जाता था।

सरकार की महत्वाकांक्षी ÷जल जीवन मिशन÷ योजना के तहत ग्राम चिचगांव में पानी की टंकी का निर्माण कराया गया। इसके बाद गांव में पाइपलाइन बिछाकर घर-घर नल कनेक्शन दिए गए। लक्ष्मी हनवत के घर में भी नल कनेक्शन पहुंचा और उनके जीवन की सबसे बड़ी समस्या का समाधान हो गया। अब शुद्ध पेयजल सीधे उनके घर के नल से मिलने लगा है। पानी के लिए बाहर भटकने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे समय की बचत होने लगी और परिवार की दिनचर्या व्यवस्थित हो गई। घर में नल से पानी आने के बाद लक्ष्मी हनवत अब समय पर अपने घरेलू कार्य कर पाती हैं। बच्चों को भी समय पर स्कूल भेजना आसान हो गया है। अब बच्चे बिना किसी रुकावट के नियमित रूप से स्कूल जाते हैं और पढ़ाई में मन लगाकर आगे बढ़ रहे हैं।

लक्ष्मी हनवत कहती हैं कि जल जीवन मिशन ने उनके परिवार को बड़ी राहत दी है। पानी की चिंता खत्म होने से अब जीवन पहले से कहीं अधिक आसान और सुखद हो गया है। ÷पहले पानी की बहुत समस्या थी। दूर-दूर से पानी लाना पड़ता था, जिससे बच्चों को स्कूल जाने में देर हो जाती थी और शिक्षकों की डांट पड़ती थी। लेकिन जब से जल जीवन मिशन के तहत गांव में पानी की टंकी बनी है, तब से घर पर ही नल से पानी मिलने लगा है। मेरी यह बड़ी परेशानी दूर करने के लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को दिल से धन्यवाद देती हूँ।÷ जल जीवन मिशन की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में केवल पानी पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के जीवन में सम्मान, सुविधा और नई उम्मीद भी लेकर आ रही है।

कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में बाढ आपदा राहत एवं प्रबंधन को लेकर हुई अधिकारियों की बैठक

जगप्रेरणा बालाघाट।

वर्षा ऋतु के दौरान अतिवर्षा एवं बडे जलाशयों से नदियों में पानी छोडे जाने के कारण बाढ की स्थिति निर्मित होने पर बचाव एवं राहत प्रबंधन के लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में 29 मई को अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई और इसमें आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव, एसडीएम श्री गोपाल सोनी एवं बाढ आपदा प्रबंधन से जुडे सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से इस बैठक में उपस्थित थे।

बाढ प्रभावित ग्रामों की जानकारी

बैठक में बताया गया कि वैनगंगा, घिसर्री, देवनदी, सोननदी, मानकुंवर, चंदन, बाघ, महकारी, नदी में बाढ आने से बालाघाट तहसील के मगरदर्रा, तुमडीटोला, रोशना, टवेझरी, जागपुर, कुम्हारी, खैरी, बूढी(ढीमरटोला), गायखुरी, हीरापुर, अमेडा, चिचगांव, भमोडी, गोंगलई, भानपुर, खुटिया, कटंगी, लिंगा, देवरी, हट्टाटोला, छिंदगांव, मंगोलीकला, नेवरगांव कला, धडी, भालेवाडा, चरेगांव, घंघरिया, बकवाडा, देवसर्रा, सकरी, तीनगढी, नगरवाडा, वारासिवनी तहसील के ग्राम दीनी, पुनी, सिकंद्रा, किरनापुर तहसील के ग्राम बटरमारा, खारा, बोडुंदाकला, देवगांव, परसवाडा, कोस्ते, कटंगी, मुर्री, बक्कर, नीलागोंदी, बम्हनवाडा, मुण्डेसरा, मुरकुटा, जामडी, ढोरिया-परसवाडा, बिनोरा, कडकना, बोरगांव, पल्हेरा, अकोला, गुवा, पिपलगांव, पौनी, सर्रा, मौदा, बगडमारा, कोहका, लांजी तहसील के ग्राम टेमनी, कोचेवाही, बडगांव, दुल्हापुर, पौसेरा, देवरबेली, नेवरवाही, बेलगांव, देवलगांव, लोडामा, बहेला, ठेमा, अमेडा, मिरिया, टेकेपार, कारंजा, दहेगांव, कटंगी, रिसेवाडा, अंधियाटोला, खैरलांजी तहसील के ग्राम चिचोली, कुम्हली, मानेगांव, मोवाड, किन्ही, टेमनी, सावरी, अतरी, चुटिया, डोंगरिया, गुनई, घोटी, फुटारा, लावनी एवं लालबर्रा तहसील के ग्राम धपेरा प्रभावित होते है।

कंट्रोल रूम की स्थापना एवं व्यवस्था

बैठक में बताया गया कि बाढ आपदा नियंत्रण एवं राहत के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 07632-240102 है। इसके साथ ही सभी तहसील स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनाये गए है। यह सभी कंट्रोल रूम 01 जून से 24 घंटे चालू रहेंगे। कंट्रोल रूम में अलग अलग शिफ्ट में कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी जाएगी।

वर्षा ऋतु से पूर्व पुल-पुलियों की मरम्मत एवं सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि वर्षा ऋतु के पूर्व सभी संबंधित विभाग क्षतिग्रस्त पुल पुलियों की मरम्मत एवं सुधार कार्य करवा ले। वर्षा के दिनों में जिन पुल पुलियों पर बाढ का पानी आ जाता है, वहॉं पर बाढ की स्थिति में पुल पार न करने संबंधी नोटिस बोर्ड या सूचना पटल अनिवार्य रूप से लगाया जाए।

इसके साथ ही बाढ की स्थिति में ऐसे पुल पुलियों के दोनो ओर बेरिकेट लगाकर आवागमन को रोकने की व्यवस्था की जाए और उसके लिए स्थानीय स्तर पर कर्मचारी नियुक्त किया जाए। नगरीय क्षेत्रों में वर्षा एवं बाढ की स्थिति में कहीं भी जल भराव न हो इसके लिए नालों एवं नालियों की सफाई करने एवं जल निकासी के मार्ग पर किये गए अतिक्रमण को सख्ती से हटाने के निर्देश दिये गए।

राहत शिविर एवं बचाव कार्यों की तैयारी करने के निर्देश

बैठक में निर्देशित किया गया कि बाढ एवं आपदा की स्थिति में बचाव राहत के लिए कोई भी व्यक्ति कंट्रोल रूम में मदद के लिए सम्पर्क कर सके इसके लिए जिला एवं तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहना चाहिए। बाढ की स्थिति में जिन ग्रामों में पानी भर जाता है और वहां के लोगो को अन्य स्थान पर शिफ्ट करना पडता है इसके लिए ऊंचे स्थानों पर भवन चिन्हित करने कहा गया। प्रभावित लोगो के लिए राहत शिविर चलाने, राशन एवं अन्य सामग्री की व्यवस्था करने कहा गया। बाढ की स्थिति में बचाव एवं राहत के लिए होमगार्ड के जवानों की टीम जिले के विभिन्न मुख्य स्थलों पर तैनात रखने कहा गया।

इसके साथ ही सभी तहसीलों में स्थानीय स्तर पर बचाव एवं राहत के लिए तैराक एवं गोताखोर चिन्हित करने के निर्देश दिये गए। वर्षा ऋतु में पहुंच विहिन ग्रामों के लिए तीन माह के खाद्यान्न का अग्रिम भण्डारण करने के निर्देश दिये गए।

जोखिम वाले स्थलों पर सतर्कता के निर्देश

बैठक में निर्देशित किया गया कि वर्षा एवं बाढ की स्थिति में कोई भी व्यक्ति जोखिम वाले स्थानों पर नहाने एवं पिकनिक आदि के लिए न जाए, इसके पुख्ता इंतजाम किये जाए। स्थानीय स्तर पर पंचायत सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक इसके लिए सतर्क एवं सतर्कता से कार्य करने कहा गया। जिले के वनक्षेत्रों में स्थित झरने आदि में कोई भी व्यक्ति नहाने न जाए इसके लिए वन विभाग को समुचित कार्यवाही करने कहा गया।

जलाशयों से पानी छोड़े जाने की सूचना समय पर दी जाए

अतिवर्षा की स्थिति में बडे जलाशयों से नदियों में पानी छोडे जाने की सूचना समय पर प्रभावित होने वाले ग्रामों तक पहुंचाने की व्यवस्था करने कहा गया। इसके लिए कंट्रोल रूम एवं सभी संबंधित विभागों को आपस में समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये गए। जिससे सूचनाओं का त्वरित आदान प्रदान हो सके।

सांप काटने पर झाडफूंक न कराये तत्काल अस्पताल जाए

वर्षा ऋतु के दौरान सांप काटने की घटनाओं को देखते हुए लोगो को झाडफूंक एवं पंडेपुजारी के चक्कर में न पडकर तुरंत अस्पताल पहुंचने के लिए जागरूक करने कहा गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रो में एंटी स्नेक वेनम के पर्याप्त डोज उपलब्ध रखे।

इसी प्रकार वर्षा के दिनों में कुओं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण मौत होने की घटनाएँ होती है, इसकी रोकथाम के लिए किसानों एवं ग्रामीणों को कुएँ में जहरीली गैस की जांच के बाद ही उतरने के लिए जागरूक करने कहा गया।

आत्मा कार्यालय बालाघाट में कृषि सखियों का प्रशिक्षण आयोजित..

डीएसआर एवं प्राकृतिक खेती पर दिया गया विशेष जोर

जगप्रेरणा बालाघाट।

कृषि विभाग द्वारा किसानों तक आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों को पहुंचाने के उद्देश्य से 29 मई 2026 को आत्मा कार्यालय बालाघाट में विकासखंड परसवाड़ा एवं खैरलांजी की कृषि सखियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषि सखियों ने सहभागिता करते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों एवं प्राकृतिक खेती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान परियोजना संचालक श्री फूलसिंह मालवीय ने कृषि सखियों को डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) अर्थात धान की सीधी बुवाई पद्धति के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीएसआर पद्धति वर्तमान समय में धान उत्पादन की एक आधुनिक एवं प्रभावी तकनीक है, जिससे पानी की बचत, श्रम लागत में कमी तथा समय की बचत होती है। इस पद्धति से किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त होने के साथ-साथ खेती की लागत भी कम होती है।

उन्होंने कृषि सखियों को बताया कि पारंपरिक रोपाई की तुलना में डीएसआर तकनीक पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है तथा इससे खेतों में मीथेन गैस का उत्सर्जन कम होता है। श्री मालवीय ने कृषि सखियों से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को इस तकनीक के लाभों से अवगत कराएं और अधिक से अधिक किसानों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित करें।

प्रशिक्षण के दौरान प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। कृषि सखियों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए प्राकृतिक एवं जैविक विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखती है बल्कि किसानों की उत्पादन लागत भी कम करती है।

कार्यक्रम में धान की फसल में अजोला के उपयोग एवं उससे होने वाले लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि अजोला एक जैविक उर्वरक के रूप में कार्य करता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है तथा फसल को आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। साथ ही इससे खरपतवार नियंत्रण एवं भूमि की नमी बनाए रखने में भी सहायता मिलती है।

इसके अलावा कृषि सखियों को हरी खाद की प्रमुख फसल ढैंचा के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि ढैंचा की खेती से मिट्टी में जैविक कार्बन एवं नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे भूमि की गुणवत्ता में सुधार होता है और फसलों की उत्पादकता बढ़ती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में कृषि सखियों से प्राप्त जानकारी को किसानों तक पहुंचाने तथा प्राकृतिक एवं टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने की अपील की गई। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजय टेंभरे लांजी

मो. 7697505999

जग प्रेरणा

लांजी किरनापुर

● हिर्री ● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● बहेला ● रिसेवाड़ा ● कारंजा ● साडरा

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क -

9329033433

किरनापुर में सड़कों पर काल बनकर दौड़ रहे डंपर, गिट्टी के परिवहन से राहगीर परेशान..

जगप्रेरणा किरनापुर।

किरनापुर क्षेत्र के ग्रामीणों और राहगीरों का सड़कों पर चलना अब दूभर हो चुका है। क्षेत्र की सड़कों पर लगातार गिट्टी के ओवरलोड भारी-भरकम डंपर काल बनकर दौड़ रहे हैं।

किरनापुर अंतर्गत बेनेगांव पहाड़ी में संचालित खदानों से अंधाधुंध तरीके से निकाला जा रहा खनिज इन डंपरों के माध्यम से सड़कों पर गिट्टी बिखरा जा रहा है, जिससे न सिर्फलाखों-करोड़ों की लागत से बनी सड़कें खराब हो रही हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बना हुआ है।

खदानों से सड़कों तक भारी धूल और मिट्टी के कण गुब्बार बनकर उड़ते हैं..

स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, क्षेत्र की पहाड़ी और खदानों से गिट्टी और मिट्टी का अवैध व बेतरतीब उत्खनन धड़ल्ले से जारी है। भारी वाहनों (डंपरों) में क्षमता से अधिक गिट्टी और मिट्टी लोड की जा रही है।

जब ये डंपर तेज रफ्तार से किरनापुर की मुख्य सड़कों और रिहायशी इलाकों से गुजरते हैं, तो इनसे गिट्टी और मिट्टी सड़कों पर गिरती चली जाती है। इस लापरवाह परिवहन के कारण पूरी सड़क में धूल के गुबार और पत्थर के टुकड़े गिरते है। स्कूल और कॉलेज की छात्राओं का सुबह से ही आना जाना प्रारंभ हो जाता है सड़को पर दोपहिया वाहन चालक इन बिखरी हुई गिट्टियों और मिट्टी के कारण फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं।

करोड़ों की सड़कें हो रहीं खराब, प्रशासन मौन..

शासन द्वारा जनता की सुविधा के लिए बनाई गई पक्की सड़कें इन भारी वाहनों के दबाव और लगातार गिरते मलबे के कारण जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं। सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, जो बारिश के दिनों में और भी जानलेवा साबित होंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान संचालकों और डंपर मालिकों को न तो यातायात नियमों का डर है और न ही लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचने की परवाह।

खदानों में जबरदस्त ब्लास्टिंग से ग्रामीणों में आक्रोश..

इस अव्यवस्था को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश पनप रहा है। धूल के कारण जहां लोगों का सांस लेना मुश्किल हो रहा है, वहीं सड़कों की दुर्दशा ने किरनापुर के विकास को पीछे धकेल दिया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और खनिज विभाग से मांग की है कि संचालित खदानों के मालिकों की वास्तविक जांच की जाए।

ओवरलोड और तेज रफ्तार डंपरों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए। खदानों से निकलने वाले वाहनों को तिरपाल से ढककर चलना अनिवार्य किया जाए। यदि समय रहते प्रशासन ने इस गंभीर समस्या पर सुध नहीं ली, तो क्षेत्र की जनता सड़कों पर उतरकर चक्काजाम और उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी।

प्लास्टिक के डिब्बों में डीजल ,पेट्रोल ना मिलने से किसानों और आम लोगों को होगी परेशानियां..

प्रशासन के आदेश का जप उपाध्यक्ष - अवसरे ने जताया विरोध..

जगप्रेरणा लांजी।

जिला कलेक्टर के द्वारा जारी आदेश को लेकर लांजी जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय अवसरे ने जिला प्रशासन द्वारा जारी उस आदेश पर कड़ी आपत्ति जताई है,

जिसमें बिना नंबर प्लेट वाले किसी भी वाहन को पेट्रोल एवं डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय, मध्य प्रदेश, भोपाल के पत्र क्रमांक 3061/ पेट्रोलियम/ 2026 दिनांक 26. 05. 2026 के निर्देशों के पालन में जिला बालाघाट में आदेश जारी किया गया है कि कोई भी पेट्रोल पंप संचालक बिना नंबर प्लेट वाले दुपहिया, चार पहिया, ट्रैक्टर, ट्रक अथवा अन्य व्यावसायिक वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं देगा। साथ ही प्लास्टिक के डिब्बों में डीजल प्रदाय पर भी रोक लगाई गई है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले पेट्रोल पंप संचालकों के विरुद्ध 'मोटर स्पिरिट और उच्च वेग डीजल (प्रदाय तथा वितरण का विनियमन और अनाचार निवारण) आदेश 2005' एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश को लेकर क्षेत्र के किसानों, छोटे व्यापारियों एवं ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। उपाध्यक्ष जनपद पंचायत लाँजी अजय अवसरे ने कहा कि वर्तमान समय खरीफखेती की तैयारी का है और ऐसे में यह आदेश किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन सकता है। उन्होंने कहा कि गांवों में उपयोग होने वाली मिक्सर मशीन, स्लेब मशीन, जनरेटर, मोटर पंप तथा खेतों में कार्यरत ट्रैक्टरों के लिए कई बार डीजल डिब्बों में ले जाना आवश्यक होता है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण खेतों में ही खड़े रहते हैं, जिससे पेट्रोल पंप तक वाहन ले जाना अतिरिक्त खर्च और परेशानी का कारण बनेगा। अजय अवसरे ने आरोप लगाया कि सरकार जनहित के मुद्दों पर विफ्ल हो चुकी है और इस प्रकार के 'अनावश्यक एवं अव्यावहारिक आदेश' देकर किसानों, व्यापारियों एवं आम जनता की कमर तोडने का काम कर रही है। उन्होंने मांग की कि जनहित को देखते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार कर इसे तत्काल निरस्त कर वापस लिया जाये। अन्यथा क्षेत्र के किसानों के साथ मिलकर आंदोलन किया जायेगा।

उमंग स्वास्थ केंद्र द्वारा महिलाओं को दी स्वच्छता संबंधी जानकारियां..

जगप्रेरणा लांजी।

सिविल हॉस्पिटल लांजी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के निर्देशानुसार एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराडे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य

कार्यक्रम के तहत उमंग स्वास्थ्य केंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराडे , शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अंकित खरोले, मेडिकल ऑफिसर डॉ ओ पी नेवारे, दंत चिकित्सक डॉ संस्कृति अग्रवाल, डॉ सृष्टि गुप्ता, बी पी एम मनीष पांडे, राज्य समन्वयक मुन्ना लाल शर्मा, नर्सिंग ऑफिसर राजेश्वरी नारनौरे, नीता पांडे, एमटीएस श्याम लाल डोहरे, उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े एवं किशोरिया, महिलाओं सहित हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान किशोरियों एवं महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस की महत्वता को बताते हुए बताया गया कि माहवारी क्या है, माहवारी के पूर्व में होने वाले लक्षणों के बारे में बताते हुए, मासिक धर्म संबंधी विकारों के बारे में अवगत कराते हुए समाज में फैली माहवारी से जुड़ी भ्रांतियां को बताया गया साथ ही माहवारी स्वच्छता का प्रबंध कैसे करें, सेनेटरी पैड की उपलब्धता के बारे में बताते हुए सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल एवं इस्तेमाल किए हुए सेनेटरी नैपकिन का डिस्पोज कैसे किया जाये इस बारे में बताया गया। माहवारी के दौरान स्वच्छता का ध्यान न रखने के कारण होने वाले संक्रमण के बारे में जानकारी दी गई।

उमंग काउंसलर ने दी महत्वपूर्ण जानकारी..

उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े के द्वारा बताया गया कि माहवारी स्वच्छता दिवस राष्ट्रीय स्तर पर प्रति वर्ष मनाया जाता है ताकि अधिक से अधिक महिलाओं, किशोरियों एवं समुदाय में जागरूकता फैल सके। दुनिया भर में करोड़ों लड़कियों और महिलाओं के पास आज भी पीरियड्स के दिनों में इस्तेमाल होने वाले सुरक्षित उत्पादों और साफ शौचालयों की कमी है। इस दिन के जरिए सरकार और सामाजिक संस्थाओं का ध्यान इस ओर खींचा जाता है ताकि हर महिला तक ये बुनियादी जरूरतें पहुंच सकें। किशोरियों को उचित जानकारी और स्कूल में साफ शौचालयों या पैड्स की कमी के कारण कई लड़कियां पीरियड्स के दिनों में स्कूल नहीं जा पातीं या पढ़ाई छोड़ देती हैं। यह दिन स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देने की वकालत करता है ताकि किसी भी लडक़ी की पढ़ाई सिर्फपीरियड्स की वजह से न छूटे। इसी क्रम में उमंग काउंसलर द्वारा उमंग स्वास्थ्य केंद्र द्वारा दी जाने वाली परामर्श सेवाएं जैसे कि पोषण सम्बन्धी परामर्श, स्वच्छता संबंधी परामर्श, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, शैक्षणिक संबंधी परामर्श, कैरियर काउंसिलिंग परामर्श, विवाह पूर्व/ गर्भ निरोधक/परिवार नियोजन संबंधी परामर्श, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत परामर्श, एमटीपी संबंधी परामर्श, तनाव, अवसाद, आत्मघात संबंधी परामर्श, प्रजनन एवं यौन संबंधी रोग आरटीआई एसटीआई, एचआईवी निवारण हेतु परामर्श, नशीले पदार्थ के सेवन संबंधी परामर्श एनीमिया से रोकथाम एवं उपचार संबंधी परामर्श, हिंसा जोखिम युक्त व्यवहार संबंधी परामर्श माहवारी स्वच्छता संबंधी परामर्श, संचारी बीमारी टीबी, लेप्रोसी व असंचारी बिमारी जैसे मोटापा, मधुमेह, हाइपर टेंशन, कैंसर संबंधी परामर्श उक्त सेवाऐं प्रदान की जाती हैं किशोरावस्था में शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक समस्याओं के लिए उचित समाधानात्मक परामर्श, सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए उमंग स्वास्थ्य केंद्र आने के लिए प्रेरित करना साथ ही उमंग हेल्प लाइन नम्बर 14425, मनहित ऐप, मनहित हेल्पलाइन नंबर 14416 एवं जस्ट आस्क चैट बोट के उपयोग के बारे मे बताया गया। परामर्श के दौरान सभी बाते गोपनीय रखी जाती हैं इसकी जानकारी दी गई।

पशु पालकों, किसानों और डेयरी व्यवसाय से जुड़े हितग्राहियों के शासकीय योजनाएं..

जगप्रेरणा लांजी।

मध्यप्रदेश पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा वर्ष 2026 के लिए पशुपालकों, किसानों एवं डेयरी व्यवसाय से जुड़े हितग्राहियों हेतु विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

इन योजनाओं के माध्यम से डेयरी व्यवसाय, बकरी पालन, पशुधन संवर्धन तथा नस्ल सुधार को बढ़ावा दिया जाएगा। विभाग ने पात्र हितग्राहियों से 30 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। विभाग के अनुसार योजनाओं का लाभ सीमित लक्ष्य के आधार पर 'पहले आओ, पहले पाओ' प्रणाली से दिया जाएगा।

कामधेनु योजना- बड़ी डेयरी यूनिट स्थापित करने वाले किसानों के लिए यह योजना संचालित की जा रही है।- 25 गाय अथवा भैंस की यूनिट - परियोजना लागत : 36 लाख रुपए से 42 लाख रुपए - 33 प्रतिशत सब्सिडी, - अधिकतम 10 लाख रुपए तक अनुदान।

डेयरी प्लस कार्यक्रम- छोटे एवं मध्यम किसानों के लिए यह योजना विशेष रूप से लाभकारी है। 2 मुर्रा भैंस प्रदान की जाएंगी-- कुल लागत 2.95 लाख रुपए, सामान्य वर्ग को 50 प्रतिशत सब्सिडी लगभग 1.47 लाख रुपए, एससी /एसटी वर्ग को 75 प्रतिशत सब्सिडी।

आचार्य विद्यासागर योजना:- 5 पशुओं वाली डेयरी यूनिट के लिए संचालित इस योजना में बैंक ऋण एवं ब्याज सहायता का लाभ मिलेगा। परियोजना लागत 10 लाख रुपए तक, 75 प्रतिशत बैंक ऋण सुविधा, सामान्य वर्ग हेतु 25 प्रतिशत सब्सिडी 1.5 लाख रुपए तक, एससी/ एसटी वर्ग हेतु 33 प्रतिशत सब्सिडी : 2 लाख रुपए तक, 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज का भुगतान शासन द्वारा, अधिकतम 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष तक सहायता।

(10+1) बकरी इकाई योजना:- ग्रामीण क्षेत्रों में बकरी पालन को बढ़ावा देने हेतु योजना लागू है। 10 बकरी एवं 1 बकरा यूनिट, कुल लागत : 77,456 रुपए एससी/एसटी वर्ग को 60 प्रतिशत अनुदान 46,474 रुपए सामान्य वर्ग को 40 प्रतिशत अनुदान : 30,982 रुपए।

पशुपालन केसीसी योजना

पशुओं के चारा, दवाई एवं रखरखाव के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिया जा रहा है। 1.6 लाख रुपए तक बिना गारंटी ऋण, ब्याज दर मात्र 4 प्रतिशत जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखाओं से साख सीमा के आधार पर 0 प्रतिशत ब्याज पर भी केसीसी उपलब्ध नस्ल सुधार योजनाएं, नंदिशाला योजना, गोवंश नस्ल सुधार हेतु हरियाणा, गिर एवं साहीवाल नस्ल के सांड उपलब्ध कराए जाएंगे। 75 प्रतिशत अनुदान 25 प्रतिशत हितग्राही अंशदान प्रदाय किया जायेगा। मुर्रा सांड प्रदाय योजना भैंस नस्ल सुधार के लिए उन्नत मुर्रा सांड उपलब्ध कराए जाएंगे। 75 प्रतिशत अनुदान, 25 प्रतिशत हितग्राही अंशदान।

केंद्र सरकार की योजनाओं का भी लाभ- विभाग द्वारा राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन एवं एएचआईडीएफ जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया जाएगा।

आवेदन हेतु आवश्यक दस्तावेज- आधार कार्ड, वोटर आईडी, बैंक पासबुक, समग्र आईडी, 2 पासपोर्ट साइज फोटो, भूमि संबंधी दस्तावेज (पट्टी/ ऋण पुस्तिका/ खसरा) उपलब्ध पशुओं की फोटो, पशु आधार नंबर एवं ईयर टैग नंबर मोबाइल नंबर, योजना अनुसार ग्राम सभा प्रस्ताव/ अनुमोदन, बैंक सहमति पत्र, भरा हुआ आवेदन फॉर्म। आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए पशु चिकित्सालय लांजी, मोहझरी, कारंजा एवं पशु औषधालय साडरा में संपर्क किया जा सकता है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग बालाघाट ने जिले के सभी पात्र पशुपालकों एवं किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि से पूर्व अपने सभी दस्तावेज पूर्ण कर आवेदन जमा करें तथा अधिक से अधिक लोगों तक इस जानकारी को पहुंचाएं, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे।

कृषि रथ पहुंचा मोहगांवघाट, किसानों को दी आधुनिक खेती और योजनाओं की जानकारी

कृषि कल्याण वर्ष 2026 के तहत आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान हुए शामिल

जगप्रेरणा बालाघाट।

कृषि कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से संचालित कृषि रथ 28 मई को खैरलांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत मोहगांवघाट पहुंचा। कृषि विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को खेती से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, तकनीकों और नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को ई-टोकन प्रणाली, डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति से धान की खेती, फसल विविधिकरण, गहरी जुताई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, हरी खाद, प्राकृतिक खेती तथा बीज वितरण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। अधिकारियों ने किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने और बदलते मौसम के अनुरूप वैज्ञानिक पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में किसानों को बताया गया कि डीएसआर तकनीक से धान की खेती करने पर पानी और श्रम दोनों की बचत होती है, वहीं फसल विविधिकरण अपनाकर किसान कम वर्षा की स्थिति में भी बेहतर उत्पादन और आय प्राप्त कर सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत मिट्टी परीक्षण के महत्व और संतुलित उर्वरक उपयोग की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मोहगांवघाट के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, कृषि सखियां एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने कृषि विशेषज्ञों से खेती से संबंधित विभिन्न समस्याओं और समाधान पर चर्चा भी की। कार्यक्रम में उद्यानिकी विभाग से उद्यान विस्तार अधिकारी श्री मर्सकोले तथा कृषि विभाग से श्री संघर्ष लांजेवार एवं श्रीमती पूर्णिमा राउत ने किसानों को विभिन्न योजनाओं और तकनीकी विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। अधिकारियों ने किसानों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और आधुनिक खेती तकनीकों को अपनाने की अपील की।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

अब्राहम अकॉर्ड्स केवल एक शांति समझौता नहीं, बल्कि 21वीं सदी की नई जियोपॉलिटिकल व्यवस्था का प्रतीक बन चुका है..

अब्राहम अकॉर्ड्स में संभावत: तेल, व्यापार मार्ग, सैन्य प्रभाव हथियारों का बाजार, चीन- रूस की बढ़ती मौजूदगी और वैश्विक शक्ति संतुलन की लड़ाई भी छिपी हुई है।

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहां कूटनीति, धर्म, सुरक्षा, ऊर्जा और वैश्विक शक्ति संतुलन एक-दूसरे से टकराते हुए नजर आ रहे हैं।इसी बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के केंद्र में है

अब्राहम अकॉर्ड्स एक ऐसा समझौता जिसे अमेरिका ने इजरायल और अरब देशों के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी खत्म करने के लिए तैयार कराया। अमेरिका और इजरायल इसे शांति, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हैं, जबकि ईरान और उसके समर्थक इसे मुस्लिम दुनिया को विभाजित करने और फिलिस्तीनी मुद्दे को कमजोर करने की रणनीति मानते हैं।

यही कारण है कि आज डोनाल्ड ट्रम्प और ईरान के नए सुप्रीम लीडर मौजतबा खामनेई के बीच वैचारिक और रणनीतिक टकराव खुलकर सामने आ रहा है। एक ओर ट्रम्प मुस्लिम देशों को इजरायल के साथ जोड़कर एक नए पश्चिम एशियाई सुरक्षा गठबंधन का निर्माण करना चाहते हैं,तो दूसरी ओर मौजतबा खामनेईअमेरिका और इजरायल के खिलाफ इस्लामी एकजुटता का आह्वान कर रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पूरे संघर्ष के पीछे केवल धर्म या विचारधारा नहीं,बल्कि तेल, व्यापार मार्ग,सैन्य प्रभाव, हथियारों का बाजार, चीन- रूस की बढ़ती मौजूदगी और वैश्विक शक्ति संतुलन की लड़ाई भी छिपी हुई है। इसलिए अब्राहम अकॉर्ड्स केवल एक शांति समझौता नहीं, बल्कि 21वीं सदी की नई जियोपॉलिटिकल व्यवस्था का प्रतीक बन चुका है।

साथियों, बात अगर हम अब्राहम अकॉर्ड्स को समझने की करें तो, यह वास्तव में संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में 2020 में शुरू हुई द्विपक्षीय समझौतों की एक श्रृंखला है,जिसका उद्देश्य इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक संबंधों को सामान्य बनाना था। 15 सितंबर 2020 को वाशिंगटन में संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने इजरायल के साथ औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद दिसंबर 2020 में मोरक्को इस प्रक्रिया में शामिल हुआ और सूडान ने भी सामान्यीकरण पर सहमति व्यक्त की,

हालांकि वहां की राजनीतिक अस्थिरता के कारण प्रक्रिया धीमी पड़ गई। बाद में नवंबर 2025 में कजाकिस्तान ने भी औपचारिक रूप से इस समूह में शामिल होने की घोषणा की। यह पूरी प्रक्रिया इसलिए ऐतिहासिक मानी गई क्योंकि 1994 में जॉर्डन और 1979 में मिस्र के बाद पहली बार इतने बड़े पैमाने पर अरब देशों ने इजरायल के साथ खुले संबंध स्थापित किए।अब्राहम नाम यहूदी, ईसाई और इस्लाम तीनों अब्राहमिक धर्मों की साझा सांस्कृतिक और धार्मिक जड़ों को ध्यान में रखकर चुना गया, ताकि इसे धार्मिक टकराव के बजाय साझा विरासत के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

साथियों,अमेरिका और इजरायल को इस समझौते की आवश्यकता कई कारणों से महसूस हुई। सबसे बड़ा कारण था ईरान का बढ़ता प्रभाव। पिछले दो दशकों में ईरान ने इराक, सीरिया, लेबनान, यमन और गाजा तक अपने प्रभाव का विस्तार किया। हिजबुल्लाह, हमास और हूती जैसे संगठनों के जरिए तेहरान पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल की रणनीतिक चुनौतियां बढ़ा रहा था। अमेरिका समझता था कि यदि अरब देशों और इजरायल को एक साझा सुरक्षा ढांचे में नहीं जोड़ा गया, तो ईरान धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में प्रभावशाली शक्ति बन सकता है।

इसलिए अब्राहम अकॉर्ड्स को एक प्रकार के एंटी-ईरान सुरक्षा गठबंधन के रूप में भी देखा गया। इजरायल के लिए यह समझौता इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि इससे उसे अरब दुनिया में वैधता मिली और उसकी क्षेत्रीय अलग-थलग स्थिति कमजोर हुई। दूसरी तरफअमेरिका के लिए यह समझौता पश्चिम एशिया में अपनी पकड़ बनाए रखने का साधन था, खासकर उस समय जब चीन और रूस धीरे-धीरे इस क्षेत्र में अपनी आर्थिक और सामरिक उपस्थिति बढ़ा रहे थे।

साथियों, इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी बेहद महत्वपूर्ण है। संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल के बीच समझौते के बाद व्यापार, तकनीक, रक्षा, साइबर सुरक्षा, कृषि, पर्यटन और निवेश में तेज़ी से वृद्धि हुई। इजरायल की हाई-टेक क्षमता और खाड़ी देशों की पूंजी ने मिलकर नए आर्थिक अवसर पैदा किए। खाड़ी देशों को इजरायल की जल प्रबंधन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर टेक्नोलॉजी और रक्षा तकनीक तक पहुंच मिली, जबकि इजरायल को अरब बाजारों और निवेश का लाभ प्राप्त हुआ।

अमेरिका ने भी इसे अपने आर्थिक हितों से जोड़ा क्योंकि इससे अमेरिकी हथियार उद्योग, ऊर्जा कंपनियों और तकनीकी निवेशकों को नए अवसर मिलने लगे। इस दृष्टि से देखें तो अब्राहम अकॉर्ड्स केवल राजनीतिक समझौता नहीं, बल्कि एक विशाल आर्थिक- सुरक्षा नेटवर्क का हिस्सा है। हालांकि, इस समझौते के आलोचक इसे फिलिस्तीनी मुद्दे के साथ विश्वासघात मानते हैं। दशकों तक अरब देशों कीआधिकारिक नीति यह रही थी कि जब तक फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक इजरायल के साथ पूर्ण संबंध स्थापित नहीं किए जाएंगे।

2002 की अरब शांति पहल भी इसी सिद्धांत पर आधारित थी। लेकिन अब्राहम अकॉर्ड्स ने इस नीति को बदल दिया। यूएई, बहरीन और मोरक्को ने फिलिस्तीन विवाद का समाधान हुए बिना ही इजरायल के साथ संबंध सामान्य कर लिए। इससे फिलिस्तीनियों में यह भावना पैदा हुई कि अरब दुनिया ने उनके संघर्ष को पीछे छोड़ दिया है। यही कारण है कि ईरान, तुर्की, कतर और कई इस्लामी संगठन इस समझौते की आलोचना करते रहे हैं। साथियों, ईरान का विरोध केवल वैचारिक नहीं बल्कि सामरिक भी है।

तेहरान को डर है कि यदि सऊदी अरब जैसे बड़े मुस्लिम देश भी इस समझौते में शामिल हो गए, तो पश्चिम एशिया में एक ऐसा संयुक्त मोर्चा बन जाएगा जिसमें अमेरिका, इजरायल और खाड़ी देश एक साथ खड़े होंगे। इससे ईरान की रणनीतिक घेराबंदी हो सकती है। यही कारण है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मौजतबा खामनेई लगातार मुस्लिम देशों से अमेरिका और इजरायल के खिलाफ एकजुट होने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने हाल के भाषणों में दावा किया कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकाने अब सुरक्षित नहीं हैं और अमेरिका का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। यह बयान केवल राजनीतिक संदेश नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन का संकेत भी है। ईरान यह दिखाना चाहता है कि वह अभी भी क्षेत्रीय प्रतिरोध धुरी का सबसे बड़ा केंद्र है।दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रम्प अब्राहम अकॉर्ड्स को अपनी सबसे बड़ी विदेश नीति उपलब्धियों में गिनते हैं। ट्रम्प प्रशासन की रणनीति यह रही कि अरब देशों और इजरायल के बीच संबंध सामान्य कराकर अमेरिका एक नया पश्चिम एशियाई ब्लॉक तैयार करे, जो ईरान और चीन दोनों के प्रभाव को सीमित कर सके।

ट्रम्प चाहते थे कि सऊदी अरब, पाकिस्तान, कतर और तुर्की जैसे प्रभावशाली मुस्लिम देश भी इस समझौते में शामिल हों। लेकिन यहां उन्हें कठिन विरोध का सामना करना पड़ा। सऊदी अरब ने साफकहा कि फिलिस्तीन के लिए एक अपरिवर्तनीय और विश्वसनीय रास्ते के बिना वह इजरायल के साथ पूर्ण संबंध सामान्य नहीं करेगा।

साथियों 27 मई 2026 को पाकिस्तान ने भी वैचारिक आधार पर इससे इनकार कर दिया। पाकिस्तान के नेताओं ने कहा कि उनका देश फिलिस्तीनी मुद्दे से समझौता नहीं कर सकता। तुर्की और ईरान ने भी इसे मुस्लिम दुनियाँ को बांटने की अमेरिकी रणनीति बताया। यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि क्या जो देश अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल नहीं होंगे, वे अमेरिकी प्रतिबंधों का शिकार बन सकते हैं? प्रत्यक्ष रूप से ऐसा कहना कठिन है, क्योंकि अमेरिका ने किसी देश को केवल समझौते से बाहर रहने के कारण प्रतिबंधित नहीं किया है।

लेकिन यह भी सच है कि अमेरिका अपनी विदेश नीति में आर्थिक और सामरिक दबाव का इस्तेमाल करता रहा है। ईरान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए। पाकिस्तान पर भी समय- समय पर अमेरिकी दबाव दिखाई देता रहा है। हालांकि सऊदी अरब जैसे बड़े ऊर्जा उत्पादक देशों पर सीधे प्रतिबंध लगाना अमेरिका के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि इससे वैश्विक तेल बाजार और अमेरिकी हित दोनों प्रभावित हो सकते हैं। फिर भी यह संभावना बनी रहती है कि जो देश अमेरिकी रणनीतिक ढांचे से बाहर रहेंगे, उन्हें रक्षा सहयोग, निवेश या कूटनीतिक समर्थन के मामलों में नुकसान सटीकता से झेलना पड़ सकता है।

साथियों,अब्राहम अकॉर्ड्स के समर्थकों का मानना है कि यह समझौता पश्चिम एशिया को युद्ध और कट्टरता से निकालकर आर्थिक सहयोग और विकास की ओर ले जा सकता है। उनका तर्क है कि यदि अरब और इजरायल आर्थिक रूप से एक-दूसरे पर निर्भर होंगे, तो संघर्ष की संभावना कम होगी। लेकिन आलोचक कहते हैं कि जब तक फिलिस्तीनी प्रश्न का न्यायपूर्ण समाधान नहीं होगा, तब तक कोई भी शांति स्थायी नहीं हो सकती। गाजा युद्ध और लगातार बढ़ते तनाव ने इस तर्क को और मजबूत किया है कि केवल आर्थिक समझौते क्षेत्रीय स्थिरता की गारंटी नहीं दे सकते।

आज पश्चिम एशिया दो बड़े वैचारिक और रणनीतिक ध्रुवों में बंटता दिखाई दे रहा है। एक ध्रुव अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी अरब देशों का है, जो सुरक्षा, तकनीक और आर्थिक साझेदारी के जरिए नया क्षेत्रीय ढांचा तैयार करना चाहते हैं। दूसरा ध्रुव ईरान और उसके समर्थक समूहों का है, जो इसे अमेरिकी वर्चस्व और इजरायली विस्तारवाद के खिलाफप्रतिरोध की लड़ाई मानते हैं। इस संघर्ष में चीन और रूस भी धीरे-धीरे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चीन खाड़ी देशों और ईरान दोनों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत कर रहा है, जबकि रूस सीरिया और ईरान के माध्यम से क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगेकि अब्राहम अकॉर्ड्स केवल एक राजनयिक दस्तावेज नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति का दर्पण बन चुका है। यह समझौता एक तरफ पश्चिम एशिया में नए आर्थिक अवसर और रणनीतिक गठबंधन पैदा कर रहा है, तो दूसरी तरफ नए वैचारिक विभाजन और भू- राजनीतिक तनाव भी बढ़ा रहा है। ट्रम्प और मौजतबा खामनेई के बीच उभरता खुला टकराव इसी व्यापक संघर्ष का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में यह तय करेगा कि पश्चिम एशिया सहयोग और आर्थिक एकीकरण की दिशा में आगे बढ़ेगा या फिर वैचारिक ध्रुवीकरण और सैन्य प्रतिस्पर्धा के नए दौर में प्रवेश करेगा।

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 175

1	2	3		■	4	5	6		■	7	8		9		10	■	11	12		13
14			■	15				■	16			■		■	17	18			■	
19		■	20			■	21	22		■	23	24	■	25				■	26	■
	■	27			■	28			■	29							■	30		31
■	32				■		■	■	33		■		■		■	■	34			
35		■		■	36		37		■	38	39		40	■	41	42				■
43			■	44				■	45	■	46			47	■		■		■	48
49		■	50			■	51	52		53	■	54			■	■	55		56	
	■	57	■	58			■		■	59		■	■	60	61			■	62	
■	63		64			■	65		66		■	67				■	68	69		
70				■	■	71		■		■	72	■	■	73		74	■	75		■
76		■	77	78		■	79	80		■	81		82		■	83	84		■	85
■	86	87	■		■	88			■	89		■	90		91	■		■	92	
93	■	94	95				■	96			■	97		■	98			99		■
100	101				■	105	103		■	104	105		■	106		■	107		■	108
109		■		■	110			■	111						■	112				

ck;: l: nk;: & 1) मनोरंजकता 4) योग्य, उचित 7) हंसते हंसते गिरना अर्थवाला एक मुहावरा 11) मजबूत 14) भाग्य, कर्म 15) जरुरत 16) पुकार 17) गहरा होने का भाव 19) टोकने की क्रिया 20) पूर्वस्थिति प्राप्त करने की क्रिया 21) प्राप्त 23) कार्य 25) गुदेन्द्रिय में मस्सा निकलने की एक बिमारी 27) नकद रुपया 28) स्वर्णकार 29) टालमटोल करना या बहाना बनाना अर्थवाला एक मुहावरा 30) अवधि 32) किसी से किसी चीज को जमा कराना 33) जिसको प्यास लगी हो 34) बलवाला, सजीव 35) खोआ, मसाला 36) पतंगा 38) नरम होना 41) इस स्थान पर बनाये गये लाक्षागृह में कौरवों ने पांडवों को जलाकर मारने की योजना बनायी थी 43) ताश का एक पत्ता 44) कलंकित, दुष्कीर्तिवाला 46) कुरबानी 49) दूल्हा 50) इच्छा 51) स्नान कराना 54) दासी 55) बंटवारा 58) उत्तर प्रदेश का एक जिला मुख्यालय 59) लत, आदत 60) माली,, फुलों का हार बनानेवाला 62) हमेशा 63) कुरुप 65) बरगलाना 67) पथ्य, खाने आदि में संयम बरतना 68) वह खिड़की जिसमें से कमरे में हवा आती हो 70) राजस्थान का एक जिला मुख्यालय 71) भय 73) आश्रय 75) महोदय (अंग्रेजी) 76) धब्बा 77) ईर्ष्या 79) पाठ, नसीहत 81) नवग्रहों में से दो 83) प्रार्थना, मांगना 86) बुद्धि 88) नीचे गिरने की क्रिया 89) पुराना चालीस सेर का वजन 90) नाविक 92) मधुर 94) लकडियां काटकर एवं बेचकर जीविका चलानेवाला 96) उत्तराधिकारी 97) लता 98) ओछापन 100) कीर्ति अर्जित करना अर्थवाला एक मुहावरा 102) विषैला 104) संबंध, वास्ता, प्रेमसंबंध 106) एक रंग 107) गलती 109) ताकत 110) डरपोक 111) तुरन्त 112) नरसिंह

Åij l: ulp: & 1) मनाही, बाधा 2) आयुर्वेद के एक प्राचीन आचार्य जिनकी संहिता एक प्रामाणिक ग्रंथ मानी जाती है 3) अल्प 4) बंसरी 5) वह स्थान जो ग्राम या नगर के प्रवेश पर स्थित होता है और जहां आवागमन पर शुल्क की वसूली की जाती है 6) सिर के नीचे रखा जानेवाला 7) एक ठोस धातू 8) टालना 9) छोटा घोड़ा 10) असहनीय 11) दीवार में पड़ी हुयी रेखा 12) एक अंग्रेजी महीना 13) कपड़े के छोटे छेद में तागा भरना 15) शेर आदि का जोर से चिल्लाना 16) फूल (उर्दू) 18) सुंदरी 20) बकबक 22) शीश 24) गृहस्वामी 25) अजा 26) दुर्घटना 27) इटली की राजधानी 28) संशोधन करना 29) सरल 30) लगातार 31) सारांश, निचोड़ 32) एक कीमती रत्न 34) प्रयाण करना 35) मनुष्यता 36) पैरों से रौंदा हुआ 37) विष्णु का नाटा अवतार 39) ईश्वर (उर्दू) 40) मूर्खता, नासमझी 42) ताश का एक खेल 44) सही 45) घर का बेजान चौकीदार 47) हमारे राज्यसभा की एक भूतपूर्व उपाध्यक्षा 48) जीवदान 52) बुरी वासना 53) नृत्य करना 55) वियोग 56) रसीला 57) यदु कुल 61) शरमाना 63) श्लेष्मा 64) सूर्य 65) खाली समय 66) योग्य 69) बुरी इच्छा 70) चुकता किया हुआ 72) उजाड़ 74) शरम (उर्दू) 78) लात से मारना, उपटना 80) श्रीकृष्ण का एक नाम 82) ऊंट (अंग्रेजी) 84) जिसके टुकड़े टुकड़े हो गये हो 85) झूठ बोलनेवाला, जिसने झूठ बोला हो 87) मस्तक पर लगाया जानेवाला टीका 88) हार 89) उदाहरणार्थ 91) हकलाकर बोलनेवाला 92) अन्तिम राशी 93) महोदय 95) मेहराब 97) निष्ठाहीन 99) कच्ची चीज का परिपक्व होना 101) गंदगी 103) शंकर 105) गीत 106) सुनने का इन्द्रिय 108) वजन (जवाब अगले अंक में)

पिछ्ले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

अ	फ	सो	स	■	आ	शु	लि	पि	क	■	सु	ब	ह	■	मा	सू	म	■	कु	श
प	र	म	■	चू	■	क	पि	■	सू	र	दा	स	■	स	ल	त	न	त	■	व
श	क	■	ज	हा	ज	■	■	स	र	ग	म	■	शा	र	दा	■	ह	ल	का	■
ब्द	■	मा	ह	■	बा	द	शा	ह	■	र	■	द	म	दा	र	■	र	वा	न	गी
■	अ	■	र	ज	नी	श	■	न	वा	ग	त	■	त	र	■	न	■	र	■	त
ब	ना	ना	■	ल	■	म	वे	शी	■	■	ह	र	■	नी	र	व	ता	■	हैं	■
ता	प	मा	न	■	द	ल	द	ल	■	प	■	वि	प्र	■	मा	नी	■	भ	■	म
ना	श	■	■	के	श	व	■	■	क	ल	प	■	ह	स	र	त	ज	य	पु	री
■	ना	■	दु	ला	र	■	इ	श्क	■	प	र	ना	री	■	म	■	न	■	रा	ज
उ	प	ना	म	■	थ	का	न	■	ब	ल	दा	ऊ	■	ग	ण	ना	क	र	ना	■
मा	■	क	दा	पि	■	म	क	रं	द	■	न	■	क	ला	■	■	सु	त	■	म
शं	■	क	र	ता	र	■	ला	ग	त	■	शी	त	ल	■	ब्या	ह	ता	■	र	ति
क	प	ट	■	म	त	ल	ब	■	र	ह	न	स	ह	न	■	द	■	क	वि	■
र	ह	ना	■	ह	ज	■	■	दे	■	ठी	■	वी	■	र	ब	■	च	र	वा	हा
■	न	■	वै	■	गा	ज	गि	र	ना	■	प	र	म	वी	र	च	क्र	■	स	र
अ	ना	व	श्य	क	■	मा	ला	■	ज	ह	री	■	त	र	स	ना	■	म	र	ना

anumeya-08446302691

जग प्रेरणा
खेल / मनोरंजन
● क्रिकेट ● हॉकी ● बैडमिंटन ● टेबल टेनिस ● फुटबॉल ● वॉलीवाल ● शतरंज ● कराटे ● एथलेटिक्स

सिंधू और लक्ष्य बाहर, सात्विक-चिराग और ध्रुव-तनीषा की जोड़ी सेमीफाइनल में..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू और 2026 ऑल इंग्लैंड के उपविजेता लक्ष्य सेन शुक्रवार को सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए लेकिन पुरुष युगल की दिग्गज जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बना ली।

सिंधू दुनिया की नंबर एक एन से यंग के सामने लगातार दबाव बनाए रखने के लिए जरूरी निरंतरता नहीं दिखा सकीं। कोरिया की खिलाड़ी ने इस एकतरफा मुकाबले को 21-17, 21-14 से जीतकर सिंधू पर अपना दबदबा कायम रखा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने बीच-बीच में अपने आक्रामक खेल की झलक दिखाई और कुछ चरणों में कोरियाई खिलाड़ी पर दबाव बनाने में सफल रहीं, लेकिन निर्णायक क्षणों में एन से यंग का बेहतर नियंत्रण, बेहतरीन मूवमेंट और महत्वपूर्ण अंकों को भुनाने की क्षमता हावी रही। इस हार के साथ सिंधू का मौजूदा ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ लगातार हार का सिलसिला नौ मैचों तक पहुंच गया है। इन मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ी केवल एक बार ही गेम जीत सकी हैं, जो 2023 बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में संभव हुआ था। पुरुष एकल में लक्ष्य को 78 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में जापान के कोकी वतानाबे के हाथों 19-21, 21-15, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। एशियाई खेलों के चैंपियन और यहां चौथे वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलेशिया के खाई शिंग कांग और आरोन ताई को एक घंटे पांच मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-13 से हराया।

भारतीय जोड़ी का मुकाबला शीर्ष अब वरीयता प्राप्त कोरिया के किम वॉन हो और सियो सेउंग जे से होगा, जिन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जापान की जोड़ी को 21-19, 21-18 से हराया। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी चेन तांग जी और तोह ई वेई की तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी के शुरुआती गेम के दौरान ही मैच से हटने से सेमीफाइनल में पहुंच गई। फाइनल में जगह बनाने के लिए अब इस भारतीय जोड़ी का मुकाबला जापान के युइची शिमोगामी और सायाका होबारा की जोड़ी से होगा।

इससे पहले मुकाबले से पहले ही सिंधू के लिये यह चुनौती बेहद कठिन मानी जा रही थी, क्योंकि इस वर्ष एन से यंग ने केवल एक मैच गंवाया है, जबकि 2025 में पूरे वर्ष में उन्हें केवल चार ही हार मिली हैं। यह अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर उनकी असाधारण दबदबे को दर्शाता है। सिंधू ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए अपने दमदार स्मैश और तेज इंटरसेप्शन के जरिए रैलियों पर नियंत्रण बनाने की कोशिश की। वह हालांकि पहले गेम के ब्रेक के समय 7-11 से पीछे रहीं। ब्रेक के बाद लगातार आक्रामक रिटर्न और शॉट्स की मदद से उन्होंने वापसी करते हुए स्कोर 13-14 तक पहुंचा दिया।

सिंधू की आक्रामक रणनीति उन्हें मुकाबले में बनाए रख रही थी, वहीं दूसरी ओर नेट पर एन का नियंत्रण और दबाव झेलने की क्षमता उन्हें फिर से बढ़त दिला रही थी। सिंधू ने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के शरीर पर ताकतवर स्मैश और कुछ कमाल के शॉट की मदद से अंतर 16-18 तक घटाया और फिर मैच की सबसे लंबी रैली जीतकर स्कोर 17-19 कर दिया। सिंधू का शॉट कोर्ट से बाहर जाने पर एन से यंग को तीन गेम पॉइंट मिल गए जिसे उन्होंने आसानी से भुना लिया।

भारतीय खिलाड़ी की दूसरे गेम में शुरूआत बेहद ही खराब रही। एन ने बिना समय गंवाये 6-0 की बढ़त बना ली। सिंधू ने हालांकि इसके बाद अच्छी वापसी कर स्कोर को 6-8 किया लेकिन ऐन ने ब्रेक तक स्कोर 11-7 कर चार अंकों की बढ़त बना ली। सिधू ने ब्रेक के बाद आक्रामक रूख अपनाने की कोशिश कर स्कोर को 11-14 और फिर 30 शॉट की लंबी रैली जीतकर अंतर 12-14 तक घटा दिया।

भारतीय खिलाड़ी को निर्णायक क्षणों में कुछ गलतियां करना महंगा पड़ा जिसका फायदा उठा कर ऐन ने 18-13 की बड़ी बढ़त कायम कर ली। कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार बेहतरीन प्लेसमेंट से सिंधू को परेशान करते हुए सात मैच पॉइंट हासिल किए। सिंधू को शॉट कोर्ट से बाहर जाते ही उन्होंने दूसेर मैच प्वाइंट को भुनाकर 48 मिनट तक चले इस मुकाबले को अपने नाम कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

कैसे बना था भूल भुलैया के छोटे पंडित का लुक? हंसहंसकर लोटपोट हो गए थे डायरेक्टर प्रियदर्शन, राजपाल यादव ने बताई कहानी..

डेस्क जगप्रेरणा।

राजपाल यादव ने अपने करियर में दर्जनों सुपरहिट किरदार निभाए हैं। लेकिन कॉमेडी किरदारों की बात की जाएगी तो भूल भुलैया का छोटा पंडित पहले नंबर पर आएगा। अक्षय कुमार स्टारर भूल भुलैया में राजपाल यादव ने अपनी कॉमेडी का ऐसा तड़का लगाया कि

लोग उनके दीवाने हो गए और आज भी इस किरदार की क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल रहती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि राजपाल यादव के बालों में अगरबत्ती लगाकर वाबले पंडित का लुक कैसे तैयार हुआ था। इस लुक को जब पहली बार डायरेक्टर प्रियदर्शन ने देखा था तो वे हंसहंस कर लोटपोट हो गए थे। इसका खुलासा भी खुद राजपाल यादव ने ही किया है।

क्या बोले राजपाल यादव?

हाल ही में बॉलीवुड बबल के साथ एक बातचीत में राजपाल यादव ने बताया कि कैसे सेट पर उनका यह मशहूर लुक तैयार किया गया और उन्होंने धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए इस किरदार को इतनी संवेदनशीलता से क्यों निभाया। भूमिका के पीछे की प्रेरणा के बारे में बोलते हुए राजपाल यादव ने छोटा पंडित को भरत मुनि के 'नाट्यशास्त्र' से 'विदूषक' की अवधारणा से जोड़ा। इस विचार को समझाते हुए उन्होंने कहा, 'छोटा पंडित जो था, वो पहली बात मानिए भरत मुनि के नाट्यशास्त्र में अलग-अलग बहुत सारे पात्रों की कल्पना की गई है। हमसे एक विदूषक होता है।' उन्होंने आगे बताया, 'विदूषक ये होता है कि वो अपने दरबार में मजाक बनवाता है और लोगों को हंसाता है।' उन्होंने बताया, 'मैं वास्तव में धर्म की पूजा करता हूं। इसलिए यह किरदार मेरे लिए अंदर ही अंदर बहुत चुनौतीपूर्ण था कि अगर जरा सी भी गलती से मैंने इधर-उधर किया, तो हमारे धर्म का मजाक न उड़ जाए।' साथ ही राजपाल यादव ने बताया कि जब प्रियदर्शन ने उनका ये लुक पहली बार देखा था तो वे भी खूब हंसे थे।

सुपरहिट रही थी फिल्म..

डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म भूल भुलैया साल 2007 में रिलीज हुई थी और अपने तरह की अनोखी फिल्म थी। इस हॉरर कॉमेडी से भरी कहानी में अक्षय कुमार ने लीड रोल निभाया था। इसके साथ ही विद्या बालन, शाइनी अहूजा, अमीषा पटेल और राजपाल यादव समेत कई दिग्गज कलाकारों ने दमदार रोल्स निभाए थे। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और 82 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई की थी। इस फिल्म के डायलॉग्स और किरदार आज भी सोशल मीडिया पर वायरल रहते हैं।

आशुतोष गोवारिकर की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान? आगे बढ़ सकता है थ्री इडियट का सीक्वल..

डेस्क जगप्रेरणा।

आमिर खान बीते साल अपनी फिल्म 'सितारे जमीं पर' नजर आए थे और ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर हिट भी रही थी। इसके बाद आमिर ने 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में भी एक कैमियो रोल किया था।

अब आमिर जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का नाम है 'लाला अमरनाथ' और इसे बना रहे हैं डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर। इस फिल्म के चलते आमिर ने अपनी एक और सुपरहिट फिल्म 'थ्री इडियट्स' का सीक्वल भी पोस्टपोन कर दिया है।

थ्री इडियट्स से पहले दिखेगी ये फिल्म..

आमिर खान जल्द ही अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म लाला अमरनाथ में नजर आएंगे। वेरायटी इंडिया की रिपोर्ट की मानें तो आमिर अपनी फिल्म थ्री इडिटय के सीक्वल की भी तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म को राजकुमार हिरानी बना रहे हैं। लेकिन राजकुमार हिरानी भी इन दिनों अपनी ओटीटी सीरीज को लेकर व्यस्त हैं। साथ ही रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि आशुतोष की फिल्म लाला अमरनाथ की स्क्रिप्ट तैयार है और शूटिंग शुरू होना बाकी है।

इस फिल्म में आमिर खान लीड रोल निभाते नजर आने वाले हैं। आईएमडीबी के मुताबिक इस फिल्म में आमिर के साथ फरहान अख्तर भी दमदार किरदार में नजर आ सकते हैं। हालांकि इसकी अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

क्या रहेगी फिल्म की कहानी?

फिल्म की कहानी एक असल जिंदगी के हीरो पर बनी है जिसका नाम था लाला अमरनाथ। भारतीय क्रिकेट टीम के धांसू खिलाड़ी लाला अमरनाथ पहले भारतीय क्रिकेटर हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में शतक जड़ा था। इसके साथ ही लाला अमरनाथ पहले ऑलराउंडर भी थे जो बल्ले के साथ धांसू गेंदबाजी भी करते थे। लाला अमरनाथ को भारत सरकार ने पद्मभूषण के खिताब से भी सम्मानित किया है।

अब देखना होगा कि क्या ये कहानी पर्दे पर लोगों को दिलचस्प लगती है या नहीं। फिल्म की कहानी पियूष गुप्ता और नीरज सिंह ने लिखी है और इसे आशुतोष गोवारिकर खुद डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले भी आमिर और आशुतोष लगान जैसी सुपरहिट फिल्म दे चुके हैं। अब ये एक्टर-डायरेक्टर की हिट जोड़ी फिर से पर्दे पर लौट रही है और फैन्स भी इसको लेकर काफी उत्साहित हैं।

सब कुछ शून्य से शुरू करना पड़ा, लेकिन अंत भला तो सब भला: यास्तिका..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

करियर को खतरे में डालने वाली एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) चोट से उबरकर इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 54 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली

भारतीय बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि उन्हें अपने करियर को शून्य से शुरू करना पड़ा। यास्तिका को पिछले साल विशाखापत्तनम में भारत के वनडे विश्व कप की तैयारी शिविर के दौरान बाएं घुटने में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन से गुजरना पड़ा। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी से यादगार वापसी की। भारत ने इस मैच को 38 रन से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला में शानदार शुरुआत की।

यास्तिका ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, 'मुझे लगता है कि जो लोग एसीएल सर्जरी से गुजरते हैं, वे समझते हैं कि यह कितना मुश्किल होता है। उस पैर की पूरी मांसपेशी लगभग खत्म हो जाती है। आपको सचमुच खुद को शून्य से दोबारा बनाना पड़ता है।' इस खब्बू बल्लेबाज ने कहा कि सर्जरी के बाद का दौर बेहद कठिन था। उन्होंने कहा, 'रिहैब के दौरान कई ऐसे दिन आए जब ऐसा लगता था कि कोई प्रगति नहीं हो रही है, लेकिन मैं हर दिन बस कोशिश करती रही।'

उन्होंने आगे कहा, 'कुछ महीनों के बाद धीरे-धीरे सुधार दिखने लगा और आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें लगातार हिम्मत दी। परिवार, दोस्त और 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का स्टाफ इसके अलावा टीम की साथी जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ी, सभी लगातार मेरा हाल पूछते रहे। मैं सभी की बहुत आभारी हूंज अंत भला तो सब भला।'

चोट के कारण वह पिछले साल भारत की वनडे विश्व कप जीत का हिस्सा नहीं बन पाईं थीं। उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच अप्रैल 2024 में खेला था। यास्तिका ने वापसी के बाद पहले ही मैच में, जब टीम के दो विकेट सात रन पर गिर चुके थे, दबाव की स्थिति में बल्लेबाजी करते हुए जेमिमा के साथ मिलकर 126 रनों की अहम साझेदारी निभाई, जिसने भारत की 38 रन की जीत की नींव रखी।

उन्होंने कहा, 'जेमी (जेमिमा) ने शुरुआत में मुझे भरोसा दिया और लगातार समर्थन किया। उसने कहा, 'बस साझेदारी बनाओ और पॉजिटिव खेलते रहो'। बाद में वह खुद भी लय में आ गई और मैच का रुख बदल दिया।'

यास्तिका ने जेमिमा की 40 गेंद में 69 रन की पारी की तारीफकरते हुए कहा, 'उन्होंने बहुत समझदारी दिखाई। शुरुआत में वह बहुत संयमित थीं और जब मैं अपनी लय पाने की कोशिश कर रही थी, तो वह लगातार मेरा हौसला बढ़ाती रहीं।' उन्होंने कहा, 'अगर मुझसे एक-दो गेंदें छूट भी जाती थीं, तो वह कहती थीं, 'कोई बात नहीं यास्तिका, तुम अच्छी बल्लेबाजी कर रही हो, बस ऐसे ही खेलते रहो।' बाद में वह भी लय में आ गईं और मैच पर हमारी पकड़ मजबूत होती चली गई।' भारत के लिए इस मैच में एक और सकारात्मक पहलू पदार्पण कर रही तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा का प्रदर्शन रहा।

नंदनी ने 34 रन देकर तीन विकेट झटके। यास्तिका ने कहा, 'उसकी धीमी गेंदें उसकी ताकत हैं और उसने उनका बेहतरीन इस्तेमाल किया। पदार्पण पर ऐसा प्रदर्शन बेहद खास है।'

लो आ गया सलमान खान की फिल्म Maatrubhumi का पहला रिव्यू, सुभाष घाई ने देख ली फिल्म, शेयर किया अनुभव..

डेस्क जगप्रेरणा।

सलमान खान स्टारर फिल्म Maatrubhumi बीते दिनों से खूब सुर्खियां बटोर रही है और 14 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। हाल ही में फिल्म के एक गाना भी रिलीज हुआ था।

अब फिल्म का पहला रिव्यू सामने आ गया है। डायरेक्टर सुभाष घाई ने फिल्म देखने के बाद इसका रिव्यू किया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने लिखा, 'अपने पसंदीदा डायरेक्टर्स से मिलकर खुशी हुई है।

अपूर्व लखिया की फिल्म मात्रभूमि का रफ कट देखा और ये काफी शानदार लगा। सलमान खान स्टारर इस फिल्म की कहानी भारतीय वीर सैनिकों की भावनाओं की कहानी कहती है। ये एक जरूरी देखने वाली फिल्म है।'

ये रहेगी फिल्म की स्टारकास्ट..

मात्रभूमि फिल्म को डायरेक्टर अपूर्व लखिया ने बनाया है और इसकी कहानी शिव अरूर, चिंतन गांधी और सुरेश नायर ने लिखी है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह लीड रोल में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही अंकुर भाटिया ने भी दमदार रोल निभाया है।

फिल्म की कहानी हिमालय की तनावपूर्ण खामोशी में कर्नल संतोष बाबू 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व करते हुए खतरनाक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुए समझौते को लागू करवाते हैं। लेकिन जब कूटनीति विश्वासघात में बदल जाती है तो एक सामान्य गश्त सम्मान की लड़ाई बन जाती है। गलवान साहस, बलिदान और अटूट देशभक्ति की एक दिल दहला देने वाली कहानी है - जो 2020 में हुए उस संघर्ष की सच्ची घटना पर आधारित है जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था।

राजा शिवाजी के कैमियो ने बटोरी थी सुर्खियां..

सलमान खान इससे पहले फिल्म बीते साल रिलीज हुई फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। हालांकि ये फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। इसके बाद सलमान खान ने बैड्स ऑफ बॉलीवुड सीरीज में भी कैमियो किया था। बीते दिनों रिलीज हुई रितेश देशमुख स्टारर फिल्म राजा शिवाजी में भी सलमान खान ने जीवा महाला के रोल में कैमियो किया था और खूब तालियां बटोरी थीं। अब सलमान खान जल्द ही मात्रभूमि में नजर आने वाले हैं और इस फिल्म में चित्रांगदा सिंह ने लीड रोल निभाया है।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारतीय महिला टीम ने हॉकी श्रृंखला में 2-1 की बढ़त कायम की..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारत ने दो मैदानी गोल की मदद से शुक्रवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया को तीसरे मैच में पराजित कर चार मैचों की महिला हॉकी मैत्री श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा और अनुशासित रक्षात्मक खेल देखने को मिला, जिसके चलते कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। भारत ने आखिरकार मध्यांतर के बाद सोनम (36वें मिनट) के गोल से बढ़त हासिल की। टीम ने क्वार्टर में भी अपनी लय बनाए रखी और लालरेम्सियामी (49वें मिनट) ने दूसरा गोल दागकर बढ़त को 2-0 कर दिया।

दो गोल की बढ़त लेने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने संगठित रक्षात्मक रणनीति अपनाई और ऑस्ट्रेलिया को किसी भी प्रकार की वापसी का मौका नहीं दिया। इस श्रृंखला का चौथा और अंतिम मैच शनिवार को इसी स्थान पर खेला जाएगा। भारत ने इससे पहले श्रृंखला के शुरुआती मैच में ऑस्ट्रेलिया से 1-2 की हार झेली थी, लेकिन दूसरे मैच में जोरदार वापसी करते हुए पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज की थी। यह मुकाबला निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। इस दौरे में भारतीय टीम ने विशेष रूप से रक्षा और मध्य पंक्ति में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरा आगामी महिला नेशंस कप (15 से 21 जून, ऑकलैंड) की तैयारियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है।

इसके साथ ही यह दौरा अगस्त में 15 से 30 तारीख तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप से पहले भी अहम अभ्यास साबित हो रहा है। आगामी नेशंस कप भारत के लिए एफआईएच प्रो लीग 2026-27 में फिर से जगह बनाने अवसर होगा, जो 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए भी एक महत्वपूर्ण क्वालीफायर माना जा रहा है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल,
ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां,
ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें,
बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

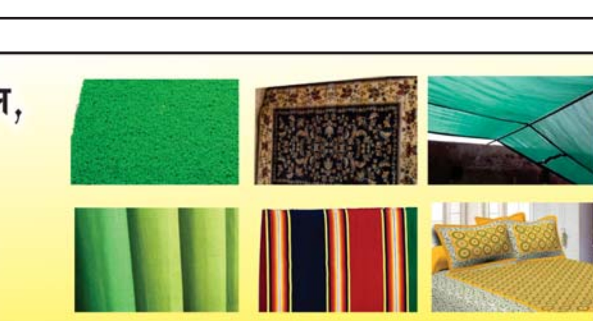

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

डीजल में आइसोब्यूटेनॉल का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव साल के अंत तक: परिवहन सचिव..

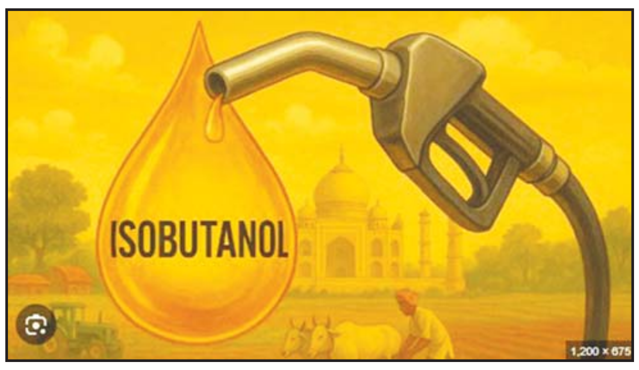

नई दिल्ली, (भाषा)।

देश में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और परिवहन क्षेत्र को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के लिए सरकार डीजल में आइसोब्यूटेनॉल का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव इस वर्ष के अंत तक ला सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी उमाशंकर ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ÷डीजल में मिश्रण (ब्लेंडिंग) को गंभीरता से देखा जा रहा है। भारत पेट्रोलियम इस दिशा में आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण पर शोध कर रही है, जिसके परिणाम काफी उत्साहजनक हैं।÷

उन्होंने कहा कि डीजल की खपत पेट्रोल से लगभग दोगुनी होने की वजह से इस ईंधन में मिश्रण का प्रभाव देश की ऊर्जा सुरक्षा पर और भी अधिक होगा। उमाशंकर ने कहा, ÷इस वर्ष के अंत तक डीजल में मिश्रण को अनिवार्य करने का प्रावधान लागू किए जाने की संभावना है।÷

परिवहन सचिव ने कहा कि मंत्रालय पिछले 10-12 वर्षों में आगे बढ़ने वाले ईंधन मिश्रण कार्यक्रम को और आगे बढ़ा रहा है। इस क्रम में ई85 पेट्रोल (85 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण वाला पेट्रोल) और ई100 (लगभग शुद्ध एथेनॉल आधारित ईंधन) से जुड़े वाहन विनिर्माण नियमों का मसौदा भी जारी किया गया है।

उन्होंने बताया कि भारत पहले ही पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर चुका है, जिससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने और उत्सर्जन घटाने में मदद मिली है। उमाशंकर ने कहा, ÷ई20 स्तर पर ब्लेंडिंग को लेकर कुछ चिंताएं रही हैं, लेकिन यहां स्थिति अलग है क्योंकि ऐसे ईंधन के लिए वाहन अलग तरीके से बनाए जाएंगे। ई85 या ई100 ईंधन के लिए पेट्रोल पंपों पर अलग डिस्पेंसर भी लगाया जाएगा, जबकि सामान्य मिश्रित पेट्रोल एक ही डिस्पेंसर से उपलब्ध कराया जाता है।÷

सचिव ने यह भी कहा कि मंत्रालय जल्द ही ट्रक और ट्रेलर को आपस में बदलकर उपयोग करने की सुविधा पर एक मसौदा अधिसूचना ला सकता है। इसका उद्देश्य ऐसा ढांचा विकसित करना है, जिससे इलेक्ट्रिक भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए बैटरी बदलने और बैटरी चार्जिंग की व्यवस्था को बेहतर तरीके से लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि मंत्रालय का उद्देश्य लॉजिस्टिक व्यवस्था को अधिक कुशल बनाना है, ताकि वाहनों को चार्जिंग या बैटरी बदलने के लिए लंबे समय तक खड़ा न रहना पड़े। इसके अलावा, मंत्रालय टोल संग्रह की 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' (एमएलएफएफ) व्यवस्था को देशभर में लागू करने की तैयारी कर रहा है। इसमें वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकना नहीं पड़ेगा और टोल शुल्क इलेक्ट्रॉनिक तरीके से अपने-आप कट जाएगा।

उमाशंकर ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दी जा चुकी है और इसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

अर्थव्यवस्था के समक्ष पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी चुनौतियां, अल नीनो से कृषि उपज पर असर: आरबीआई

मुंबई, (भाषा)।

वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियां पैदा हो सकती हैं, जबकि 'अल नीनो' के मौसमी प्रभावों से कृषि उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह कहा। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों और बैंकों के मजबूत बहीखाते, पूंजीगत व्यय पर सरकार के निरंतर जोर और प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन से निवेश और वृद्धि की रफ्तार बनी रहने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान आरबीआई के कामकाज को समाहित करने वाली इस रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू अर्थव्यवस्था ने बाहरी चुनौतियों के बावजूद जुझारूपन दिखाया, जिसे मजबूत निजी उपभोग, निवेश और व्यापक आर्थिक स्थिरता से समर्थन मिला।

रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (2026-27) के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़े जोखिम आर्थिक वृद्धि एवं मुद्रास्फीति पर दबाव डाल सकते हैं।

कृषि क्षेत्र के बारे में आरबीआई ने कहा कि इसका प्रदर्शन दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और उसके वितरण पर निर्भर करेगा। इस साल प्रतिकूल मौसमी स्थिति 'अल नीनो' बनने की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा कर सकती है।

भारतीय मौसम-विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जून से सितंबर के दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान देश में वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 90 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में सामान्य बारिश का अनुमान है, जबकि अन्य हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है।

कीमतों में बढ़ोतरी पर यह रिपोर्ट कहती है कि पर्याप्त अनाज भंडार एवं जलाशयों के स्तर को देखते हुए 2026-27 में मुद्रास्फीति लक्ष्य के अनुरूप रह सकती है। लेकिन वैश्विक कच्चे तेल और जिंस कीमतों में उछाल, आपूर्ति लागत में बढ़ोतरी और विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जैसे कारक जोखिम पैदा कर सकते हैं।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई का बैलेंस शीट मार्च, 2026 को 91,97,121.08 करोड़ रुपये हो गया जबकि 31 मार्च, 2025 को यह 76,25,421.93 करोड़ रुपये था। इस तरह एक वित्त वर्ष में बैलेंस शीट में 15,71,699.15 करोड़ रुपये यानी 20.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई ने कहा कि परिसंपत्तियों में वृद्धि घरेलू निवेश, सोने और विदेशी निवेश में क्रमशः 44.9 प्रतिशत, 63.8 प्रतिशत और 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 31 मार्च, 2026 तक रिजर्व बैंक के पास कुल 880.52 टन सोना था, जो एक वर्ष पहले 879.58 टन था। इस दौरान सोने में 0.94 टन की वृद्धि दर्ज की गई। इनमें से 312.32 टन सोना 'निर्गम विभाग' की परिसंपत्ति के रूप में रखा गया, जबकि शेष 568.20 टन सोना बैंकिंग विभाग के मातहत है।

बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों में 2025-26 के दौरान धोखाधड़ी के 10,114 मामले दर्ज किए गए, जिनमें कुल 48,021 करोड़ रुपये शामिल थे। इसके एक साल पहले 23,722 मामलों में 32,803 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की गई थी।

रिपोर्ट कहती है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों में धोखाधड़ी के मामलों की संख्या घटने के बावजूद इन मामले में शामिल राशि पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी है।

आरबीआई के अनुसार, 2025-26 में धोखाधड़ी के सबसे अधिक मामले ऋण श्रेणी में दर्ज किए गए, जबकि 2023-24 और 2024-25 में कार्ड, इंटरनेट और डिजिटल भुगतान से जुड़े मामले अधिक थे।

नकली मुद्रा के मामलों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। 2025-26 में बैंकिंग प्रणाली में कुल 2,29,746 नकली नोट पकड़े गए, जो एक साल पहले के मुकाबले 5.7 प्रतिशत अधिक हैं। इनमें सबसे अधिक नकली नोट 500 रुपये के थे, जिनकी संख्या 20.5 प्रतिशत बढ़कर 1,41,907 हो गई।

इसी अवधि में 500 रुपये के नोटों का चलन भी 11.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,05,482 लाख इकाई तक पहुंच गया। वहीं, मूल्य के लिहाज से 500 रुपये के नोटों का कुल चलन 35.27 लाख करोड़ रुपये रहा, जो साल भर पहले 31.72 लाख करोड़ रुपये था।

एलपीजी के लिए 30 दिनों की जरूरत का रणनीतिक भंडार बनाने की तैयारी

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे एलपीजी (रसोई गैस) का इतना भंडारण तैयार करें कि कम से कम 30 दिनों की मांग पूरी की जा सके।

यह कदम पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बाद उठाया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार रणनीतिक भंडारण को मजबूत करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को कम-से-कम 30 दिन की एलपीजी जरूरत को पूरा करने के लिए अतिरिक्त भंडारण की योजना बनाने को कहा गया है।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। फरवरी अंत में पश्चिम एशिया में संघर्ष छिड़ने के कारण भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर देखने को मिला है। इसकी वजह यह है कि भारत में कच्चे तेल का करीब 40 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का 65 प्रतिशत और एलपीजी का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा खाड़ी देशों से आता है।

शर्मा ने कहा कि भारत कच्चे तेल के भंडारण की क्षमता बढ़ाने पर भी काम कर रहा है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

सरकार ने कहा कि फिलहाल देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। एलपीजी उत्पादन भी लगभग 52,000 टन प्रतिदिन के रिकॉर्ड स्तर पर है। शर्मा ने कहा कि देश में किसी भी एलपीजी वितरक पर आपूर्ति बाधित होने की स्थिति नहीं पैदा हुई है। हालांकि कई पेट्रोल पंपों पर 'असामान्य' बिक्री देखी जा रही है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल और डीजल की बिक्री में कई जिलों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। इसका कारण कृषि मांग और निजी तेल खुदरा विक्रेताओं की तुलना में सरकारी कंपनियों की कीमतों का अंतर भी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 150 से अधिक जिलों में पेट्रोल बिक्री में 30 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि 14 जिलों में बिक्री दोगुनी हो गई है। डीजल बिक्री भी 156 जिलों में 30 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है जबकि छह जिलों में यह वृद्धि 100 प्रतिशत से अधिक रही है।

देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा बिक्री में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली सार्वजनिक तेल कंपनियों ने पिछले दो हफ्ते में चार बार में करीब 7.50 रुपये प्रति लीटर दाम बढ़ा दिए हैं।

सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को ईंधन की जमाखोरी एवं कालाबाजारी रोकने के लिए विशेष निगरानी दल बनाने को कहा है तथा उपभोक्ताओं से घबराकर खरीदारी न करने की अपील की है।

रुपया 73 पैसे उछलकर 94.85 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, (भाषा)।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 73 पैसे उछलकर 94.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर बढ़ी उम्मीद से बाजार धारणा मजबूत होने के बीच रुपया मजबूत हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और डॉलर में कमजोरी से भी रुपये को समर्थन मिला। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को 60 दिन और बढ़ाने तथा ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता के नये दौर शुरु करने पर सहमति बनने के बाद सुधार का यह रुख देखने को मिला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.77 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.85 के उच्चस्तर और 95.78 के निचले स्तर तक गया। अंत में रुपया 94.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 73 पैसे की बढ़त है। बुधवार को रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 95.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। ईद-उल-अजहा के कारण बृहस्पतिवार को घरेलू शेयर और विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर बढ़ी उम्मीदों के कारण रुपये में मामूली सकारात्मक रुख रहेगा। हालांकि इस समझौते पर डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के सर्वोच्च नेता की मंजूरी मिलना अभी बाकी है।''

उन्होंने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और डॉलर के कमजोर होने से भी रुपये को मजबूती मिली। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच कोई नया तनाव बढ़ने पर रुपये पर दबाव भी आ सकता है। डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 94.70 से 95.60 के दायरे में रहने का अनुमान है।''

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत बढ़कर 99.13 पर रहा।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 92.01 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अब बाजार की नजर तीन से पांच जून तक होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर है। विशेषज्ञों के अनुसार, आरबीआई ब्याज दरों में वृद्धि या यथास्थिति बनाए रखने का फैसला कर सकता है। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति नियंत्रण के साथ मुद्रा स्थिरता को भी प्राथमिकता देगा।

घरेलू शेयर बाजार बीएसई सेंसेक्स 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 अंक पर और एनएसई निफ्टी 359.40 अंक फिसलकर 23,547.75 अंक पर बंद हुआ।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने शुक्रवार को 21,105.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

पश्चिम एशिया संकट के बीच मार्च-मई में यूरिया, डीएपी की बिक्री बढ़ी: उर्वरक सचिव

नई दिल्ली, (भाषा)।

उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्रा ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद मार्च-मई की अवधि के दौरान भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले उर्वरकों - यूरिया और डीएपी - की बिक्री में पर्याप्त बढ़ोतरी देखी गई।

उन्होंने कहा कि खरीफ मौसम की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

यहां दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन दिवस पर आने वाले खरीफ मौसम के लिए उर्वरक की स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए, मिश्रा ने कहा कि संघर्ष के बाद यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की बिक्री बढ़ गई।

युद्ध के बाद एक मार्च से 25 मई के बीच लगभग 50.59 लाख टन यूरिया बेचा गया, जो पिछले साल की इसी अवधि के 46.01 लाख टन से 4.58 लाख टन ज्यादा है।

यूरिया की यह अतिरिक्त बिक्री मुख्य रूप से महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, असम, छत्तीसगढ़ और झारखंड तक सीमित थी।

सम्मेलन में साझा किए गए सरकारी आंकड़ों के अनुसार, डीएपी के मामले में एक मार्च से 25 मई के बीच 12.49 लाख टन की बिक्री की गई, जो पिछले साल की इसी अवधि के 8.98 लाख टन से 3.50 लाख टन ज्यादा है।

उर्वरक सचिव ने कहा कि पिछले साल की तुलना में 26 मई तक यूरिया, डीएपी, म्यूरिएट ऑफ पोटाश (एमओपी), एनपीके और सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

इस साल 26 मई तक यूरिया का भंडार 80.44 लाख टन था, जो पिछले साल की इसी अवधि के 76.31 लाख टन से ज्यादा है। इसी प्रकार, डीएपी का भंडार पहले के 15.14 लाख टन के मुकाबले 21.49 लाख टन, एनपीके का भंडार पहले के 49.95 लाख टन के मुकाबले 58.93 लाख टन और एमओपी का भंडार पहले के 12.36 लाख टन के मुकाबले 13.08 लाख टन था।

एसएसपी का भंडार 26 मई तक थोड़ा घटकर 26.74 लाख टन रह गया, जबकि पिछले साल यह 27.49 लाख टन था।

उन्होंने बताया कि 26 मई तक कुल उर्वरक स्टॉक 200.68 लाख टन था, जबकि पिछले साल इसी समय यह 181.25 लाख टन था।

मिश्रा ने कहा कि वैश्विक कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बीच, सरकार घरेलू और आयात, दोनों ही स्रोतों से पर्याप्त उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है।

अब तक लगभग 25 लाख टन यूरिया और 13.50 लाख टन डीएपी का आयात किया जा चुका है। निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार विदेशों में स्थित अपने 28 दूतावासों के साथ लगातार बातचीत कर रही है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सोच-समझकर खर्च करें, मजबूत बने रहें: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, (भाषा)।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कहा कि वे बदलते वैश्विक हालात और अनिश्चितताओं के बीच अपनी मजबूती बनाए रखें और सभी स्तरों पर सोच-समझकर खर्च करें तथा मितव्ययिता अपनाएं।

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए बैंकों को सलाह दी कि वे पात्र उधारकर्ताओं को ईसीएलजीएस 5.0 के तहत सक्रिय और आवश्यकता-आधारित सहायता प्रदान करें, शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करें, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और लाभप्रदता तथा दीर्घकालिक वृद्धि बनाए रखने के लिए नए व्यवसाय अवसरों की तलाश करें। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बैंकों को पश्चिम एशिया संकट और बदलते वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए अपनी तैयारियों और अनुकूलन क्षमता को मजबूत रखना चाहिए।

बैठक में पीएसबी के कारोबार में वृद्धि, लाभप्रदता, परिसंपत्ति गुणवत्ता, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय समावेश, डिजिटल प्रणाली, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) ऋण प्रवाह, साइबर सुरक्षा और परिचालन जोखिम प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रदर्शन की समीक्षा की गई। मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मजबूत वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन किया है। पीएसबी का 31 मार्च 2026 तक कुल कारोबार लगभग 283.3 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि उनका शुद्ध लाभ बढ़कर लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक शुद्ध लाभ है।

बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता भी मजबूत रही, जहां सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) घटकर 1.93 प्रतिशत के ऐतिहासिक निचले स्तर पर आ गईं, जबकि शुद्ध एनपीए 0.39 प्रतिशत तक कम हुआ।

बैठक में जनधन योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम विश्वकर्मा और डिजिटल ऋण कार्यक्रमों जैसी प्रमुख वित्तीय समावेश पहलों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक देश में वित्तीय पहुंच बढ़ाने और अंतिम छोर तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा, छह श्रमिकों की मौत, तीन घायल..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में शुक्रवार तड़के तेज आंधी के दौरान बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने से छह श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक यह हादसा हमीरपुर जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर लालपुरा थाना क्षेत्र के परसानी और कंदौर गांवों के बीच तड़के लगभग तीन बजे हुआ। घटना के समय कई श्रमिक पुल के स्लैब के ऊपरी हिस्से पर सो रहे थे। उत्तर प्रदेश राज्य पुल निगम लिमिटेड के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना के संबंध में लापरवाही (कर्तव्य के निर्वहन में) के आरोप में एक सहायक अभियंता को निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। हमीरपुर के जिलाधिकारी अभिषेक गोयल और पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर पाठक घटनास्थल पर पहुंचे तथा राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव अभियान का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी गोयल ने संवाददाताओं को बताया कि दो वर्ष पहले शुरू हुई इस परियोजना का निर्माण कार्य एक निजी कंपनी द्वारा कराया जा रहा था। उन्होंने कहा कि निर्माण स्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए थे। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान लोकेन्द्र (22), कुलदीप निषाद (19), सावंत यादव (28), सभाजीत (30), पुष्पेंद्र चौहान (34) और राजेश पाल (42) के रूप में हुई है। वहीं, अवधेश निषाद, कल्लू यादव और राजेश निषाद घायल हुए हैं, जिन्हें मलबे से निकालकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लालपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार सरोज ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही मलबा हटाकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई अन्य व्यक्ति उसके नीचे दबा न हो। गोयल ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग और जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार शाम को आंधी-तूफान और बारिश को लेकर चेतावनी जारी की थी। ग्रामीणों और कर्मचारियों को सतर्क करने के लिए गांवों में मुनादी भी कराई गई थी। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'जनपद हमीरपुर में बेतवा नदी पर एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।'

उन्होंने कहा, 'प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।' अधिकारियों ने बताया कि जिले में 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की चेतावनी जारी की गयी थी।

उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड, हमीरपुर के उप परियोजना प्रबंधक दिलीप कुमार ने कहा, 'दिन में अत्यधिक गर्मी के कारण रात में निर्माण कार्य किया जा रहा था, जबकि तेज आंधी चलने की चेतावनी पहले ही जारी की गयी थी। लापरवाही के आरोप में सहायक अभियंता गजेंद्र चौधरी को निलंबित कर दिया गया है।' इस बीच, हमीरपुर सदर के विधायक ने कहा कि इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं और जांच पूरी होने के बाद जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्विट्जरलैंड में शख्स ने चाकू से हमला कर 3 लोगों को किया घायल, पुलिस ने बताया 'आतंकी हमला'..

डेस्क जगप्रेरणा।

स्विट्जरलैंड के विंटरथुर शहर में एक आतंकी हमला हुआ। यहां रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ने तीन लोगों पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। अधिकारियों ने इस घटना को 'आतंकवादी कृत्य' बताया। हालांकि आरोपी को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

जानकारी के मुताबिक यह हमला सुबह 8:30 बजे के आस-पास हुआ। क्षेत्रीय पुलिस प्रमुख मारियस वेयेरमैन ने बताया कि संदिग्ध को आपातकालीन सेवाओं को सूचना मिलने के पांच मिनट बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया।

मनोरोग केंद्र से मिली थी छुट्टी..

मारियस वेयेरमैन ने आगे बताया कि आरोपी की पहचान 31 वर्षीय स्विस-तुर्की दोहरी नागरिकता वाले व्यक्ति के रूप में हुई है, जो विंटरथुर में रहता है। 2015 में इस्लामिक स्टेट समूह की प्रचार सामग्री वितरित करने के कारण वह अधिकारियों की नजर में आया था। हाल के दिनों में,

पुलिस आपातकालीन नंबर पर कॉल करने और 'अस्पष्ट टिप्पणियां' करने के बाद उसे एक मनोरोग केंद्र में ले जाया गया था, लेकिन बुधवार को एक डॉक्टर द्वारा यह निर्धारित किए जाने के बाद कि वह खतरनाक नहीं है, उसे वहां से छुट्टी दे दी गई।

तीन लोगों को किया घायल..

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि गुरुवार के हमले में 28, 43 और 52 वर्ष की आयु के तीन स्विस पुरुष घायल हो गए। वेयेरमैन ने बताया कि पहले दो लोगों को दोपहर तक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी या छुट्टी मिलने ही वाली थी। सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जांघ की चोट के ऑपरेशन के बाद अभी भी अस्पताल में भर्ती था। वेयेरमैन ने कहा कि जांचकर्ताओं का मानना है कि इस व्यक्ति ने अकेले ही यह हमला किया था।

अधिकारियों ने बताया आतंकी हमला..

वहीं ज्यूरिख के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मारियो फेहर ने इस हमले को 'आतंकवाद का एक घिनौना कृत्य' बताया। उन्होंने कहा कि संदिग्ध का जन्म स्विट्जरलैंड में हुआ था और उसने 2009 में स्विस नागरिकता प्राप्त की थी, और ऐसा लगता है कि उसने पिछले दो वर्षों का अधिकांश समय तुर्की में बिताया था। बता दें कि विंटरथुर में लगभग 123,000 निवासी हैं और यह उत्तरपूर्वी स्विट्जरलैंड में, देश के सबसे बड़े शहर ज्यूरिख के पास स्थित है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें..
मो. 9329033433

मंदिर जा रहे एक ही परिवार के चार लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

हरियाणा के यमुनानगर जिले के लाल ढांग क्षेत्र में शुक्रवार सुबह मक्के से लदा एक ट्रक पलट गया और उसकी चपेट में आने से मोटरसाइकिल पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

यह दुर्घटना प्रताप नगर थाना क्षेत्र में प्रसिद्ध तीर्थ स्थल कलेश्वर महादेव के पास हुई। प्रताप नगर पुलिस के अनुसार, जगाधरी-पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई इस दुर्घटना के पीड़ितों में एक पिता, उनकी दो बेटियां और एक रिश्तेदार शामिल थे, जबकि मां गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा तब हुआ जब परिवार हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में स्थित श्री रेणुकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना करने जा रहा था।

खबरों के मुताबिक, यमुनानगर जिले के चुहारपुर कलां निवासी राजेंद्र धीमान (45) शुक्रवार सुबह अपनी पत्नी उषा (40) और अपनी दो बेटियों सिमरन (14) और मीनल (12) के साथ रेणुकाजी मंदिर के लिए रवाना हुए थे। उनके साथ एक अलग मोटरसाइकिल पर हरियाणा के दौलतपुर गांव के निवासी फूल सिंह भी सवार थे।

बेटियां फूल सिंह की बाइक पर बैठी थीं, जबकि उषा अपने पति राजेंद्र के साथ थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब समूह कालेसर राष्ट्रीय उद्यान के पास लाल ढांग की पहाड़ी ढलानों पर एक तीखे मोड़ के पास पहुंचा तभी मक्के की बोरियों से लदा एक ट्रक मोटरसाइकिल सवारों पर पलट गया। दुर्घटना की खबर मिलते ही स्थानीय निवासी राहत कार्यों में सहायता के लिए तुरंत जुट गए। थाना प्रभारी (एसएचओ) रोहताश सिंह के नेतृत्व में प्रताप नगर पुलिस बल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा।

पुलिसकर्मियों ने पलटे हुए ट्रक से मक्के की बोरियां हटाकर घायल महिला को बाहर निकाला और मृतकों के शव बरामद किए। बाद में क्रेन की मदद से ट्रक को उठाया गया। ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि दुर्घटना उसकी लापरवाही के कारण हुई या किसी तकनीकी खराबी के कारण। उषा को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

पहले से भी ज्यादा खतरनाक हो गया नॉर्थ कोरिया

बिल्कुल नए तरह के हथियारों को किया टेस्ट..

डेस्क जगप्रेरणा।

उत्तर कोरिया ने दावा किया है कि उसने अपने हालिया हथियार परीक्षणों में कई नई सैन्य तकनीकों और हथियार प्रणालियों का परीक्षण किया है, जिनमें परमाणु क्षमता वाली क्रूज मिसाइल और नए वॉरहेड शामिल हैं। यह जानकारी बुधवार को उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के हवाले से सामने आई। नॉर्थ कोरिया के मुताबिक, इन परीक्षणों की निगरानी देश के नेता किम जोंग उन ने खुद की। इन परीक्षणों में बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम शामिल थे।

किम जोंग उन ने परीक्षणों पर जताया संतोष..

ञ्चष्टहृ के अनुसार, किम जोंग उन ने इन परीक्षणों पर संतोष जताया, खासकर क्रूज मिसाइल सिस्टम के प्रदर्शन को लेकर। ये मिसाइलें दक्षिण कोरिया की सीमा के पास तैनात लंबी दूरी की आर्टिलरी इकाइयों के साथ इस्तेमाल के लिए तैयार की जा रही हैं। किम ने सैन्य अधिकारियों से कहा कि आर्टिलरी बलों को तेजी से आधुनिक बनाया जाए ताकि 'कोई भी उनकी बराबरी न कर सके।'

दक्षिण कोरिया की रिपोर्ट क्या कहती है?

दक्षिण कोरिया की सेना ने एक दिन पहले बताया था कि उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी समुद्री क्षेत्र की ओर कई प्रोजेक्टाइल दागे, जिनमें कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफस्टाफके अनुसार, यह मिसाइल करीब 80 किलोमीटर तक गई, हालांकि अन्य हथियारों के प्रकारों की पुष्टि नहीं की गई थी। दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के नए दावों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

आखिर इलाके में क्यों बढ़ रहा है तनाव?

उत्तर कोरिया लगातार अपनी सैन्य क्षमता को आधुनिक और मजबूत बनाने में लगा हुआ है, खासकर तब से जब 2019 में उसके और अमेरिका के बीच बातचीत टूट गई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कूटनीतिक बातचीत विफल होने के बाद किम जोंग उन ने हथियार कार्यक्रम तेज कर दिया है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया को अपना 'सबसे बड़ा दुश्मन' भी घोषित किया है और दोनों देशों के बीच पुराने संबंधों को लगभग खत्म कर दिया है। हाल ही में एक सैन्य बैठक में किम ने सीमा पर तैनात सैनिकों की ताकत बढ़ाने पर चर्चा की थी और कहा था कि सीमा को 'अभेद्य किले' में बदला जाएगा।

रूस और चीन के साथ बढ़ती नजदीकियां..

रिपोर्ट के अनुसार, किम जोंग उन की विदेश नीति अब रूस की ओर ज्यादा झुकती दिख रही है। रूस को यूक्रेन युद्ध के लिए उत्तर कोरिया से हजारों सैनिक और हथियार मिल रहे हैं। इसके साथ ही उत्तर कोरिया ने चीन के साथ भी संबंध मजबूत किए हैं, जिसे वह अपना मुख्य सहयोगी और आर्थिक सहारा मानता है। वहीं, ट्रंप ने कई बार किम जोंग उन के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की इच्छा जताई है। लेकिन उत्तर कोरिया ने इन प्रस्तावों को नजरअंदाज कर दिया है। प्योंगयांग का कहना है कि जब तक अमेरिका परमाणु निरस्त्रीकरण की शर्त नहीं हटाता, तब तक किसी भी बातचीत की संभावना नहीं है।

कनाडा में एक और भारतीय की हत्या, 15 मई से लापता थी गुजरात की 22 वर्षीय छात्रा

डेस्क जगप्रेरणा।

कनाडा में फिर एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। कनाडा के नायग्रा में भारतीय छात्रा की चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। छात्रा गुजरात के आणंद के बोरसद की रहने वाली थी।

उसकी पहचान 22 वर्षीय विधि मेघा के रूप में हुई है। विधि का शव अमेरिकी बॉर्डर के पास से मिला है।

कनाडा में कर रही थी पढ़ाई..

विधि कनाडा में रहकर पढ़ाई कर रही थी। अपना खर्च चलाने के लिए वह पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी भी कर रही थी। वह वहां PR की तैयारी कर रही थी। विधि अचानक 15 मई से गायब हो गई थी। अमेरिकी बॉर्डर के पास नायग्रा इलाके में विधि का शव मिला। जांच में पता चला कि किसी ने चाकू से गोदकर उनकी जान ले ली। कनाडा की पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि वे कातिल की तलाश में जुटे हैं और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

इससे पहले की घटनाएं..

इससे पहले, दिसंबर 2025 में टोरंटो यूनिवर्सिटी के स्कारबोरो परिसर के पास 20 वर्षीय भारतीय डॉक्टरेट छात्र शिवांक अवस्थी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसका शव हाईलैंड क्रीक ट्रेल के पास मिला था।

वहीं, अप्रैल 2025 में 21 वर्षीय भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की हैमिल्टन में मौत हो गई थी। वह एक बस स्टॉप पर खड़ी थी, तभी दो गुटों के बीच हो रही गोलीबारी के दौरान एक गोली उसके सीने में लग गई थी। दिसंबर 2024 में एडमॉन्टन में 20 वर्षीय भारतीय सिख छात्र हर्षदीप सिंह अंत्तल की उस अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जहां वह बतौर सिक्योरिटी गार्ड पार्ट-टाइम काम कर रहा था।

सोनमर्ग में आंधी का कहर, टूरिस्ट के लिए लगाए कई स्टॉल उड़े, एक व्यक्ति घायल..

डेस्क जगप्रेरणा।

जम्मू कश्मीर के सोनमर्ग में गुरुवार को बहुत तेज आंधी चली। इस आंधी में खुले में रखा सामान उड़ गया और लोगों को काफी नुकसान हुआ।

टूरिस्ट स्पॉट पर बच्चों के खेलने के लिए बनाए गए झूले और अन्य स्टॉल भी आंधी की चपेट में आ गए। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनमर्ग टूरिस्ट डेस्टिनेशन में तेज हवा का झोंका आया, जिससे बच्चों और परिवारों के लिए लगाए गए कई स्टॉल खराब हो गए। ये लोग यहां बकरीद के त्योहार के माहौल का मजा ले रहे थे।

अचानक आए हवा के तेज झोंकों ने त्योहार में खलल डाला और इलाके में मौजूद टूरिस्ट और दुकानदारों में घबराहट पैदा कर दी। चश्मदीदों ने बताया कि बच्चों के लिए बनाए गए टेम्पररी स्टॉल और मनोरंजन की जगहों पर तेज हवाओं का बहुत बुरा असर पड़ा। खबर है कि इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया और उसे इलाज के लिए शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया।

तेज हवाओं के साथ बारिश..

जम्मू कश्मीर समेत देश के कई हिस्सों में गुरुवार को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से निजात भी मिला। सोनमर्ग में तेज हवाओं ने फिशिंग पॉइंट पर लगे ट्रैंपोलिन को उखाड़ कर उड़ा दिया, जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए भेज दिया गया है। वीडियो में दिख रहा है कि ट्रैंपोलिन हवा में उड़ता हुआ इधर-उधर जा रहा है, जिससे आसपास दहशत फैल गई।

प्री-मॉनसून का असर..

जानकारी के अनुसार प्री-मॉनसून या वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। प्री-मॉनसून के कारण अक्सर कश्मीर में तेज हवाओं के साथ बारिश होती है। ऐसे में टूरिस्ट्स को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। खासकर खुले इलाकों और एडवेंचर स्पोर्ट वाली जगहों पर विशेष सावधानी की जरूरत होती है।

इंजन फेल, फिर भी मौत के क्रूज को 'सब ठीक' कहकर पानी में उतारा! बरगी डैम हादसे में चौंकाने वाला खुलासा, 3 अधिकारी कटघरे में..

डेस्क जगप्रेरणा।

जबलपुर के बरगी डैम में हुआ क्रूज हादसा अब प्रशासनिक और तकनीकी लापरवाही का जीता-जागता सबूत बनता जा रहा है। न्यायिक जांच के दौरान एक ऐसा चौंकाने वाला पत्र सामने आया है, जिसने पूरे मामले का रुख ही बदल दिया। इस पत्र में साफ लिखा था कि क्रूज का एक इंजन पूरी तरह खराब हो चुका था और दूसरा भी स्टार्ट होने में नखरे दिखा रहा था। यानी मौत के इस सफर की चेतावनी पहले ही मिल चुकी थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे हल्के में लिया।

जांच आयोग के हाथ लगा सनसनीखेज दस्तावेज..

'सब ठीक चल रहा है' के ढर्रे पर क्रूज को लगातार पानी में उतारा जाता रहा और आखिरकार वही हुआ जिसका डर था। अब यह सनसनीखेज दस्तावेज जांच आयोग के हाथ लग चुका है, जिसने सिस्टम की इस भयानक लापरवाही की पोल खोलकर रख दी है।

अब ये 3 अधिकारी होंगे जवाबदेह..

इस गंभीर खुलासे के बाद जांच कर रहे रिटायर्ड जस्टिस संजय द्विवेदी ने कड़ा रुख अपनाते हुए मध्य प्रदेश टूरिज्म के रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा, मैकल बोट क्लब के मैनेजर और

एमपी टूरिज्म के टेक्निकल एक्सपर्ट को सीधे कटघरे में खड़ा कर दिया है। बुधवार को टेक्निकल एक्सपर्ट के बयान दर्ज किए गए, जबकि बाकी अधिकारियों से भी तीखे सवाल-जवाब किए जा रहे हैं।

'लापरवाह तंत्र' की रीढ़ तोड़ने की तैयारी में जांच आयोग..

जांच आयोग अब सिर्फहादसे की वजह नहीं ढूंढ रहा, बल्कि उस 'लापरवाह तंत्र' की रीढ़ तोड़ने की तैयारी में है जिसने शिकायतों को रद्दी की टोकरी में डाल दिया था। जस्टिस द्विवेदी का साफ कहना है कि इस जांच का मकसद न सिर्फ दोषियों को बेनकाब करना है, बल्कि भविष्य के लिए ऐसे कड़े नियम तय करना है ताकि फिर कभी कोई जिंदगी इस तरह दांव पर न लगाई जा सके।

कैसे हुआ था हादसा?

बता दें कि बीते 30 अप्रैल को जबलपुर के बरगी डैम में क्रूज नौका पलट गई थी। जानकारी के मुताबिक, तेज तूफान के कारण उठी ऊंची लहरों की वजह से ये हादसा हुआ। हादसे के दौरान क्रूज में 41 लोग सवार थे। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 28 लोगों को बचा लिया गया था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस हादसे पर दुख जताया था। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए 4-4 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया था।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

भुमेश्वर धमगाये गोरेगांव
मो. 9637631171

जन्म-मृत्यु सहायता योजना को ग्रामसभा की मंजूरी..

ओबीसी जनगणना में अलग कॉलम की मांग पर सौंदड़ ग्रामसभा का प्रस्ताव..

सरपंच हर्ष मोदी की अध्यक्षता में उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई ग्रामसभा..

जगप्रेरणा सौंदड़।

सौंदड़, तहसील सड़क-अर्जुनी : ग्राम पंचायत सौंदड़ की ग्रामसभा गुरुदेव व्यायाम मंदिर परिसर में सरपंच हर्षविनोद मोदी की अध्यक्षता में उत्साहपूर्ण एवं जनसहभागिता के वातावरण में संपन्न हुई।

ग्रामसभा में गांव के विकास, सामाजिक हित तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से जन्म-मृत्यु सहायता योजना तथा ओबीसी समाज के लिए जनगणना में अलग कॉलम की मांग का मुद्दा चर्चा का केंद्र रहा।

ग्रामसभा की शुरुआत पिछली ग्रामसभा की कार्यवाही पढ़कर उसे सर्वसम्मति से अनुमोदित करने के साथ हुई। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 के वार्षिक आय-व्यय विवरण पर चर्चा कर उसे मंजूरी प्रदान की गई। ग्रामवासियों को शासन की विभिन्न आवास योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना, मोदी आवास योजना, शबरी आवास योजना, रमाई आवास योजना तथा यशवंतराव चव्हाण आवास योजना के संबंध में विस्तृत जनजागरण किया गया। ग्रामवासियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए बाढ़ नियंत्रण, नालों की सफाई, आपदा प्रबंधन तथा आपातकालीन तैयारियों पर भी गंभीर चर्चा की गई। संभावित प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक तैयारी करने का निर्णय लिया गया। गांव के गट क्रमांक 1132, 1133, 1134 तथा 1188 में हुए अतिक्रमण के मुद्दे पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित स्थानों से अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई करने पर सहमति बनी।

ओबीसी जनगणना के मुद्दे पर ग्रामसभा का स्पष्ट रुख

ग्रामसभा में सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए अलग कॉलम का अभाव रहा। इस विषय पर ग्रामवासियों ने अपने विचार खुलकर व्यक्त किए। ग्रामसभा में मत व्यक्त किया गया कि ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सही आकलन करने के लिए जनगणना में अलग ओबीसी कॉलम होना आवश्यक है। इसके बाद ओबीसी समाज के लिए अलग कॉलम उपलब्ध होने तक जनगणना प्रक्रिया में भाग न लेने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस निर्णय को ओबीसी समाज के अधिकारों और प्रतिनिधित्व के प्रति ग्रामसभा की गंभीरता के रूप में देखा जा रहा है।

इसके अलावा विभिन्न शासकीय परिपत्रों, शासन निर्णयों और ग्राम विकास से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। अध्यक्ष की अनुमति से ऐन समय पर प्रस्तुत किए गए अन्य विषयों पर भी आवश्यक विचार-विमर्श किया गया।

जन्म-मृत्यु सहायता योजना बनी ग्रामसभा का मुख्य आकर्षण..

ग्रामसभा का सबसे सराहनीय और चर्चित निर्णय ग्राम निधि से संचालित की जाने वाली 'जन्म-मृत्यु सहायता योजना' को मंजूरी देना रहा। इस अभिनव योजना के तहत गांव के किसी भी परिवार में बच्चे का जन्म होने अथवा किसी सदस्य की मृत्यु होने पर संबंधित परिवार को आवेदन प्रस्तुत करने के चार दिनों के भीतर 4,900रू. की आर्थिक सहायता चेक के माध्यम से प्रदान की जाएगी। सरपंच हर्ष मोदी ने योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ग्राम निधि का उपयोग सीधे ग्रामवासियों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस योजना को स्थायी स्वरूप देने के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। भविष्य में कोई भी सरपंच या पदाधिकारी व्यक्तिगत निर्णय लेकर इस योजना को बंद नहीं कर सकेगा। योजना को समाप्त करने अथवा उसमें बदलाव करने के लिए ग्रामसभा की मंजूरी अनिवार्य होगी। इस संबंध में भी सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। ग्रामवासियों के सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए लिए गए निर्णयों, ओबीसी समाज के मुद्दे पर अपनाए गए स्पष्ट रुख तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति दिखाई गई प्रतिबद्धता के कारण यह ग्रामसभा विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। सरपंच हर्ष मोदी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत द्वारा लिए गए निर्णयों का ग्रामवासियों ने स्वागत किया और ग्रामसभा में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने विकासोन्मुख कार्यशैली के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। गांव में इन निर्णयों को लेकर सकारात्मक वातावरण बना हुआ है तथा जन्म-मृत्यु सहायता योजना की विशेष रूप से सराहना की जा रही है।

पानी के लिए गांव की ओर आने लगे वन्यप्राणी

विभाग कर रहा है अनदेखी..

परिसर के लोगों में दहशत..

गणेश भदाडे जगप्रेरणा आमगांव।

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा वन्यप्राणियों पर करोड़ों रु. खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन तहसील स्थित जंगलों की हालत काफी दयनीय है।

जिला वन्यजीव प्रशासन तथा आमगांव वन विभाग परिसर में तेजी से फल फूल रहे वन्यजीव प्राणियों की ओर लगातार अनदेखी किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। परिसर के कुंभारटोली से सटा महादेव पहाड़ी, पाउलदौना जंगल, मांडोदेवी जंगल, ठाणा-दहेगांव जंगल के वन्य प्राणियों की हालत बेहद खराब है। वन्यजीवों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है दरअसल इस समय परिसर के सभी तालाब सूख जाने से पानी की भारी किल्लत महसूस हो रही है. लेकिन वन्यप्राणियों की सुध लेने वाला कोई नहीं है।

कई बार पानी के तलाश में वन्यप्राणी बस्तियो में आ जाते है, लेकिन प्रशासन द्वारा गुपचुप तरीके से उन्हें वापस जंगल मे छोड़ दिया जाता है, सूत्रों की माने तो ऐसी एक नही अनेको घटना हो चुकी हैं, इस वनक्षेत्र को आमगांव वन विभाग ने भगवान भरोसे छोड़ दिए जाने से इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं। वन्यजीव विभाग के तहत आमगांव परिसर में आने वाले सभी जंगलों की व्यवस्था की जिम्मेदारी आमगांव वन विभाग की है। इस विभाग का कार्यालय ग्राम बिरसी में है. यहीं से पूरा नियंत्रण किया जाता है। ऐसे में नियंत्रण में कई खामियां रहने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। खामियां की पूर्ति किया जाना जरूरी है, लेकिन संबंधितों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है. आमगांव वन विभाग के प्रमुख अधिकारियों की गलती से सीखने की बजाय गलतियां फिर से दोहराई जा रही हैं।

परिसर के गांवों में दहशत..

जंगल में वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था नहीं होने से वन्यजीव गांवो की ओर पलायन कर रहे है, हिरण, जंगली रीछ, जंगली कुत्ते, जंगली सुअर, नीलगाय आदि जंगली प्राणी गांवों की ओर आने लगे हैं. इससे ग्रामवासियों की जान को भी खतरा है, ग्रामीण बहुत डरे और सहमे हुए हैं।

दिव्य कथा शिव महापुराण का आयोजन 1 से 7 जून तक..

जगप्रेरणा आमगांव।

पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व पर 1 जून से 7 जून तक दिव्य भव्य शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन बनिया मोहल्ला राजा राम लाल सरकार मंदिर में किया जा रहा है।

शिव महापुराण वृंदावन धाम से पधारे पंडित दीपक कृष्ण शास्त्री की वाणी से मुखारबिंद की जाएगी। महापुराण का आयोजन सकल समाज महिला मंडल आमगांव द्वारा किया गया है। शिव महापुराण 1 जून से 7 जून तक दोपहर 4.30 से हरि इच्छा तक रहेगी। इस दिव्य कथा में महापुराण कथा का महत्व, आदि शिव लिंग की उत्पत्ति, नारद मोह, धनपत कुबेर का पूर्व चरित्र, शिव सती चरित्र - पार्वती जी का जन्मोत्सव, पवित्रता धर्म का वर्णन एवं त्रिपुरासुर का वध जैसे अनेको प्रसंगों का विस्तृत रूप से कथा में वर्णन किया जाएगा, इस कथा में आप सभी सहपारिवार आमंत्रित है ऐसा आवाहन आयोजकों द्वारा किया गया है।

गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

सी एस आर कंपनीका का संचालक बताकर किया 14 लाख 45 हजार की धोखाधडी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 1/1/2024 से 27/5/2026 के दरम्यान दोनो आरोपी ने सी एस आर प्रोजेक्ट के संचालक बताकर आपके पैसे 3 महीने मे डबल करने का झासा देकर फर्यादी से 14 लाख 14 हजार रुपये लिये, काफी दिनो तक पैसे नही मिलने से फर्यादी ने बार बार पैसे की मांग की तो कभी प्लाट बेचकर दे रहा हु कभी सोना बेचकर दे रहा हु बताया गया बाद मे चेक भी दिया लेकीन चेक बंद खाते का दिया और जब सि एस आर नाम का कोई भी प्रोजेक्ट नही होने की फर्यादी को जानकारी मिली तो उसने दोनो आरोपीयो के खिलाफ दिये शिकायत पर गोंदिया शहर पुलिस थाने मे अपराध क्रमांक 417/2026 धारा 420,34, भादवी के तहत दर्ज किया गया जॉच सफौ कवपालसिंह भाटीया 143 गोंदिया शहर कर रहे है।

ऑटो के पैसे मांगने पर 4 आरोपीयो ने की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/5/2026 के रात 8 बजे के दरम्यान रेलटोली मुकेश मडावी चायनिज सेंटर मे फर्यादी श्याम गणेश रांजोळीया उम्र 41 वर्ष निवासी सिव्हिल लाईन आरोपीयो से आटो के पैसे मांगने गया तो आरोपियो ने उस पकड़कर रोड पर पटका और लकडी से सर पर मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत पर आरोपीयो के खिलाफ पोस्टे रामनगर मे अपराध क्रमांक 334/ 2026 धारा 118,1, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाच पोहवा ओमेश्वर मेश्राम 558 पोस्टे रामनगर कर रहे है।

आसमान से बरसी आग: भीषण गर्मी से झुलसा जनजीवन..

पारा 45 डिग्री के पार..

रितेश अग्रवाल जगप्रेरणा आमगांव।

गोंदिया जिले साथ आमगांव शहर में गर्मी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। आसमान से बरसती आग और थपेड़े मारती 'लू' (Heatwave) के कारण आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

मैदानी इलाकों में तापमान रिकॉर्ड तोड़ते हुए 45 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है, जिससे कर्फ्यू जैसा नजारा दिखने लगा है। मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है। डॉक्टरों ने बिना जरूरी काम के दोपहर 12 से शाम 4 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। गर्मी के बचाओ के लिए नागरिक अब नारियल पानी, तरबूज, नीबू शर्बत, लस्सी, मठ्ठा, आम रस, शीतल पेय, बर्फ गोला जैसे शीतल पेय का सहारा लेकर गर्मी से दो-दो हाथ करने को मजबूर है। भीषण गर्मी में इंसानों के साथ, गाय, बैल, भैस, बकरी, छोटे बड़े पक्षी, शहर स सटे जंगलों में जंगली जानवरों जिसमे हिरण, काला हिरण, नीलगाय, भालू, आदि जानवरों का समावेश है, लेकिन इतनी भीषण गर्मी कर्मी के चलते भी प्रशासन द्वारा कोई ठोस व उचित कदम ऊठाते दिखाई नही दे रहा है। जिससे नागरिको में रोष व्याप्त देखने को मिल रहा है।

अस्पतालों में बढ़े मरीज, बिजली कटौती रुला रही..

तेज धूप और डिहाइड्रेशन के कारण अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, उल्टी-दस्त और चक्कर आने वाले मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। इसी बीच, बिजली की रिकॉर्ड मांग के कारण कई इलाकों में अघोषित कटौती की जारी है। इससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। पानी का संकट भी गहराने लगा है।

ओबीसी का कॉलम हो तो ही जनगणना आंदोलन सफल रहा

सरकार से लिखित आश्वासन के बाद बहिष्कार कुछ समय के लिए रोका गया; दोबारा धोखाधड़ी होने पर ज़ोरदार आंदोलन की चेतावनी..

गणेश भदाडे जगप्रेरणा आमगांव।

आम जनगणना 2026-2027 में **OBC** के लिए अलग जाति-वार कॉलम न होने के विरोध में ज़िले भर में हो रहे बड़े आंदोलन पर आखिरकार प्रशासन को संज्ञान लेना पड़ा और सरकार से लिखित आश्वासन मिलने के बाद **OBC** संघर्ष कृति समिति ने बहिष्कार के फैसले को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान किया है। हालांकि, अगर भविष्य में फिर से **OBC** समुदाय को बाहर करने की कोशिश हुई, तो समिति ने **OBC** नहीं है, तो कोई नहीं है÷ के नारे के साथ जनगणना को पूरी तरह रोकने की चेतावनी भी दी है।

16 मई, 2026 से 15 जून, 2026 के बीच हुई घरेलू जनगणना में **SC/ST** की तरह **OBC** समुदाय के लिए अलग कॉलम न होने पर जिले की ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर परिषद और आम लोगों ने कड़ा गुस्सा जताया। **OBC** संघर्ष कुती समिती की अपील पर कई गांवों में जनगणना करने वाले प्रगणक और सुपरवाइजरों को गांवों से वापस भेज दिया गया।

ग्राम सभाओं ने प्रस्ताव पास किए और सरकार को विरोध में बयान भेजे। अलग-अलग गांवों में मीटिंग, नुक्कड़ सभाएं, रैलियां, पर्चे बांटकर, बैनर लहराकर और प्रदर्शन करके जनगणना का बहिष्कार करने का आंदोलन शुरू किया गया कुती समिती ने इस आंदोलन को जिला सरपंच एसोसिएशन, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अलग-अलग संगठनों, मीडिया और सोशल मीडिया से मिले बड़े सपोर्ट के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया है।

इस बीच, आंदोलन की तेज़ी को देखते हुए, माननीय जिला कलेक्टर गोंदिया ने 22 मई, 2026 को जिले के मुख्य पदाधिकारियों की एक मीटिंग की। इस मीटिंग में, **OBC** को शामिल करने पर ही जनगणना का पक्का स्टैंड एकमत से रखा गया। इसके बाद डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने 21, 22 और 26 मई को केंद्र और राज्य सरकारों को लिखा और राज्य जनगणना कमिश्नर से सीधी बातचीत की और सरकार को संगठन की बात बताई। इसके बाद 27 मई 2026 को हुई मीटिंग में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने संगठन के प्रमुखों को डिटेल में जानकारी दी और साफ किया कि सरकार की तरफ से लेटर नंबर **Jikago/ M.S./ Census/ Ka1** 498/ 2026, तारीख 27/05/2026 के ज़रिए भविष्य की आम जनगणना में **OBC**की जाति के हिसाब से अलग से जनगणना कराने का लिखित भरोसा दिया गया है। समिति की जानकारी के मुताबिक, बर्फ से ढके राज्यों में जनगणना का दूसरा फेज़ 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा और उससे पहले भारत सरकार का गजट और क्रेश्चनेयर का फॉर्मेट अनाउंस होने की उम्मीद है।

इस बारे में आखिरी तस्वीर लगभग जुलाई-अगस्त 2026 के बीच साफ होगी। इसलिए, कहा गया कि तब तक संगठन 'वेट एंड वॉच' की भूमिका में रहेगा। 28 मई 2026 को गोंदिया के सरकारी रेस्ट हाउस में हुई एक अर्जेंट मीटिंग में बहिष्कार के फैसले को कुछ समय के लिए रोकने और सरकार के साथ सहयोग करने का फैसला किया गया। समिति ने **OBC** समुदाय की मांगों को नज़रअंदाज़ करने पर और भी तेज़ आंदोलन करने का इरादा जताया है। **OBC** संघर्ष एक्शन कमेटी के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट बबलू श्यामलालजी कटरे ने एक बार फिर इस आंदोलन का साथ देने वाले सभी संगठनों, एक्टिविस्ट, गांववालों, सोशल मीडिया और अखबारों का शुक्रिया अदा किया है।

आर्ट्स स्ट्रीम में 3 सेमेस्टर पास करने के बाद भी स्टूडेंट ने कहा 'मुझे नहीं पता'..

जी.के. कॉलेज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया बड़ा खुलासा: कोविड के समय में ऑनलाइन एग्जाम को लेकर कन्फ्यूजन

जगप्रेरणा सालेकसा।

सालेकसा तालुका के कावराबंध में G. K. आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज के एक स्टूडेंट के सनसनीखेज आरोपों से पैदा हुए कन्फ्यूजन को कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन ने आखिरकार खत्म कर दिया है।

संबंधित स्टूडेंट ने दावा किया था, 'मैंने कभी **BA** कोर्स में एडमिशन नहीं लिया, मैंने एग्जाम नहीं दिए और मुझे स्कॉलरशिप का कोई फायदा नहीं मिला।' हालांकि, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन ने तुरंत एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सभी ऑफिशियल डॉक्यूमेंट्स, ऑनलाइन एग्जाम रिकॉर्ड, स्कॉलरशिप एप्लीकेशन और बैंक स्टेटमेंट पेश किए और साफ किया कि स्टूडेंट के आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और फैक्ट्स पर आधारित नहीं हैं।

कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन की दी गई जानकारी के मुताबिक, स्टूडेंट कुमारी प्रतिमा देवलाल लिल्हारे ने 2020 में इसी कॉलेज से 11वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की थी। उसके बाद, उसने अपनी ओरिजिनल **TC**, 10वीं और 12वीं की मार्कशीट जमा की और एकेडमिक ईयर 2021-22 में बैचलर ऑफ आर्ट्स **BA** के पहले साल में रेगुलर एडमिशन लिया। कॉलेज के पास एडमिशन प्रोसेस का पूरा साइन किया हुआ रिकॉर्ड है। इसी दौरान देश भर में कोविड-19 महामारी फैलने की वजह से यूनिवर्सिटी के निर्देशों के मुताबिक ऑनलाइन पढ़ाई और ऑनलाइन एग्जाम सिस्टम लागू किया गया था। इस इमरजेंसी के दौरान, संबंधित स्टूडेंट ने लगातार तीन सेशन में ऑनलाइन एग्जाम दिए और यूनिवर्सिटी के रिजल्ट में उसके पास होने का ऑफिशियल रिकॉर्ड है।

खास बात यह है कि संबंधित स्टूडेंट ने सरकारी स्कीम के तहत स्कॉलरशिप पाने के लिए कॉलेज में अपना जाति सर्टिफिकेट, रेजिडेंस सर्टिफिकेट और पिता का इनकम सर्टिफिकेट जमा किया था। कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि बैंक स्टेटमेंट से यह साबित होता है कि इसी एप्लीकेशन के आधार पर सरकार द्वारा मंजूर स्कॉलरशिप की रकम सीधे उसके बैंक अकाउंट में जमा कर दी गई थी। इतना ही नहीं, 2024 में उसने खुद भी कॉलेज से एक बोनाफाइड सर्टिफिकेट लिया था, जिसमें लिखा था कि वह **BA** की पढ़ाई कर रही है। इसलिए, उसका यह दावा कि 'मैंने कभी एडमिशन नहीं लिया या स्कॉलरशिप नहीं ली' पूरी तरह से गलत है।

कुछ दिन पहले, जब स्टूडेंट अपनी मार्कशीट और **TC** लेने कॉलेज आई, तो एडमिनिस्ट्रेशन ने उससे बकाया फीस के बारे में पूछा। जब उसने अपनी पैसे की दिक्कत बताई, तो कॉलेज ने हमदर्दी दिखाई और बिना कोई फीस लिए उसे डॉक्यूमेंट्स सौंप दिए। एडमिनिस्ट्रेशन ने यह भी दावा किया कि स्टूडेंट ने इन डॉक्यूमेंट्स को लेने के बाद अपनी गलती मान ली है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, इंस्टीट्यूशन के सेक्रेटरी जी. के. दसारिया ने कहा कि कुछ सोशल मीडिया पर इस मामले के बारे में गलत और गुमराह करने वाली जानकारी फैलाकर कॉलेज और उसके फाउंडर्स की इमेज खराब करने की कोशिश की गई। उन्हें शक है कि जब सभी एकेडमिक रिकॉर्ड और बैंक डिटेल्स मौजूद हैं, तो ऐसे झूठे आरोप लगाना एक पहले से तय साज़िश है। प्रशासन ने माता-पिता से अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील करते हुए कहा है कि कावराबांध में जी.के. कॉलेज 2016-17 से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान कर रहा है और पिछले दस वर्षों में ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा

● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

सुनिल मेंढे और अविनाश ब्राह्मणकर में से 1 नाम फाइनल की तैयारी में महायुति..

गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार चयन को लेकर हो रहा मंथन अब अंतिम चरण की ओर..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव 18 जून को संपन्न होने जा रहा है जिसके लिए उम्मीदवारों के द्वारा नामांकन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 1 जून है। अर्थात अब सिर्फ 48 घंटे शेष रह गए हैं जिसमें नामांकन फॉर्म भरने के अंतिम समय से पूर्व राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना ही होगा कि आखिरकार कौन उपयुक्त उम्मीदवार होगा। लेकिन देखा जाए तो राजनीतिक दलों के सामने विशेषकर सत्ताधारी महायुति के पास तो

टिकिट मांगने वालों की लंबी कतार है, जिसके कारण परिस्थितियां यह है कि रोज एक दो नए नामों पर चर्चा शुरु होती है, और रात तक फिर किसी नाम पर दावे मजबूती से रखे जाते हैं। इस तरह से उम्मीदवार को लेकर अभी तक कोई नाम घोषित नहीं किया जा सका है, परंतु राजनीतिक चर्चाओं में आज 29 मई को दो नामों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म रहा, जिसमें बताया जा रहा है कि भाजपा राष्ट्रवादी कांग्रेस शिवसेना महायुति की ओर से पूर्व सांसद सुनिल मेंढे और भाजपा से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में आकर चुनाव लड़कर नाना पटोले जैसे दिग्गज नेता को करारी चुनौती देने वाले अविनाश ब्राह्मणकर के नाम में से किसी एक को फाईनल किया जा सकता है।

पूर्व सांसद सुनिल मेंढे को लेकर यह है चर्चाएं..

गौरतलब है कि गोंदिया भंडारा संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद सुनील मेंढे विगत लोकसभा चुनाव में पराजित हुए थे, लेकिन विधान परिषद के दृष्टिकोण से कहा जा सकता है कि सुनील मेंढे विधान परिषद के लिये ऐसा नाम है जिनसे जिले की जनता और भाजपा राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधान परिषद के सभी मूल मतदाता भी अच्छी तरह से परिचित हैं, लेकिन यहां सुनील मेंढे के संदर्भ में यह भी ध्यान देने योग्य है कि सुनील मेंढे विगत लोकसभा चुनाव व्यक्तिगत छबि के कारण हार चुके हैं। सांसद के रुप में सुनिल मेंढे के कार्यकाल को लेकर बात की जाए तो सुनिल मेंढे एक ओर जहां थोड़े रिजर्व नेचर के रहे, तथा भाजपा के अनेक कार्यकर्ता भी सुनील मेंढे से उपेक्षित महसुस करते रहे, वहीं जनसंपर्क, कार्यकर्ताओं से संपर्क और मीडिया के बीच सुनिल मेंढे कोई प्रभाव नहीं जमा सके, वहीं संसदीय कार्यकाल में निष्क्रियता का यह परिणाम रहा कि सुनिल मेंढे के चुनाव प्रचार के दौरान अनेक गांवों से सुनिल मेंढे के प्रचार वाहनों को जनता ने प्रचार करने घुसने तक नहीं दिया था तो वहीं सुनिल मेंढे को ग्रामीण क्षेत्र में सभा तक ग्रामीणों ने नहीं लेने दिया था।

यहां उल्लेखनीय है कि पूर्व सांसद सुनिल मेंढे के संदर्भ में यह भी राजनीतिक चर्चाएं होती रही है कि सुनील मेंढे कांग्रेस नेता नाना पटोले के बहुत करीब के रिश्तेदार भी हैं जिसके कारण अंदरूनी राजनीतिक खेल तय करते हुए नाना पटोले ने फ्रेशर चेहरे के रूप में डॉक्टर प्रशांत पडोले को टिकिट दी थी, जो कि सुनील मेंढे को सपोर्ट करने के लिए दी गई थी हांलांकि मेंढे के प्रति जनता की नाराजगी और लोकसभा चुनाव में आरक्षण और संविधान बदलने के मुद्दे चर्चा में होने के कारण पुरे महाराष्ट्र में भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और भाजपा की जुगलबंदी होने के कारण तथा प्रशांत पडोले एकदम नया चेहरा होने के कारण सुनिल मेंढे संसदीय चुनाव के नजरिये से बहुत भारी मतों से नहीं हारे, लेकिन उनकी हार के मार्जिन को कम करने में भाजपा और मोदी का गोंदिया भंडारा जिले में प्रभाव ही था, यह बात स्पष्ट कही जा सकता है।

राजनीतिक सूत्रों के फिलहाल एक बार फिर यह दावे हैं कि यदि भाजपा ने सुनिल मेंढे को उम्मीदवार बनाया तो नाना पटोले कांग्रेस उम्मीदवार के लिये ज्यादा ताकत नहीं लगाएंगे, और भाजपा के लिये यह चुनाव आसान हो जायेगा, ऐसे भी दावे किये जा रहे हैं, जिसको लेकर कांग्रेस खेमे में भी खलबली नजर आ रही है, जबकि वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो भाजपा समर्थित अनेक मतदाता स्पष्ट रुप से सुनिल मेंढे के पक्ष में भी नहीं है, क्योंकि विधान परिषद चुनाव के दृष्टिकोण से भले ही पूर्व सांसद सुनिल मेंढे मतदाता मैनेजमेंट में पावरफुल हो सकते हैं, लेकिन बाद में पांच साल जब बारी काम की आयेगी, तो सुनिल मेंढे से सहयोग मिल पायेगा, इसको लेकर विधान परिषद के भाजपा समर्थित मतदाताओं में भी आशंका और निराशा नजर आ रही है, जिससे कि सुनिल मेंढे भाजपा के लिये उपयुक्त उम्मीदवार नहीं कहे जा सकते।

कौन है अविनाश ब्राह्मणकर..

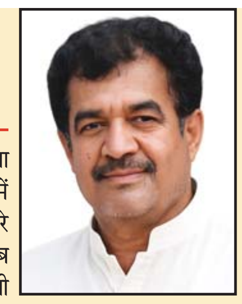

गौरतलब है कि गोंदिया भंडारा विधान परिषद क्षेत्र में उम्मीदवार के रुप में दूसरे सशक्त नाम के रुप में अब अविनाश ब्राह्मणकर का नाम भी सशक्त स्वरुप में चर्चा में है। अविनाश ब्राह्मणकर वर्तमान में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता हैं, तथा मूलरुप से ब्राह्मणकर भाजपा विचारधारा के ही हैं, तथा विगत विधानसभा चुनाव में उन्हें राष्ट्रवादी कांग्रेस के कोटे से उम्मीदवार बनाने के लिये राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में प्रवेश कराया गया था। अविनाश ब्राह्मणकर ने साकोली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के दिग्गज नेता नाना पटोले को कड़ी चुनौती दी थी, तथा सांसद प्रफुल पटेल एवं विधायक परिणय फुके की चुनावी फिल्डिंग का भी यह परिणाम रहा कि नाना पटोले जैसे दिग्गज बूरी तरह से चुनावी हार की दहलीज पर पहुंचकर चुनाव जीते थे, लेकिन विकास के दृष्टिकोण से अविनाश ब्राह्मणकर ने मतदाताओं में एक नई उम्मीद जरुर पैदा कर दी थी। गौरतलब है कि भंडारा जिले के अविनाश ब्राह्मणकर को यदि विधान परिषद उम्मीदवार बनाकर भाजपा विधायक बनाती है तो माना जा सकता है कि आगामी चुनाव के दृष्टिकोण से अविनाश ब्राह्मणकर नाना पटोले के मुकाबले एक योग्य और सशक्त चेहरा साबित होंगे, तथा अविनाश ब्राह्मणकर के मैदान में होने से भाजपा नाना पटोले के प्रभाव को कम करने में भी सफल हो सकेगी, क्योंकि ब्राह्मणकर शिक्षा क्षेत्र के बड़े दिग्गज होने के साथ साथ व्यक्तिगत पैसा प्रभाव भी रखते हैं, जिसके चलते यदि उन्होंने पूरी सक्रियता से काम कर लिया तो नाना के लिये भविष्य में मुश्किलें पैदा हो सकती है। यही कारण है कि सांसद प्रफुल पटेल और विधायक परिणय फुके की जुगलबंदी में अविनाश ब्राह्मणकर को अवसर देने का निर्णय लेने की संभावनाएं अधिक बताई जा रही है।

अंतिम फैसला 31 की रात तक..

गौरतलब है कि गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव के लिये महायुति में उम्मीदवार के नाम पर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार एवं सांसद प्रफुल पटेल मिलकर ही लेंगे, इसकी संभावनाएं बताई जा रही है, तथा सभी विषयों पर मंथन करते हुए अंतिम मुहर महायुति के दिग्गज 31 मई की रात तक ही लेंगे, ऐसा संभावित दिखाई दे रहा है।

लाडली बहनों के लिये फिर एक बार आगे आये विधायक विनोद अग्रवाल..

योजना से वंचित बहनों के लाभ को सुनिश्चित करने मुख्यमंत्री से की मांग..

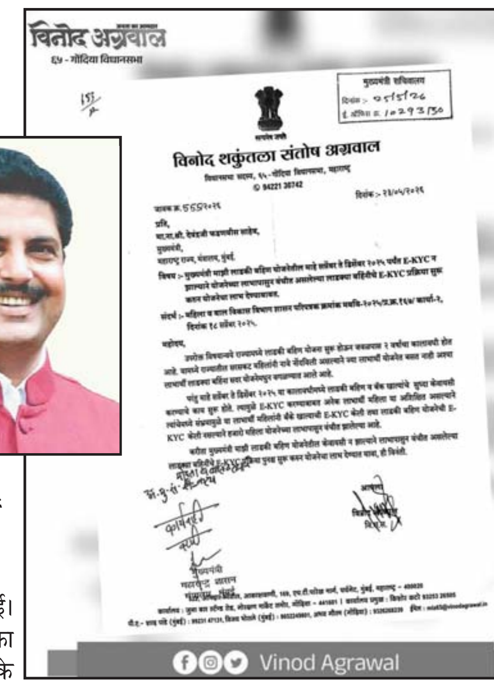

जगप्रेरणा गोंदिया।

मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार ने जब मध्यप्रदेश में लाडली बहनों को महिला सशक्तिकरण की योजना लागु करने का कार्य किया, तब महाराष्ट्र प्रदेश में भी इस योजना को लागु करने की मांग पुरे प्रदेश में सबसे पहले

गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने उठाई। विधायक विनोद अग्रवाल की पुरजोर कोशिश का परिणाम रहा कि 2024 के विधान सभा चुनाव के पहले ही भाजपा सरकार ने संपूर्ण राज्य में लाडली बहना योजना लागु कर दी, तथा महिला सशक्तिकरण के लिये बहनों को प्रतिमाह आर्थिक लाभ प्रदान करना शुरु कर दिया। गौरतलब है कि चुनाव के बाद जब सरकार बनी, तो लाडली बहना योजना की दस्तावेजी कार्यवाही में कुछ बाधाएं भी आई, जिसके कारण कुछ लाडली बहनों के खातों में धनराशि जमा नहीं हो पाने की शिकायतें भी आई। इस संदर्भ में ई केवायसी की प्रक्रिया जो कि सितंबर 2025 से दिसंबर 2025 तक चलाई गई थी, इस दौरान अनेक बहनों ने बैंक ई केवायसी तो कर ली, लेकिन योजना की अलग ई केवायसी अज्ञानवश या गैरसमझ के कारण नहीं कर पाई। इस वजह से कई पात्र लाडली बहने योजना के लाभ से वंचित रह गईं। इस समस्या के सामने आने के बाद एक बार फिर विधायक विनोद अग्रवाल आगे आए, और उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर राज्य की अधिक से अधिक लाड़ली बहनों को योजना का लाभ मिले, कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे तथा जिन बहनों ने बैंक केवायसी कर लिया है लेकिन योजना की ईकेवायसी नहीं की, उन्हें पुनः ईकेवायसी करने का मौका दिया जाए, ऐसी मांग मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से की, जिस पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये, जिससे कि जल्द ही सभी पात्र बहनों को लाडली बहना योजना का लाभ मिल सकेगा, यह विश्वास विधायक विनोद अग्रवाल ने व्यक्त किया है।

छात्रावासों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित..

जगप्रेरणा गोंदिया। सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के अंतर्गत आयुक्त, समाज कल्याण, महाराष्ट्र राज्य, पुणे द्वारा 25 मई 2026 के परिपत्रक के अनुसार शासकीय छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया लागू करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसके अनुसार पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के लिए गोंदिया जिले में 08 शासकीय छात्रावास संचालित हैं, जिनकी कुल प्रवेश क्षमता 755 विद्यार्थियों की है। इस संदर्भ में जिले के पिछड़ा वर्ग के स्कूल, कनिष्ठ महाविद्यालय तथा गैर-व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से शैक्षणिक वर्ष 2026-27 हेतु शासकीय छात्रावास में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। स्कूली विद्यार्थियों के लिए छात्रावास प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथिः 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। इसी प्रकार कक्षा 11वीं, 12वीं तथा गैर-व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए अंतिम तिथिः 15 जुलाई 2026 निर्धारित है। अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी एवं अभिभावक सहायक आयुक्त, समाज कल्याण कार्यालय, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक न्याय भवन, जिला कलेक्टर कार्यालय के पीछे, पतंगा मैदान, गोंदिया में कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं। यह अपील समाज कल्याण सहायक आयुक्त, गोंदिया द्वारा की गई है।

भीषण गर्मी मे भीषण जलसंकट को लेकर

गोंदिया में शिवसेना (उबाठा) की महिलाओं ने किया मटका फोड़ आंदोलन..

स्वच्छ एवं नियमित पेयजल की मांग को लेकर सौपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया नगर में भीषण गर्मी के दौरान नगर के अनेक प्रभागों में नागरिकों को भारी जलसंकट से परेशान होना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के कारण नागरिक बूंद बूंद पानी के लिये तरस रहे हैं, ऐसे में आम नागरिकों की शुद्ध एवं नियमित जलाआपूर्ति की मांग को लेकर आज 29 मई को गोंदिया में शिवसेना (उबाठा) जिला प्रमुख पंकज यादव की प्रमुख उपस्थिति में शिवसेना जिलासंगठिका

श्रीमती रुपाली रोटकर के नेतृत्व शिवसेना की महिलाओं ने महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के कार्यालय पहुंचकर मटका फोड़ आंदोलन किया, तथा जलापूर्ति की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपकर अतिशीघ्र व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की मांग की, अन्यथा तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी।

बोले पंकज यादव..

शिवसेना (उबाठा) जिला प्रमुख पंकज यादव ने ज्ञापन सौंपने के दौरान कहा कि नगर की जनता भीषण जलसंकट का सामना कर रही है। एक एक बूंद पानी के लिये तरसने जैसी स्थितियां निर्मित हो चुकी है। लोग दो दो तीन तीन दिन भरी गर्मी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं, जबकि वहीं जहां थोड़ी बहुत जलआपूर्ति हो भी रही है तो मटमैला पानी आ रहा है, जिसके कारण आम नागरिक परेशान हो रहे हैं। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण की ओर से की जाने वाली लापरवाही भीषण गर्मी में अत्यंत कष्टदायक है, इसलिये हमारी मांग है कि शीघ्र अतिशीघ्र जलसंकट से नगर को मुक्त करने के लिये युद्ध स्तर पर प्रयास किये जाने चाहिये।

इस दौरान बड़ी संख्या में शिवसेना के पदाधिकारी व शिवसैनिक एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। उपस्थित महिलाओं ने मटके फोड़कर प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो बड़े स्तर पर आंदोलन कर कार्यालय का घेराव किया जायेगा।

गोठनगांव तिब्बती कैंप की समस्याओं पर प्रशासन से चर्चा

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोठनगांव स्थित तिब्बती कैंप के प्रतिनिधियों– तेनजिन त्सांगपा (सेटलमेंट अधिकारी, नॉर्ग्येलिंग तिब्बतन सेटलमेंट), लोबसांग धोनल्यो (अध्यक्ष, स्थानीय तिब्बती कैंप) तथा मिगमार छोडोन (कार्यालय सचिव, तिब्बतन सेटलमेंट) ने बुधवार को अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े से मुलाकात की। इस दौरान तिब्बती प्रतिनिधियों ने बौद्ध धर्म से संबंधित तैलचित्र भेंट किया। उन्होंने गोठनगांव स्थित तिब्बती कैंप की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कैंप भारत सरकार द्वारा वर्ष 1972 में स्थापित किया गया था और महाराष्ट्र का यह एकमात्र तिब्बती कैंप है। बैठक के दौरान कैंप की विभिन्न स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गई।

- सूचना -

यदि आपको प्रतिदिन दैनिक जगप्रेरणा समाचार पत्र नही मिल रहा हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल नंबर 9860558902 पर संपर्क करें।

केवीके साइंटिस्ट ने किसान गोष्ठी का आयोजन कर किया किसानों को प्रशिक्षित..

जगप्रेरणा भंडारा।

भंडारा जिले में केवीके साइंटिस्ट ने किसान गोष्ठी का आयोजन कर कार्यक्रम के तहत किसानों को सीधी बुवाई करने को सलाह दी। इस किसान गोष्ठी में सौ से अधिक किसानों ने भाग लिया एवं सीधी बुवाई का प्रशिक्षण लिया।

जिले में मजूदरों की बढ़ती दिक्कत एवं समय से वर्षा ना होने की वजह से किसानों को सीधी बुवाई में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। बायर डायरेक्ट एकर्स के तहत किसानों को व्हाट्स ऐप नंबर 845100 0167 पर जानकारी भी दी जा रही है। कई किसानों ने बायर डायरेक्ट एकर्स के साथ 2025 में धान की सीधी बुवाई के सफलता का अनुभव साझा भी किया।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
■ (IUI) आय.यू.आय.
■ अधिक उम्र में मातृत्व
■ ओव्हम डोनेशन द्वारा
■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
■ शुक्राणु बैंक सुविधा
■ सोनोग्राफी
■ हार्मोस की जांच
■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com